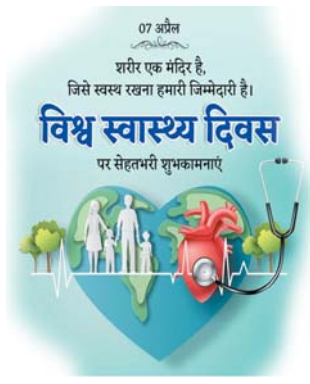

दैनिक सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 242/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर. एन. आइ. 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, सोमवार 07 अप्रैल 2025 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

एक दिन में सोने में 2,613 की बड़ी गिरावट

शेयर मार्केट में 7 अप्रैल को 3000 अंक से ज्यादा की गिरावट के बीच सोने और चांदी के दाम भी गिर गए। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 2,613 गिरकर 88,401 पर आ गया है। इससे पहले 10 ग्राम सोने की कीमत 91014 थी।

निवेशकों को फिर याद आया 1987 का 'ब्लैक मंडे', ट्रंप की टैरिफ 'दवा' का बाजार पर साइड इफेक्ट

कोविड के बाद बाजार में सबसे बड़ी गिरावट

शेयर मार्केट में हाहाकार

नई दिल्ली/मुंबई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति और वैश्विक मंदी की आशंकाओं के बीच सोमवार को एशियाई शेयरों में जबरदस्त गिरावट है। इंडियन स्टॉक मार्केट भी डाउन है। सेंसेक्स 3,100 अंक और निफ्टी करीब 900 अंक गिरा हुआ है। अमेरिकी शेयर बाजार भी बुरी तरह से गिरा हुआ है। महज कुछ मिनटों में ही बीएसई में लिस्टेज कंपनियों की कुल मार्केट वैल्यू 10 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक घट गई। सोमवार सुबह मार्केट ओपन होते ही भारतीय शेयर लाल निशान पर पहुंच गए। सेंसेक्स 3081.62 अंक यानी 4.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ 72,283.07 पर ट्रेड कर रहा है। जबकि, निफ्टी 874.70 अंक या 3.82 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,029.75 पर पहुंच गया। प्री-ओपन ट्रेडिंग सेशन में सेंसेक्स 4.30 प्रतिशत और निफ्टी में 5.75 प्रतिशत के गिरावट दर्ज की गई थी। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार 7 अप्रैल को भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को 9 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई है। टाटा स्टील के शेयर 9.97त्न और इन्फोसिस के शेयर 9.43 फीसदी गिर गए। वहीं निफ्टी मेटल में भी 6.91त्न की गिरावट दर्ज की गई।

ट्रंप के टैरिफ ने मचा दी तबाही

अमेरिका ने विदेशी सामानों पर नए आयात शुल्क (टैरिफ) लगाए, जिससे वैश्विक ट्रेड वॉर का खौफ बढ़ गया। इससे द्धज्ञ, ऑटो, फार्मा और मेटल कंपनियों के शेयर सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। विदेशी निवेशक (एफएलएलएस) भी शेयर बेचकर भागने लगे, जिससे बाजार में और दबाव बना। अगर ट्रेड वॉर की आशंका बढ़ती है, तो बाजार में और गिरावट आ सकती है। आरबीआई और सरकार की तरफ से कोई बड़ा कदम (जैसे कि दरों में कटौती या प्रोत्साहन) आने पर रिकवरी हो सकती है। लॉन्ग-टर्म निवेशकों के लिए यह खरीदारी का अच्छा मौका हो सकता है, लेकिन शॉर्ट-टर्म में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण पिछले सत्र के 403 लाख करोड़ रुपये से घटकर 387 लाख करोड़ रुपये रह जाने से निवेशकों को मिनटों में करीब 16 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

निवेशकों के 10 मिनट में 18 लाख करोड़ डूबे

भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को आई बड़ी गिरावट से निवेशकों को तगड़ा नुक्सान हुआ है। बाजार खुलते ही बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप (स्न्रुश्च) गिरकर 3,86,01,961 लाख करोड़ रुपये पर आ गया। यह शुक्रवार को 404,09,600 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह बाजार खुलने के 10 मिनट के अंदर निवेशकों की वेल्थ 18,07,639 करोड़ रुपये घट गई।

4 अप्रैल को 930 अंक गिरकर बंद हुआ था बाजार

सेंसेक्स 4 अप्रैल को 930 अंक (1.22त्न) की गिरावट के साथ 75,364 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में 345 अंक (1.49त्न) की गिरावट रही, ये 22,904 के स्तर पर बंद हुआ। द्धस्श्च सेक्टोरल इंडाइसेज में निफ्टी मेटल इंडेक्स करीब 6.56त्न टूटा। फार्मा, रियल्टी और द्धज्ञ इंडेक्स में करीब 4त्न की गिरावट रही। ऑटो, मीडिया इंडेक्स में करीब 3त्न की गिरावट रही।

हर्षद मेहता घोटाला क्रैश (1992)

भारत के शेयर बाजार को पहला बड़ा झटका 1992 में लगा, जब हर्षद मेहता घोटाला उजागर हुआ। जब 4,000 करोड़ रुपये से अधिक का घोटाला सामने आया, तो सेंसेक्स धराशायी हो गया। 28 अप्रैल, 1992 को, भारतीय शेयर बाजार ने उस समय अपनी सबसे बड़ी एकल-दिवसीय गिरावट दर्ज की, जिसमें सेंसेक्स 570 अंक या 12.7 प्रतिशत गिर गया।

केतन पारेख घोटाला क्रैश (2001)

2001 में, शेयर बाजार दलाल केतन पारेख से जुड़े एक और हेरफेर घोटाले से हिल गया था। जब घोटाले का पर्दाफाश हुआ, और डॉट-कॉम बस्ट अभी भी ताजा था, तो बाजार घबरा गए। 2 मार्च 2001 को सेंसेक्स 176 अंक या 4.13त्न गिरा था। यह अवधि गुजरात के भूकंप और कमजोर वैश्विक संकेतों के साथ हुई, जिससे बिकवाली बिगड़ गई।

इलेक्शन शॉक क्रैश (2004)

एक नाटकीय राजनीतिक मोड़ में, 2004 के आम चुनाव परिणामों ने भारतीय शेयर बाजारों को चौंका दिया। एनडीए पर यूपीए की अप्रत्याशित जीत ने आर्थिक सुधारों की निरंतरता के बारे में चिंता जताई।17 मई, 2004 को, सेंसेक्स ने अपने सबसे गंभीर एक-दिवसीय क्रैश में से एक दर्ज किया।

ग्लोबल फाइनेंशियल क्राइसिस क्रैश (2008)

2008 की दुर्घटना अमेरिका में लेहमैन ब्रदर्स के पतन के बाद वैश्विक वित्तीय मंदी का हिस्सा थी। 21 जनवरी, 2008 को वैश्विक मंदी की आशंका और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) द्वारा बड़े पैमाने पर बिकवाली के कारण सेंसेक्स 1,408 अंक या 7.4 प्रतिशत गिर गया। अगले महीनों में, सेंसेक्स अपने शिखर से लगभग 60त्न गिर गया, जो भारतीय बाजार के इतिहास में सबसे खराब भालू चरणों में से एक है।

कोविड-19 महामारी क्रैश (2020)

कोविड-19 के प्रकोप ने भारतीय स्टॉक मार्केट इतिहास में सबसे बड़ा एक दिवसीय क्रैश को ट्रिगर किया. 23 मार्च, 2020 को, सेंसेक्स 3,935 अंक या 13.2त्न गिर गया, क्योंकि भारत ने देशव्यापी लॉक डाउन की घोषणा की।

सांध्यप्रकाश विशेष

नंदीग्राम जिले में अयोध्या जैसे भव्य राम मंदिर के निर्माण का कार्य रामनवमी से शुरू

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नंदीग्राम जिले में अयोध्या जैसे भव्य राम मंदिर के निर्माण का कार्य रामनवमी के मौके से ही शुरू हो गया है। विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को रामनवमी के अवसर पर पूर्वी मेदिनीपुर जिले के नंदीग्राम में राम मंदिर की आधारशिला रखी। राम मंदिर की आधारशिला सोनाचूरा गांव में रखी गई, जहां छह जनवरी 2007 को स्थानीय प्रशासन के भूमि अधिग्रहण का विरोध कर रहे कम से कम सात लोगों की उपद्रवियों द्वारा की गई गोलीबारी में मौत हो गई थी। समर्थकों और भक्तों के जय श्री राम के उद्घोष के बीच अधिकारी ने मंदिर की नींव रखी। इससे पहले भाजपा के वरिष्ठ नेता रामनवमी शोभायात्रा का नेतृत्व करते हुए सोनाचूरा स्थित शहीद मीनार से प्रस्तावित मंदिर स्थल पर पहुंचे। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस महीने के अंत में पूर्व मेदिनीपुर जिले के दीघा में जगन्नाथ मंदिर का उद्घाटन करेंगी। शुभेंदु अधिकारी ने बताया था कि सोनाचूरा का राम मंदिर डेढ़ एकड़ जमीन पर बनेगा।

आरबीआई की एमपीसी मीटिंग आज से, लोन मिलना हो सकता है सस्ता, 9 को फैसला

नई दिल्ली। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की बैठक 7 अप्रैल से 9 अप्रैल के बीच हो सकती है। वहीं अमेरिकी टैरिफ का हाहाकार के बीच रेपो रेट में होने वाली कटौती घरेलू निवेशकों को राहत देने का काम करेगी। हालांकि इस बात की पुष्टि आरबीआई की बैठक के बाद ही की जा सकती है। इस बार ये अनुमान लगाया जा रहा है कि आरबीआई रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती करेगा। बता दें कि इससे पहले फरवरी को आयोजित की गई थी। एमपीसी की बैठक एक साल में हर दो महीने आयोजित की जाती है। इस मीटिंग के दौरान केंद्रीय बैंक रेपो रेट और अन्य वित्तीय संबंधित फैसले लेती है। मीटिंग देश के नए गवर्नर संजय मल्होत्रा के नेतृत्व में दूसरी मीटिंग होने वाली है। बैंक ऑफ अमेरिका (बोफा) ग्लोबल रिसर्च के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था को देखते हुए आरबीआई आम आदमी को आम आदमी को बड़ी राहत दे सकता है। इस रिसर्च के मुताबिक देश की केंद्रीय बैंक आरबीआई रेपो रेट में कटौती कर सकता है। रेपो रेट वे ब्याज दर होती है, जिसके जरिए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया वाणिज्यिक बैंकों को शॉर्ट टर्म लोन ऑफर करता है। ये लोन एक समय सीमा के लिए निर्धारित किया जाता है।

870 करोड़ से बस्तर में हाईटेक होगी फोर्स शाह ने प्रस्तावों को दी मंजूरी

जगदलपुर। गृहमंत्री अमित शाह के बस्तर के दौरा के बाद रायपुर में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में गृह विभाग ने बस्तर में तैनात बलों को सशक्त करने का खाका पेश किया, जिसे अमित शाह ने स्वीकृति प्रदान की। सूत्रों के अनुसार, बलों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए 520 करोड़ रुपए और अत्याधुनिक हथियारों, बुलेट प्रूफ जैकेट्स, ड्रोन आदि के लिए 350 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। बस्तर में तैनात सीआरपीएफ, डीआरजी और बस्तर फाइटर्स के जवान अब ऐसे उन्नत हथियारों से लैस होंगे, जो नक्सलियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई में मदद करेंगे। सरकार ने मार्च 2026 तक नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने का लक्ष्य तय किया है। अगले 12 महीनों में नक्सलियों का मुकाबला सबसे मजबूत बलों से होगा। बारिश से पहले सुरक्षा बलों को आधुनिक बनाने की प्रक्रिया तेज की जाएगी। जंगलों में सेना के स्तर के हथियारों और टैंकों के साथ जवान उतरेंगे। नक्सल मोर्चे पर अब डब्ल्यूएचपी (व्हील्ड आर्मर्ड पर्सनल) टैंक नजर आएगा, जिसे डीआरडीओ और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड ने मिलकर विकसित किया है। छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री विजय शर्मा पहले ही इसकी जानकारी दे चुके थे।

राज्य सेवा अधिकारियों के संयुक्त आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ

पवित्र सेवा भाव और परिष्कृत मन मस्तिष्क के साथ अधिकारी अपने दायित्व का निर्वहन करें: यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि भारतीय समाज स्वर नियंत्रित और सुसंस्कृत समाज है। राज्य सेवा के लिए चयनित अधिकारी पवित्र सेवा भाव और परिष्कृत मन मस्तिष्क के साथ, उन्हें मिली शक्तियों का उपयोग करते हुए अपने दायित्व निर्वहन की ओर अग्रसर हों। मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव राज्य सेवा के अधिकारियों के संयुक्त आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को प्रशासन अकादमी में संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने प्रशिक्षु अधिकारियों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अधिकारी अपनी दक्षता से सभी की आशाओं आकांक्षाओं पर खरे उतरें यही कामना है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने राज्य सेवा अधिकारियों के संयुक्त आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रशासन अकादमी में दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन संजय दुबे, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक राजा बाबू सिंह, संचालक प्रशासन अकादमी मुजीबुर रहमान विशेष रूप से उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव का महानिदेशक प्रशासन अकादमी सचिन सिंहा द्वारा पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर अकादमी संकल्प गान की प्रस्तुति हुई।

मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग की राज्य सेवा परीक्षा में चयनित वर्ष 2020 और 2021 बैच के उप जिला अध्यक्ष, उप पुलिस अधीक्षक और नायब तहसीलदार पद के लिए चयनित कुल 83 प्रशिक्षुओं के सात सप्ताह का संयुक्त आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम 7 अप्रैल से 23 मई 2025 तक प्रशासन अकादमी में संचालित होगा।

रतलाम में दो पक्षों के बीच तनाव दुकान जलाई, एक गंभीर

रतलाम। मध्य प्रदेश के रतलाम जिले में सोमवार की सुबह मामूली बात पर शुरु हुए विवाद ने देखते ही देखते दो पक्षों के बीच तनाव के हालात उतपन्न कर दिए हैं। मिली जानकारी के अनुसार, किसी बात पर हुए विवाद में एक शख्स के साथ चाकूबाजी की गई, साथ ही दुकान में आग भी लगाई गई है, जिससे हालात बिगड़ गए और दोनों पक्षों के लोग आमने सामने आ गए। बताया जा रहा है कि, हालात बिगड़ने पर दोनों तरफ से पथराव भी हुआ है।

सुप्रीम कोर्ट वक्फ कानून की सुनवाई पर आज फैसला लेगा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को वक्फ कानून की संवैधानिक वैधता को चुनौती देनी वाली याचिकाओं पर सुनवाई करने की सहमति दे दी है। सीजेआई संजीव खन्ना ने कहा- मैं दोपहर में याचिका की मेंशनिंग लेटर देखूंगा और फैसला लूंगा। हम इसे लिस्ट करेंगे। मौखिक मेंशनिंग नहीं होगी। आज राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) नए वक्फ कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करेगा। सुप्रीम कोर्ट में अब तक 6 याचिकाएं दाखिल हो चुकी हैं।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में एनसी मेंबर ने कॉपी फाड़ी

जम्मू-कश्मीर विधानसभा

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में सोमवार को नए वक्फ कानून पर हंगामा हुआ। नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के विधायक ने सदन में कानून की कॉपी फाड़ दी। एनसी समेत अन्य दलों ने वक्फ कानून के खिलाफ रेजोल्यूशन लाने की बात कही थी। सदन की कार्रवाई स्थगित हो गई है। वक्फ संशोधन बिल (अब कानून) 2 अप्रैल को लोकसभा और 3 अप्रैल को राज्यसभा में 12-12 घंटे की चर्चा के बाद पास हुआ था।

आज प्रदेश में तेज गर्मी, कल लू का अलर्ट, भोपाल-उज्जैन, ग्वालियर में पारा 40 डिग्री के पार

भोपाल। भोपाल में सोमवार सुबह से खिली धूप तेज गर्मी का अहसास करवा रही थी। जबकि इसके पहले रविवार को सीजन में पहली बार तापमान 40 डिग्री के पार पहुंचा था। प्रदेश में ओले-बारिश का सिस्टम खत्म होते ही तेज गर्मी पड़ने लगी है। रविवार को भोपाल, ग्वालियर, उज्जैन समेत 14 शहरों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। रतलाम में सबसे ज्यादा 42.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक आज सोमवार को प्रदेश में गर्मी का असर रहेगा जबकि मंगलवार से लू का अलर्ट है। बताया गया कि 15 अप्रैल तक राजस्थान से सटे जिलों में लू चलेगी। 9 और 10 अप्रैल को कुछ जिलों में हल्की बारिश और बादल छाए रहेंगे। प्रदेश में पिछले 3 दिन से तेज गर्मी पड़ रही है। रविवार को भोपाल में सुबह से ही तेज धूप खिली रही। गर्म हवा के कारण तापमान 40.5 डिग्री पहुंच गया। ग्वालियर में 40 डिग्री और उज्जैन में 41 डिग्री सेल्सियस पारा रहा। नर्मदापुरम में 42.2 डिग्री, खजुराहो (छतरपुर) में 42 डिग्री, गुना में 41 डिग्री, मंडला में 40.5 डिग्री, दमोह में 40.4 डिग्री, शाजापुर, धार-टीकमगढ़ में 40.3 डिग्री, नौगांव (छतरपुर), सागर में 40 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। अन्य शहरों की बात करें तो यह इंदौर में 39.8 डिग्री और जबलपुर में 39.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसी तरह सतना में 39.9 डिग्री, मलाजखंड में 39.5 डिग्री, खरगोन-छिंदवाड़ा में 39.4 डिग्री, सिवनी में 39.2 डिग्री और बैतूल में 39 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा।

मौसम के मिजाज बदले रहेंगे

मौसम विभाग, भोपाल की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि पिछले दिनों एक्टिव रहा ओले-बारिश का सिस्टम आगे बढ़ गया है। अब राजस्थान से जुड़े जिलों में हीट वेव का असर देखने को मिलेगा। 8 अप्रैल को वेस्टर्न डिस्टरबेंस के एक्टिव होने का अनुमान है। इसकी वजह से पूर्वी हिस्से में मौसम बदला रहेगा।

अप्रैल में 7 से 10 दिन चल सकती है लू

प्रदेश में अप्रैल में मौसम का मिला-जुला असर देखने को मिलेगा। पहले और दूसरे सप्ताह में हल्की बारिश हो सकती है। दूसरे सप्ताह से लू भी चलेगी। सबसे गर्म आखिरी सप्ताह रहेगा। दिन का तापमान 45 डिग्री सेल्सियस पार हो सकता है। मौसम केंद्र भोपाल के वैज्ञानिक निदेशक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया- इस बार तापमान के सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। वहीं, प्रदेश में अप्रैल महीने में 7 से 10 दिन तक हीट वेव यानी लू का असर देखने को मिल सकता है।

शार्ट फिल्म राम की शक्ति पूजा की हुई स्क्रीनिंग

मध्यावर्त लिटरेचर फेस्टिवल: राम की रंगारंग प्रस्तुति से लोग हुए मंत्रमुग्ध

भोपाल। रविवार को भोपाल के श्यामला हिल्स स्थित रंगश्री लिटिल बैलेट ट्रूप के सभागार में मध्यावर्त लिटरेचर फेस्टिवल का भव्य आयोजन हुआ, जिसमें देश भर से पधारे सुप्रसिद्ध कलाकारों ने अपने फ़न का जादू बिखेरा। शब्द, संगीत और नृत्य की इस मोहक शाम ने कला-प्रेमियों को एक यादगार अनुभव प्रदान किया। कार्यक्रम का शुभारंभ देश-विदेश में कथक के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक धरोहर का परचम लहराने वाली प्रख्यात नृत्यांगना डॉ. श्यामा पंडित के मनमोहक कथक नृत्य से हुआ। ठुमक चलत रामचंद्र पर अपनी प्रस्तुति देकर श्यामा जी ने श्री राम की स्तुति की। इसके उपरांत, उस्ताद सलीम अल्लावाले और उनकी टीम की दिल को छू लेने वाली गायकी ने महफ़िल में सुरों की मिठास घोल दी। उन्होंने ने न सिर्फ़ ग़ज़लें प्रस्तुत कीं, अपितु श्री राम चरित मानस की चौपाइयाँ गाकर भोपाल और देश की गंगा जमुनी तहज़ीब की मिसाल क़ायम की।

ग्रैंड मुशायरे में साहित्य का रंग और निखर के आया, जब देश के कोने-कोने से आए रचनाकारों ने अपने जज़्बात और खयालात शायरी के ज़रिए पेश किए.

मेरठ से आए अज़हर इक़बाल ने कहा- पाप पर अब पश्चाताप कौन करे...

सम्भल से आए अमीर इमाम ने पढ़ा- मत बताना कि बिखर जाएं तो क्या होता है, नई नस्लों को नए ख्वाब सजाने देना..लखीमपुर के चर्चित गीतकार ज्ञान प्रकाश आकुल ने सुनाया- हम सोने के हिरण नहीं हैं, हम पर तीर ना ताना जाए..दिल्ली से आए पल्लव मिश्रा ने युवा संवेदनाओं को आवाज़ देते हुए कहा-मैं उससे मिलने समय से पहले पहुँच गया था, सो उसके दर के क़रीब आकर भटक रहा हूँ..चेन्नई से आए राज तिवारी के 'राम-गीत' ने श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। साथ ही इंदौर के गीतकार महेंद्र सिंह पवार, भोपाल की ममता तिवारी और आमिर अज़हर ने भी अपनी रचनाओं से मन मोह लिया।

इस अवसर पर ज्ञान प्रकाश आकुल को 'गीत-सुधाकर सम्मान' से सम्मानित किया गया, जिससे समारोह की गरिमा और भी बढ़ गई। कार्यक्रम में शहर के युवा कलाकारों की चित्रकला प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र बनी। शुभम कुशवाहा द्वारा थ्रेड आर्ट से बनाई गई दुष्यंत कुमार की चित्रकृति और अंकित बागड़े द्वारा मध्यप्रदेश के चर्चित कलाकारों की तस्वीरों ने कला-प्रेमियों का मन जीत लिया। इस कार्यक्रम में महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की कालजयी रचना 'राम की शक्ति पूजा' पर आधारित मध्यावर्त द्वारा निर्मित शॉर्ट फ़िल्म की विशेष स्क्रीनिंग हुई, जिसे दर्शकों ने अपार सराहना दी।

हमारी फ़िल्म की इस आराधना को बल दिया अशोक निर्मल और आरिन ने.. हमारी इस सेना में साथ रहे कैमरा डिपार्टमेंट में आकाश और अमित। प्रोडक्शन डिज़ाइन गिरीश श्रीवास्तव ने किया, प्रोडक्शन मैनेजमेंट रहा आशीष, अमन और सन्नी के ज़िम्मे। मेकअप और हेयर काजल पाण्डेय और निशिका वर्मा का है। देवी दुर्गा के रूप में सौम्या पाण्डेय उनकी भुजाएं काजल पांडेय, इरा सक्सेना, तनुष्का सोनी, राम के रूप में डायमंड सोनी, सरस्वती जी मांडवी, लक्ष्मी जी कसक, गणेश पार्थ अरौंकर, कार्तिकेय अंकित बागड़े भूमिका निभा रहे हैं। सेट को पूजा के वातावरण में ढालने में पंडित दीपक शर्मा का सहयोग रहा। यह शाम, कला, साहित्य और संस्कृति के अद्भुत संगम की साक्षी बनी। एक ऐसा आयोजन जिसे शब्दों में बाँध पाना मुश्किल है।

महीने के हर प्रथम रविवार अग्रवाल समाज कर रहा महाराज अग्रसेन की महाआरती

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

अग्रवाल समाज द्वारा अपने आराध्य देव एवं कुलदेवी माता लक्ष्मी की महाआरती चैत्र नवरात्र से प्रारंभ की गई थी। महाआरती महाराज अग्रसेन की प्रतिमा के समक्ष आईटीसी पार्क, कमला पार्क के सामने महीने के प्रथम रविवार की जाती हैं। आरती में अग्रवाल समाज के लोग काफी संख्या में उपस्थित होकर जजमानी करते है। अभी तक बारह महाआरती संपन्न हो चुकी है। नियमित आरती अग्रवाल समाज के परिवारों द्वारा की जा रही है। नितिन गुप्ता एवं विनीत अग्रवाल ने बताया कि तेरहवीं महाआरती की जजमानी डॉ. श्रृद्धा अग्रवाल एवं डॉ. अतुल अग्रवाल बीईएलएस हॉस्पिटल, बाबड़ियां कला भोपाल द्वारा की गई। आरती में भोपाल के अलग-अलग क्षेत्रों में निवासरत अग्रबंधु शामिल हो रहे है। आरती के पश्चात लकी ड्रा का भी निकाला गया। जिसमें विजेता निशा गुप्ता और विनीत अग्रवाल को विहान फिजियोथैरेपी की तरफ से पुरस्कार भी प्रदान किया गया। आरती में मुकेश गोयल, कैलाश अग्रवाल लालघाटी, सुधीर अग्रवाल, रोहित गुप्ता, डॉ. अंकुर अग्रवाल, धीरज अग्रवाल, अमित मित्तल, कैलाश अग्रवाल लालघाटी, नरेन्द्र गुप्ता, सौरभ गुप्ता, शैलेष अग्रवाल, कैलाश अग्रवाल, सुधीर अग्रवाल, अमन अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, मोहित अग्रवाल, दिलीप अग्रवाल, सुशील अग्रवाल, डॉ.एस.एस. अग्रवाल, रमेश अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, पलाश गुप्ता, डॉ. ग्रीष्मा अग्रवाल, रानी मित्तल, आशा गुप्ता, मोनाली गुप्ता, मोनाली अग्रवाल, अर्चना अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में अग्रबंधु शामिल हुए।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में सैकड़ों लोगों ने अपनी जांच करवाई

भोपाल। रविवार को रामनवमी के शुभ अवसर पर निदांता स्वास्थ्य वेलफेयर सोसाइटी ने विजयनगर के वीर सावरकर पार्क में विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जिसमें निःशुल्क हीमोग्लोबिन ,शुगर ,बीपी ,बीएमआई ,बीएमडी की जांच की गई इस अवसर पर निदांता स्वास्थ्य वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष डॉक्टर जितेंद्र मिश्र जी ने बताया कि हमारी संस्था पिछले 10 वर्षों से भोपाल के आसपास के कॉलोनी कवर्ड केंपस मंदिर परिसर एवं पार्कों में इस तरह के निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करते आ रहे हैं निःशुल्क हेल्थ कैंप में हमारी संस्था का मुख्य उद्देश्य लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता को बढ़ावा देने का रहता है क्योंकि वर्तमान समय में हर व्यक्ति अपने काम में व्यस्त है वह अपने हेल्थ के बारे में जागरूकता की कमी से कई तरह की बीमारियों से ग्रसित हो जाता है और जब तक बीमारी लास्ट स्टेज में नहीं पहुंच जाती और पूरे शरीर को ग्रसित नहीं कर लेती तब तक लोग डॉक्टर के पास नहीं जाते इसीलिए हमारी संस्था हर जगह जाकर कैंप के माध्यम से सभी तरह की जांच करके लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करती है जिससे बीमारी शुरुआती स्टेज में पकड़ में आए और खान-पान एवं लाइफस्टाइल में बदलाव करके अपने हेल्थ एवं शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं लेकिन जब बीमारी लास्ट स्टेज में पहुंच जाती है तो व्यक्ति पूरी तरह से शारीरिक मानसिक और आर्थिक प्रकार से टॉर्चर होता है और उसका पूरा परिवार भी बीमारी की वजह से टेंशन में आ जाता है इसीलिए हमारी संस्था निरंतर प्रयास करती है कि कि हम अपने शरीर के लिए छोटी-छोटी जांच करवारकर कैसे लाइफस्टाइल चेंज डिजीज से बच सकते हैं और स्वस्थ जीवन व्यतीत कर सकते हैं खान-पान में बदलाव करके रोका जा सके शिविर में जो जांच की जाती हैं उनके स्पेशलिस्ट डॉक्टर भी अपनी निःशुल्क परामर्श देते हैं आज की इस निःशुल्क शिविर में निदांता डायग्नोस्टिक की डायरेक्टर पैथोलॉजिस्ट डॉक्टर ऋतु आसनानी ,श्वहृज्ञ रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अंचल कुमार जैन ,हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर मोहित दा, दंत रोग विशेषज्ञ डॉक्टर सत्येंद्र आसवानी, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर साक्षी दादलानी , फिजिशियन डॉक्टर हरीश पाठक ,डेंटल डॉक्टर खुशबू पेसवानी हेयर ट्रांसप्लांट विशेषज्ञ डॉक्टर पंकज पेसवानी एवं इंसुलिन हाउस के डायरेक्टर अनिल आहूजा जी,उदय राज यादव, जय दांगी, रितेश, सुधीर खुशबू आदि ने शिविर में सेवाएं देकर इसे सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

भोपाल। नवरात्रि के नौवे दिन अशोका गार्डन स्थित सुभाष कॉलोनी से माता रानी के जवारे गोविंदपुरा स्थित खेड़ापति इमली वाली माता के दरबार के लिए विसर्जन के लिए पहुंचे।

योग अभ्यास से अतिरिक्त प्राणशक्ति प्राप्त होती है: योग गुरु महेश अग्रवाल

भोपाल। आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि स्वास्थ्य एक ऐसा विषय है जो हमारे जीवन में बेहद अहमियत रखता है , फिर भी ज्यादातर लोग इसकी अनदेखी ही करते हैं । मेंटल स्ट्रेस , डिप्रेशन , इंजायटी से लेकर हिस्टिरिया , डिमेंशिया , फोबिया जैसी कई मानसिक बीमारियां है जो पूरी दुनिया में तेजी से बढ़ रही है । कोरोना के इस दौर में तो सोशल डिस्टेंसिंग, आइसोलेशन के कारण ये समस्याएं और भी बढ़ गई हैं । पूरी दुनिया में 7 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य दिवस के रूप में मनाया जाता है । स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता बढ़ाने को लेकर दुनिया भर में तरह-तरह के कार्यक्रम किए जाते हैं ।

योग गुरु अग्रवाल ने बताया कि बीमारी एक ऐसी दशा है जिसका अनुभव शरीर में किया जाता है , पर इसका अस्तित्व होता है मन में । योग के अनुसार बीमारी हमारी अन्तश्चेतना में दबी रहती है , चूँकि हम उसके प्रति संवेदनशील नहीं होते , अतः उसकी अनुभूति मन और इन्द्रियों के जरिये शरीर में होती है । सभी रोग , चाहे वे पाचन सम्बन्धी हों या रक्त परिसंचरण सम्बन्धी , असावधानी और स्वास्थ्य के नियमों के प्रति लापरवाही से ही पैदा होते है। वर्तमान समय में बीमारियों के निदान में योग की महत्वपूर्ण भूमिका होगी । हमारे आधुनिक समाज में कई प्रकार के दैनिक और मानसिक रोग व्याप्त हैं । आज जो नई बीमारियाँ पैदा होती जा रही हैं , उनका कारण है - परेशान और चिन्ताग्रस्त मन । कोई दवा इन रोगों का सामना नहीं कर सकती । तुम अगर इसके लिये समाज को कोई नई जीवन पद्धति देना चाहो तो यह कार्य एक वर्ष में होने का नहीं , बीस वर्षों में भी नहीं होगा । तब भी रोगों के वे रंग-ढंग चलते रहेंगे । ये रोग आधुनिक जीवन के महत्त्वपूर्ण अंग बन चुके हैं । इन समस्याओं के समाधान का एक ही रास्ता दिखलाई देता है और वह है योग । शरीर के गंभीर रोगों के लिये सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा है सहानुभूति 7 हर एक रोगी चिकित्सा अवधि में पूर्ण विश्राम एवं सेवा चाहता है। रोगी सहानुभूति का भूखा रहता है । वह अपना साधारण कार्य भी स्वयं करना नहीं चाहता है ।रोगी को प्रेम से सेवा एवं सहानुभूति का बर्ताव मिले तो उसे स्वस्थ होने में कम समय लगता है। रोगी को हँसमुख रखना , स्वस्थ होने के लिये आशा और विश्वास बढ़ाना उसके क्रोध को प्रसन्नता से सहन करने एवं प्रेम तथा सहानुभूति से सेवा चालू रखने में ही रोगी की भलाई समझना चाहिये ।

सम्राट अशोक जयंती पर किया बोधगया धम्म यात्रा का समापन

भोपाल। महान चक्रवर्ती सम्राट अशोक की जयंती के उपलक्ष्य में बुद्धभूमि महाविहार मोनेस्ट्री, चुनाभट्टी कोलार रोड, में एक भव्य और गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भगवान बुद्ध की पावन ज्ञानभूमि बोधगया में चल रहे महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन में सहभागिता करने वाले धम्म उपासक-उपासिकाओं का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। 29 मार्च से 4 अप्रैल 2025 तक धम्म प्रचार-प्रसार एवं बौद्ध समाज के उत्थान के पवित्र उद्देश्य से एक समर्पित धम्म यात्रा बोधगया के लिए प्रस्थान हुई थी। यह धम्म यात्रा 05 अप्रैल को भोपाल में सुखपूर्वक संपन्न हुई, जिसमें भंते शाक्यपुत्र सागर थेरो एवं श्रद्धेय भिक्षु संघ के मार्गदर्शन में 30 उपासक-उपासिकाओं ने भाग लिया। इस अवसर पर भंते शाक्यपुत्र सागर थेरो ने कहा सम्राट अशोक केवल एक शासक नहीं, बल्कि धम्म के महान प्रचारक थे। उनकी धम्म नीति में सहिष्णुता, अहिंसा, सत्य, दया और सेवा का संदेश निहित था। उन्होंने बौद्ध धम्म को केवल एक धर्म के रूप में नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक पद्धति के रूप में अपनाया और इसे व्यापक स्तर पर प्रचारित किया। उनकी जयंती हमें स्मरण कराती है कि हमें समाज में शांति, अहिंसा और सद्भावना फैलाने का संकल्प लेना चाहिए। इस पावन अवसर पर, महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन में सहभागी होकर धर्मचक्र प्रवर्तन करने वाले धम्म उपासक-उपासिकाओं का भव्य स्वागत किया गया। इस गरिमामय समारोह में कई गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिनमें प्रमुख रूप से बी. डी. अहिरवार, शामा अहिरवार, सत्यशीला दुधमल, माया हिवराडे, शोभा लोखंडे, निर्मला सोनवाने, छाया खरात, वंदना मुलताकर, वैशाली मनहर, सुनीता गजभिये, संजय गजभिये, चन्द्रप्रकाश गोलाईत, रामेश्वर गजभिये, हरेन्द्र भारतीय, शामलाल रामटेके, रमेश मोरे, कशिश सुरवडे, श्रद्धा हिवराडे,श्री प्रदीप रामटेके, राहुल जाधव, आनंद बागधरे आदि शामिल है।

संत नगर के प्रत्येक बूथ पर मनाया भाजपा स्थापना दिवस

संत नगर। भारतीय जनता पार्टी संतनगर मंडल अध्यक्ष मनीष बागवानी के नेतृत्व में संत नगर मंडल के सभी बूथ पर भारतीय जनता पार्टी स्थापना दिवस कार्यक्रम बड़े धूमधाम से मनाया गया इस अवसर पर प्रत्येक बूथ पर शक्ति केंद्र संयोजक एवं वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की मूर्ति पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि समर्पित कर भाजपा सरकार द्वारा चलाए जा रहे जनता की हित की नीतियों की योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाना का संकल्प लिया इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष राम बंसल, राहुल राजपूत पूर्व मंडल अध्यक्ष चंद्र प्रकाश इसरानी,कमल विधानी, शेट्टी चंदनानी राजेश हिंगोरानी, सूरज यादव, बबलू चावला, किशन अच्छानी, महेश खटवानी, सुमित अहूजा, हर्षित दुबे, उमेश नगर,रामनारायण मांझी,गुड्डू मेहरा, प्रदीप मैहर, शिव मिश्रा,कंवर नगर गौरव सोनी, नरेंद्र विष्ठ, मिक्की दास, जीतेन्द्र राठौर, बाबू उरिया, संदीप पाटिल, किशोर साधवानी, राजू थवानी, प्रदीप मेवाड़ा, दीपक मेहर सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रामेश्वर शर्मा के बंगले पर की आतिशबाजी

भाजपा के स्थापना दिवस के अवसर पर विधायक रामेश्वर शर्मा अपने बंगले पर कार्यकर्ताओं के साथ ढोल की थाप पर झूमते नजर आए। ढोल नगाड़ों के साथ आतिशबाजी भी की गई। फूलों की रंगोली से कमल का फूल आकर्षण का केंद्र रही। विधायक रामेश्वर शर्मा ने श्रीराम नवमी प्राकट्य उत्सव एवं भाजपा के स्थापना दिवस की बधाई दी। विधायक शर्मा ने कहा की हमारा सौभाग्य है की श्रीराम जिनकी प्रेरणा से उनकी कृपा से जन के कल्याण कार्य कर रहें है उन्ही के प्राकट्य दिवस पर भाजपा का स्थापना दिवस है। विधायक रामेश्वर शर्मा के युवा सदन कार्यालय को भाजपा के झंडो से विशेष साज सज्जा की गई है।

सिध्द भाऊ एवं सबनानी ने किया सहायता केंद्र का शुभारंभ

भोपाल। सिंधी पंचायत अरेरा कॉलोनी एवं होशंगाबाद रोड द्वारा सहायता केंद्र का शुभारंभ सिद्ध भाऊ एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी द्वारा किया गया। सिंधी पंचायत अरेरा कॉलोनी एवं होशंगाबाद रोड द्वारा संचालित सहायता केंद्र के द्वारा केंद्र सरकार व राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ आमजन को मिल सके और उन्हें इन योजनाओं के मिलने में किसी प्रकार की कोई कठिनाइयां आ रही हो तो उसकी सहायता हेतु पंचायत द्वारा एक हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है जिसके द्वारा सभी को इन योजनाओं का लाभ सरलता से मिल सके, इसका विशेष ध्यान रखा जाएगा, अध्यक्ष जयपाल राजदेव ने बताया कि हेल्पलाइन नंबर 9993125963 पर फोन कर जनमानस को इन योजनाओं के बारे में जानकारी दी जाएगी और उन्हें इन योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा। सिद्ध भाऊ जी ने कहा कि यह बहुत ही अच्छा प्रयास है और सभी को सरकारी योजनाओं का लाभ मिले सके, इसकी चिंता सिंधी पंचायत अरेरा कॉलोनी द्वारा की गई इसके लिए मैं पंचायत के सभी सदस्यों को अपनी शुभकामनाएं देता हूं और आशा करता हूं की ज्यादा से ज्यादा लोग इस हेल्पलाइन के द्वारा योजनाओं की जानकारी लेकर उसका लाभ ले सकें, विधायक सबनानी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा समाज के हर वर्ग के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं।

बहनों की मांग पर मैहर सहित 19 धार्मिक क्षेत्रों में की गई शराबबंदी: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री का शराबबंदी के लिए हुआ स्वागत एवं अभिनंदन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मैहर में मां शारदा के दर्शन कर देश ओर प्रदेशवासियों की खुशहाली की कामना की।

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मैहर में माँ शारदा देवी का भव्य शारदा लोक का निर्माण किया जायेगा। इसी तरह चित्रकूट में वनवासी भगवान श्रीराम लोक का भी निर्माण होगा। आज रावनवमीं पर पूरी अयोध्या जगमग है तो भगवान श्रीराम की कर्मभूमि चित्रकूट भी आज लाखों दीपों से जगमग होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने बहनों की माँग पर मैहर सहित प्रदेश के 19 धार्मिक क्षेत्रों में शराबबंदी कर दी है। मैहर में शीघ्र ही कलेक्ट्रेट भवन का निमार्ण कार्य शुरू किया जायेगा। इसी साल बरगी बांध से माँ नर्मदा का जल मैहर क्षेत्र में सिंचाई के लिए पहुंचाया जायेगा। प्रदेश में सिंचाई के क्षेत्र में तेजी से प्रगति हुई है। वर्ष 2003 में केवल 7 लाख हेक्टेयर में सिंचाई सुविधा थी, जिसे 55 लाख हेक्टेयर तक बढ़ाया गया है। विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से अगले 5 साल में प्रदेश में 1 करोड़ हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी। मैहर में 250 एकड़ क्षेत्र में विशाल गौशाला का निर्माण भी किया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को मैहर में रामनवमीं के दिन माँ शारदा मंदिर में दर्शन कर आमसभा को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माँ शारदा की कृपा से मैहर जिले को मॉडल के रूप में विकसित किया जायेगा। रामनवमीं पर माँ शारदा से मुझे आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला है। आज हम रामनवमीं के साथ माँ शारदा के परम भक्त और परमवीर आल्हा का 1300वां जन्म वर्ष भी मना रहे हैं। आल्हा ने अपनी वीरता से बुंदेलखण्ड की धरती को वीरों की धरती बनाया। प्रदेश में आल्हा के जीवन से जुडे कार्यक्रम वर्ष भर आयोजित किये जायेंगे, जिसका पूरा खर्च सरकार उठायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोक कलाकारों ने भी वीर रस से भरे हुए मोहक आल्हा गायन से युद्धों का सजीव वर्णन किया। ऐसा लग रहा था जैसे सचमुच में तलवारें चल रही हैं। मुख्यमंत्री ने मंच में आल्हा कार्यक्रम की प्रस्तुति देने वाली कला-मण्डलियों को 50-50 हजार रूपये देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि डबल इंजन की सरकार से देश और प्रदेश तेजी से विकास कर रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी नीतियों से देश की हर कठिनाई दूर हो रही है। कश्मीर में धारा-370 को समाप्त कर आतंकवादियों की कमर तोड़ने के साथ विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। अब तो पाक अधिकृत कश्मीर भी भारत में मिलने की माँग कर रहा है। यह प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन-कल्याणकारी नीति, सुव्यवस्था और विकास के कार्यों के प्रति जनता का विश्वास है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश तेजी से विकास कर रहा है। मध्यप्रदेश में वर्ष 2003 के पहले औद्योगिक विकास दर 1 प्रतिशत से भी कम थी। आज औद्योगिक विकास दर 12 प्रतिशत है। मध्यप्रदेश देश में सबसे तेजी से औद्योगिक विकास करने वाला राज्य है। हर संभाग मुख्यालय में इन्वेस्टर्स मीट में औद्योगिक क्षेत्र में निवेश के बडे प्रस्ताव मिले है। औद्योगिक विकास के लिए मैहर में नवीन संस्थानों की स्थापना की जायेगी। ऊर्जा के क्षेत्र में प्रदेश में 32 लाख सोलर पंप लगाकर किसानों को मुफ्त में बिजली देंगे। किसानों के पास यदि उनके उपयोग से अधिक बिजली पैदा हुई तो उसे खरीदकर रूपये भी सरकार देगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मैहर सहित प्रदेश के 19 स्थानों में शराबबंदी लागू की गई है। बहनों की माँग पर यह कदम उठाया गया है। शराब से तन-मन और धन का नाश होता है। आज मैहर में जगह-जगह दूध का वितरण करते हुए लोगों ने शराबबंदी पर खुशी जाहिर की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मैहर में मंदिर पहुंचकर माँ शारदा देवी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मैहर नगर में स्टेट बैंक चौराहा, काली माता मंदिर से कटरा बाजार होते हुए घंटाघर चौक तक आयोजित रोड-शो में शामिल हुए। आम जनता ने पुष्पवर्षा कर शराब बंदी करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्वागत कर आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बंधा बैरियर में आयोजित विशाल आमसभा में 71 करोड़ से अधिक लागत के निर्माण कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने कन्या-पूजन कर बेटियों का सम्मान किया। विभिन्न योजनाओं में हितलाभ का वितरण किया।

समारोह में जिले के प्रभारी मंत्री तथा ग्रामीण विकास राज्यमंत्री श्रीमती राधा सिंह ने कहा कि मैहर जिले को विकास की हर योजना का लाभ मिलेगा। समारोह में सांसद श्री गणेश सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने छोटे से कार्यकाल में विशिष्ट कार्यों से अलग पहचान बनाई है। मैहर सहित 19 स्थानों में शराबबंदी लागू करके सराहनीय और साहसिक कार्य किया है। उज्जैन के महाकाल लोक की तरह मैहर में भी माँ शारदा लोक का निर्माण जिले के लिए बहुत बडी सौगात है। सांसद ने मैहर में औद्योगिक विकास केन्द्र बनाने रिंग रोड निर्माण तथा कलेक्ट्रेट भवन निर्माण की माँग रखी। विधायक मैहर श्रीकांत चतुर्वेदी ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्वागत करते हुए कहा कि आज मैहर जिले के लिए बहुत बड़ा दिन है। विधायक ने 250 एकड़ में गौशाला निर्माण, मैहर शहर की सड़कों को फोरलेन बनाने, कन्या महाविद्यालय खोलने, माँ शारदा लोक के प्रथम चरण के निर्माण कार्य शुरू करने और आल्हा महोत्सव आयोजित करने की माँग रखी।

कार्यक्रम में नगरीय विकास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, विधायक चित्रकूट श्री सुरेन्द्र सिंह गहरवार, विधायक रामपुर बघेलान श्री विक्रम सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल सहित जन-प्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम में लोक कलाकारों ने आल्हा गायन प्रस्तुत किया।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर आरसीएच पोर्टल का शुभारंभ करेंगे सीएम मोहन यादव

भोपाल। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर सोमवार को मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव भोपाल में दिनभर विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यक्रमों और बैठकों में शामिल होंगे। इस दौरान वे प्रशासनिक, स्वास्थ्य और कानून व्यवस्था से जुड़ी योजनाओं की समीक्षा करेंगे और कई नई पहलों की शुरुआत करेंगे। सीएम मोहन यादव भोपाल में आरसीएच पोर्टल 2.0 की शुरुआत करेंगे। जिसका उद्देश्य गर्भावस्था की शुरुआत से लेकर नवजात शिशु के टीकाकरण तक की संपूर्ण जानकारी को रिकॉर्ड करना है। इस पोर्टल का मुख्य उद्देश्य समय रहते जोखिम भरी प्रेग्नेंसी की पहचान कर इलाज शुरू करना है, जिससे मां और बच्चे दोनों की जान बचाई जा सके।

मुख्यमंत्री अपने दिन की शुरुआत सुबह 10 बजे एडीजी इंटेलिजेंस और आयुक्त जनसंपर्क के साथ ब्रीफिंग से करेंगे। इसके बाद वे आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी पहुंचेंगे, जहाँ वे मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग से चयनित राज्य सेवा अधिकारियों के संयुक्त आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे।

फिर सिंगरौली ने मोहन यादव सरकार के खजाने को किया मालामाल

सिंगरौली। जिला खनिज अधिकारी आकांक्षा पटेल ने कहा सिंगरौली के राजस्व से प्रदेश के कई जिलों का विकास होता है। पूरी टीम का सराहनीय प्रयास मध्यप्रदेश की उर्जाधानी नगरी जो प्रदेश के पूर्वी भाग में स्थित प्रदेश का अंतिम जिला है , बॉर्डर में उतरप्रदेश और छत्तीसगढ़ की सीमाएं जुड़ी हैं , जिले में कोयले , रेत , गिट्टी , पत्थर , खनिज के भंडार होने से हर साल सिंगरौली को बड़ा राजस्व मिल रहा है, पूरे प्रदेश में इस साल भी सिंगरौली ने प्रदेश की मोहन सरकार के खजाने को मालामाल कर दिया है । सिंगरौली कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला ने जिले में आते ही सर्वप्रथम राजस्व को बढ़ाने की दिशा में लगातार विभागीय अफसरों के साथ मीटिंग कर मोनिटरिंग कर रहे थे , जिससे रेवेन्यू में सिंगरौली ने टॉप किया और भोपाल के आला अफसरों ने भी जिले को बधाई दी है । इस साल 2024-2025 में 4 हजार 370 करोड़ का टारगेट था जिसमें 4 हजार 80 करोड़ का राजस्व मिला है वहीं ग्रामीण सड़क उत्सर्जन में 872 करोड़ का राजस्व प्राप्त कर सिंगरौली जिले अकेले पूरे प्रदेश को गौरवांवित किया है , साथ ही राजस्व के डीआईएमएफ फंड से प्रदेश के कई जिलों का विकास भी होता है । बड़ी उपलब्धि पर जिले के कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला ने खनिज विभाग को बधाई दी है ।

वीडियो वायरल होने पर फील्ड स्टाफ पर होगी कार्रवाई

भोपाल। कूनो आगरा रेंज की सीमा के पास मानव बस्ती के करीब कृषि क्षेत्र में घूम रहे चीता ज्वाला और उसके 4 शावक के नजदीक जाकर पानी पिलाने और उसका वीडियो वायरल करने पर फील्ड स्टाफ के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। वन विभाग द्वारा जानकारी दी गयी कि सामान्य तौर पर निगरानी टीम को निर्देश दिये गये हैं कि जब भी ऐसी स्थिति उत्पन्न हो तो चीता को जंगल की ओर वापस मोड़ने एवं लुभाने के प्रयास किये जायें, जिससे मानव-चीता संघर्ष की स्थिति न बने। साथ ही जब भी चीता कृषि क्षेत्र में या मानव बस्ती के करीब जाता है, ऐसी स्थिति में संबंधित रेंज से अतिरिक्त स्टाफ बुलाया जाता है। इस प्रकरण में भी आगरा रेंज से अतिरिक्त फील्ड स्टाफ बुलाया गया था। वन विभाग की ड्यूटी के लिये आगरा रेंज के कूनो डब्ल्यूएलडी में रखे गये वाहन चालक ने ज्वाला और उसके 4 शावकों को स्टील के कटोरे में पानी पिलाया, जबकि ऐसी स्थिति में दूर रहने के स्पष्ट निर्देश हैं और निगरानी दल को चीतों को नजदीक से संभालने का प्रशिक्षण भी दिया गया है। केवल अधिकृत कर्मचारी ही किसी विशेष कार्य के लिये चीते के नजदीक जा सकता है। इस घटना में फील्ड स्टाफ ने निर्देशों का उल्लंघन किया और अनुशासनहीनता दिखायी। साथ ही अनुशासन और निर्देश की अवहेलना करते हुए वीडियो बनाकर वायरल किया गया। इस कारण कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

स्कूल शिक्षा विभाग ने छात्रावास निर्माण के लिए बजट में किया प्रावधान

भोपाल। प्रदेश के संभागीय मुख्यालयों पर दिव्यांग विद्यार्थियों के लिये 50 सीटर बालक और 50 सीटर बालिका दिव्यांग छात्रावास निर्माण के लिये प्रति इकाई 3 करोड़ 50 लाख रुपये की स्वीकृति स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा लोक निर्माण विभाग को दी गयी है। दिव्यांग छात्रावास का निर्माण संभागीय मुख्यालय पर स्थित ऐसे स्कूलों में किया जायेगा, जहाँ सह-शिक्षा उपलब्ध है। वर्तमान में ऐसे दिव्यांग विद्यार्थी, जो कक्षा 8वीं तक की शिक्षा राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा संचालित छात्रावास में रहकर पास करते हैं, उन दिव्यांग विद्यार्थियों को कक्षा-9 और उससे ऊपर की कक्षाओं में पढ़ाई के लिये राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा संचालित छात्रावास में व्यवस्था की गयी है। स्वीकृत छात्रावासों में से ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, शहडोल तथा नर्मदापुरम में निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष संभागीय मुख्यालयों में कार्य प्रगति पर है।

ग्वालियर के चहुंमुखी विकास में कोई कसर नहीं रहेगी: ऊर्जा मंत्री तोमर

भोपाल। उपनगर ग्वालियर के चहुँमुखी विकास में कोई कोर कसर नहीं रहने दी जायेगी। उपनगर ग्वालियर में मूर्तरूप ले रहे विकास कार्यों से क्षेत्रवासियों को सुगम आवागमन और बेहतर बुनियादी सुविधाएं मिल रही हैं। प्रगति की यात्रा इसी प्रकार निरंतर जारी रहेगी। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने यह बात उपनगर ग्वालियर में लगभग तीन करोड़ 70 लाख रुपए से अधिक के विकास कार्यों के भूमि- पूजन के अवसर पर कही। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि आमजन को मूलभूत सुविधाओं का लाभ आसानी से मिले इसी दिशा में कार्य किया जा रहा है। उपनगर ग्वालियर में स्वास्थ्य और शिक्षा में बेहतर कार्य किया गया है। सिविल हॉस्पिटल हजीरा एक प्राइवेट हॉस्पिटल की तरह सुविधा दे रहा है। शिक्षा नगर में स्मार्ट स्कूल बनकर तैयार है, जहां बच्चों को किसी प्राइवेट विद्यालय से अच्छी सुविधाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी। शीघ्र ही इसका लोकार्पण किया जाएगा। पूर्व सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार की मंशानुरूप जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति को भी दिलाने का कार्य किया जा रहा है। ग्वालियर में विकास कार्य बहुत ही तेजी से किये जा रहे हैं। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने वार्ड 32, 3 व 4 में 3 करोड़ 70 लाख रुपए से अधिक के विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। वार्ड 32 में न्यू कुशालनगर की विभिन्न गलियों में सीसी रोड, श्रुति एंक्लेव में डामरीकरण , न्यू चंदन नगर की विभिन्न गलियों में सीसी रोड निर्माण, विभिन्न स्थानों पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग कार्य, इंदिरा एनक्लेव पार्क में दो कक्ष, बाउंड्री वॉल एवं पेवर ब्लॉक निर्माण कार्य, डी ब्लॉक में सीसी रोड निर्माण कार्य, खेड़ापति कॉलोनी में पेवर ब्लॉक कर, विकास नगर रुति एनक्लेव गांधीनगर न्यू प्रेम नगर, न्यू खेड़ापति कॉलोनी में पार्क डेवलपमेंट कार्य, गणेश मंदिर शिंदे की छावनी प्रणाली निर्माण कार्य, न्यू खेड़ापति कॉलोनी में डामरीकरण कार्य, विकास नगर डामरीकरण, शिंदे की छावनी पठार वाली चौक पर सीसी सड़क निर्माण कार्य एवं रवि नगर पार्क। इसके साथ ही वार्ड 3 में डीआरपी लाइन पेट्रोल पंप के बगल से स्कूल तक सीसी निर्माण कार्य एवं वार्ड 4 सदाशिव नगर की विभिन्न गलियों में सड़क एवं सीसी निर्माण कार्य किये जायेंगे इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बेहतर स्वास्थ्य सेवा के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध: स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ देने के लिये राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य से जुड़ी सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। मंत्री सिंह नरसिंहपुर जिले के विकासखण्ड साईंखेड़ा के अंतर्गत आने वाले ग्राम डुंगरिया में 65 लाख रुपये लागत से नव-निर्मित उप स्वास्थ्य केन्द्र और सीएचओ आवासीय भवन के लोकार्पण के बाद जन-समुदाय को संबोधित कर रहे थे।

मंत्री सिंह ने कहा कि इस स्वास्थ्य केन्द्र में मरीजों की बीपी, शुगर की जाँच, गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण और टीकाकरण किया जा सकेगा। मरीजों को यहाँ निःशुल्क दवाइयाँ उपलब्ध रहेंगी। उन्होंने ग्रामीणों को आयुष्मान कार्ड के महत्व के बारे में बताया। जल गंगा संवर्धन अभियान की चर्चा करते हुए सिंह ने कहा कि इस महत्वपूर्ण कार्य में जिले में जन-भागीदारी अधिक से अधिक हो, इसके लिये सभी के प्रयास की जरूरत है। उन्होंने करीब 3 करोड़ 75 लाख रुपये लागत के पनागर से डुंगरिया मार्ग का भूमि-पूजन भी किया।

जल गंगा संवर्धन अभियान: जल संरक्षण के कार्यों में समाज के प्रत्येक वर्ग का सहयोग

स्वयंसेवी संस्थाओं की भी बढ़ रही है भागीदारी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

प्रदेश में 30 मार्च से शुरू किये गये जल गंगा संवर्धन अभियान को अब समाज के प्रत्येक वर्ग का सहयोग मिल रहा है। अभियान के जरिये कुओं, नदियों, तालाबों, बावड़ियों के साथ स्टॉप डेम के आसपास साफ-सफाई और गहरीकरण के कार्य को प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है। जन-भागीदारी के कार्यों में प्रशासनिक अमला भी कँधे से कँधा मिलाकर सहयोग कर रहा है।

छोटा तालाब के कुण्ड में चलाया स्वच्छता अभियान

छिंदवाड़ा में कलेक्टर श्री शीलेंद्र सिंह के निर्देशन में जन-अभियान परिषद ने छोटा तालाब के कुण्ड की साफ-सफाई का कार्य शुरू किया। कार्य में नगर निगम के स्वच्छता ब्रॉण्ड एम्बेसडर श्री विनोद तिवारी, विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों और वॉलेंटियर्स ने श्रमदान किया। कुण्ड में पॉलिथीन और बेकार सामग्री को हटाया गया। सफाई कार्य के दौरान नागरिकों को शहर के खूबसूरत छोटे तालाब को साफ रखने का संकल्प दिलाया गया। जन-अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री अखिलेश जैन ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान 30 जून तक निरंतर जारी रहेगा। परिषद के सहयोग से जिलेभर में नुक्कड़ नाटक एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिये जन-सामान्य में जल-स्त्रोतों को साफ रखने के प्रति जन-जागरूकता लायी जायेगी।

ननासा में जल-स्त्रोतों की साफ-सफाई: देवास जिले में कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह और जिला पंचायत सीईओ श्री हिमांशु प्रजापति की देख-रेख में जल गंगा संवर्धन अभियान में जल-स्त्रोतों की सफाई का कार्य हाथ में लिया गया है। ग्राम पंचायत ननासा में तालाब के गहरीकरण का कार्य किया गया। बागली विकासखण्ड की ग्राम पंचायत हैदरपुर में जन-सहयोग से नदी-नालों के गहरीकरण का कार्य किया जा रहा है।

बावड़ी की सफाई कर स्वच्छता और जल संरक्षण का दिया संदेश: जन-अभियान परिषद के कार्यकर्ताओं ने धार जिले की ग्राम पंचायत तीसगाँव में प्राचीन बावड़ी की साफ-सफाई कर जन-सामान्य को स्वच्छता और जल संरक्षण का संदेश दिया। कार्यकर्ताओं ने श्रमदान के दौरान स्वच्छ परिवेश, जुटेगा सारा देश'' के नारे लगाये। ग्रामीण क्षेत्रों में जल-स्त्रोतों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ी है।

पानी को सहेजना जिम्मेदारी

शहडोल जिले में जल के संरक्षण और जल को सहेजने के लिये 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। जिले की ग्राम पंचायत पकरिया में विधायक श्री जय सिंह मरावी के नेतृत्व में जन-जागरूकता का कार्यक्रम हुआ। विधायक श्री मरावी ने कहा कि खेत का पानी खेत में, गाँव का पानी गाँव में रहे, इसके लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जल गंगा संवर्धन अभियान चलाने का निर्णय लिया है।

अम्बाह शाखा नहर में सफाई कार्य: मुरैना सबलगढ़ के जल संसाधन कर्मचारियों ने अम्बाह शाखा नहर पर जल गंगा संवर्धन अभियान में सफाई कार्य के लिये श्रमदान किया। कर्मचारियों ने नहर में लगी झाड़ियों को साफ किया। मुरैना जिले में जल-स्त्रोतों की पहचान की गयी है, जहाँ बावड़ियों, तालाबों, नदियों में जन-भागीदारी से सफाई के साथ गहरीकरण का कार्य किया जाना है। इन कार्यों में जन-भागीदारी बढ़ाने के लिये जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभ किये गये हैं।

कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री टेटवाल को डी लिट की मानद उपाधि से किया गया सम्मानित

भोपाल। शिक्षा, तकनीकी नवाचार और कौशल विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम टेटवाल को अमलतास विश्वविद्यालय, देवास के दीक्षांत समारोह में डॉक्टर ऑफ लिटरेचर की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। मंत्री टेटवाल को यह उपाधि शिक्षा को रोजगारोन्मुख बनाने, युवाओं को तकनीकी दक्षता से जोड़ने तथा आधुनिक और व्यावहारिक शिक्षा व्यवस्था को बढ़ावा देने के उनके सतत प्रयासों के लिए प्रदान की गई है। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. इंदर सिंह परमार ने उन्हें डी. लिट की मानद उपाधि प्रदान कर सम्मानित किया। मंत्री मंत्री टेटवाल ने कहा कि यह सम्मान उनके लिए जीवन का गौरवपूर्ण क्षण है।

संपादकीय

आपदा का रूप धारण करती लू, शारीरिक संकट ही नहीं, बल्कि यह सामाजिक आर्थिक के लिए भी गंभीर मुद्दा

इस बार अप्रैल की शुरुआत में ही गर्मी ने असर दिखाना शुरू कर दिया है। कई राज्य सरकारों ने लू को लेकर चेतावनी जारी की है, लेकिन उनमें लू लगने के बाद इलाज के लिए अस्पताल में व्यवस्था आदि पर ज्यादा जोर है। लू से निपटने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने सभी राज्यों को एडवाइजरी जारी कर इससे निपटने के लिए कार्ययोजना बनाने को कहा है। हालांकि इस तरह की योजनाएं हर साल बनती हैं। इसके बावजूद लोगों की मौत हो जाती है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय की एक स्थायी समिति ने सुझाव दिया है कि नई उभरती आपदाओं में लू को भी शामिल किया जाए। समिति का कहना है कि देश में वर्ष 2013 के बाद दस वर्षों में 10,635 लोग लू से मारे गए और अब इसका असर व्यापक होता जा रहा है। 2020 से 2022 के बीच देश में हीट स्ट्रोक के कारण होने वाली मौतों की संख्या 530 से 730 हो गई। लू केवल इंसान को शारीरिक संकट ही नहीं देती है, बल्कि यह निम्न वर्ग, खुले में काम करने वाले जैसे-यातायात पुलिस, गिग-वर्कर, रेहड़ी-रिक्शा चलाने वालों के साथ-साथ किसानों और मजदूरों पर भी सामाजिक-आर्थिक रूप से विपरीत प्रभाव डालती है।

लू आमतौर पर रुकी हुई हवा की वजह से होती है। उच्च दबाव प्रणाली हवा को नीचे की ओर ले जाती है। यह नीचे बहती हुई हवा एक टोपी की तरह काम करती है। यह गर्म हवा को एक जगह पर जमा कर लेती है। हवा के चले बिना बारिश नहीं हो सकती है। शहरों में बढ़ रहे कंक्रीट के जंगल भी इन गर्म हवा की घातकता को बढ़ा रहे हैं। गर्म हवा को और गर्म होने से रोकने के लिए कोई उपाय नहीं होता है। मानव शरीर का औसत तापमान 37 डिग्री सेल्सियस होता है। जब बाहर का तापमान 40 से अधिक हो और हवा में बिल्कुल नमी नहीं हो तो यह घातक लू में बदल जाती है।

पांच साल पहले केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की 'जलवायु परिवर्तन मूल्यांकन रिपोर्ट' में आगाह किया गया था कि 2100 के अंत तक भारत में गर्मियों (अप्रैल-जून) में चलने वाली लू या गर्म हवाएं तीन से चार गुना अधिक हो सकती हैं। इनकी औसत अवधि भी दोगुनी होने का अनुमान है। वैसे तो लू का असर पूरे देश में ही बढ़ेगा, मगर घनी आबादी वाले गंगा नदी बेसिन के इलाकों में इसकी मार ज्यादा तीखी होगी। इसमें चेताया गया है कि बीते छह दशकों के दौरान बढ़ती गर्मी और मानसून में कम बरसात के चलते देश में सूखा-ग्रस्त इलाकों में इजाफा हो रहा है। यह चिंताजनक है कि सूखा प्रभावित क्षेत्र में प्रति दशक 1.3 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है।

इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय संगठनों के सहयोग से तैयार जलवायु पारदर्शिता रिपोर्ट, 2022 का कहना है कि 2021 में भीषण गर्मी के चलते भारत में सेवा, विनिर्माण, खेती और निर्माण क्षेत्रों में लगभग 13 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। गर्मी बढ़ने के चलते 167 अरब घंटे संभावित श्रम का नुकसान हुआ, जो 1999 के मुकाबले 39 प्रतिशत अधिक है। इस रिपोर्ट के अनुसार तापमान में डेढ़ प्रतिशत का इजाफा होने पर बाढ़ से हर साल होने वाला नुकसान 49 प्रतिशत बढ़ सकता है।

वहीं चक्रवात से होने वाली तबाही में भी इजाफा होगा। इसी क्रम में लैंसेट काउंट डाउन की रिपोर्ट कहती है कि भारत में वर्ष 2000-04 और 2017-21 के बीच भीषण गर्मी से होने वाली मौतों की संख्या 55 प्रतिशत बढ़ी। गत वर्ष संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन ने भारत में एक लाख लोगों के बीच सर्वे कर बताया कि गर्मी/लू के कारण गरीब परिवारों को अमीरों की तुलना में पांच प्रतिशत अधिक आर्थिक नुकसान होता है। आर्थिक रूप से संपन्न लोग बढ़ते तापमान के अनुरूप अपने कार्य को ढाल लेते हैं, जबकि गरीब ऐसा नहीं कर पाते।

इसके बावजूद आखिर अभी तक हम लू से बचने की कोई माकूल कार्ययोजना क्यों नहीं बना पाए हैं? अहमदाबाद नगर निगम अपने सभी बाग-बगीचे दिन में एक से पांच बजे तक रेहड़ी, पटरी और अन्य खुले में काम करने वालों के लिए खोल देता है। इससे खुले में काम करने वालों को लू के चरम प्रभाव वाले समय में पेड़ों की छांव में रहने का अवसर मिल जाता है। हाल में मुंबई में भी सड़क पर व्यवसाय करने वालों ने ऐसे ही पार्क को खोलने की मांग की है। यह एक छोटा-सा प्रयोग है जिसमें बगैर किसी अतिरिक्त खर्च के मौजूदा संरचना में ही लू की मार से बचने में मदद मिलती है। ओडिशा के कुछ शहरों में ट्रैफिक रेड लाइट पर हरा पारदर्शी शेड लगाया गया है, जिससे दोपहिया चालकों को कुछ राहत मिलती है। इसके अलावा सार्वजनिक प्याऊ अधिक से अधिक खोलना भी लू को बड़ी टक्कर दे सकता है। यह तय है कि जिस तरह मौसम का मिजाज बदल रहा है, उससे मौसम का अनियमित और चरम स्वरूप जैसे कि तापमान में वृद्धि को झेलना ही है। यदि लू के प्रकोप से बचना है तो कस्बा-ग्राम स्तर पर परिवेश को पर्यावरण अनुकूल बनाने के प्रयास करने होंगे, क्योंकि बढ़ते तापमान से स्वास्थ्य प्रणाली पर हानिकारक असर हो रहा है। सरकारी या निजी क्षेत्र में काम के समय को सुबह दस बजे तक और फिर शाम को पांच बजे से करने की योजना बनानी होगी। मेहनतकश और खुले में काम करने के लिए मजबूर लोगों के लिए शेड, पंखे आदि की व्यवस्था के साथ-साथ बेहतर स्वास्थ्य सेवा की योजना भी जरूरी है। देश में हरियाली बढ़ानी होगी और जल स्रोतों का संरक्षण करना होगा।

45 साल की भाजपा, देश के हर क्षेत्र में कमल खिला है

कौशल किशोर चतुर्वेदी

भारतीय जनता पार्टी 6 अप्रैल 2025 को पूरी 45 साल की हो गई। जनसंघ के बाद 1980 में 6 अप्रैल को ही स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की स्थापना हुई थी। मुंबई में पार्टी के पहले अधिवेशन को संबोधित करते हुए स्व. अटलजी ने कहा था कि अंधेरा छंटेगा, सूरज निकलेगा और कमल खिलेगा। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में स्व. अटलजी का यह सपना साकार हो रहा है। देश के हर क्षेत्र में कमल खिला है। पंच-सरपंच से लेकर प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति तक भाजपा के नेता हैं। करोड़ों कार्यकर्ताओं की मेहनत से आज भारतीय जनता पार्टी दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बन गई है।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने पार्टी के स्थापना दिवस पर कहा कि करोड़ों कार्यकर्ताओं के परिश्रम से भारतीय जनता पार्टी आज दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। पंच से राष्ट्रपति के पद पर भाजपा कार्यकर्ता अटल जी का सपना साकार कर रहा है। पं. दीनदयाल उपाध्याय ने अंत्योदय का जो विचार पार्टी को दिया था, उसे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यथार्थ में बदल रहे हैं। एक गरीब मां के बेटे मोदी के प्रयासों से समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन में बदलाव आया है और देश के

25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं। मोदी गरीबों के मसीहा के रूप में उभरे हैं। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने पार्टी की स्थापना दिवस पर कहा कि भारतीय जनता पार्टी विचार आधारित राजनीतिक दल है। हमारी पार्टी ने अपने विचारों से कभी समझौता नहीं किया। पार्टी का स्थापना दिवस संगठन के महापुरुषों के पथ पर चलने की प्रेरणा देता है। स्थापना दिवस पर्व कठिन परिस्थितियों में भी दृढ़ता के साथ आगे बढ़ने का साहस, संयम एवं समन्वय का अभूतपूर्व संचार करने के साथ हमारा मार्गदर्शन करता है। भाजपा धारा 370, राम मंदिर जैसे हर संकल्पों को पूरा कर रही है और जनता से किए एक-एक वादे को पूरा करती है। भाजपा जनसंघ के समय से लेकर आज तक के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत व परिश्रम से आज एक विशाल वट वृक्ष जैसी पार्टी बन गई है। एक समय था, जब पार्टी के देश में सिर्फ दो सांसद थे, तब कई राजनीतिक दलों के नेता हमारे ऊपर हंसते थे कि दो सांसदों का राष्ट्रीय राजनीतिक दल है। लेकिन कार्यकर्ताओं की लगन, मेहनत व निष्ठा से ही भाजपा आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन चुकी है। विश्व में सबसे अधिक कार्यकर्ताओं वाली भाजपा आज देश का विकास करने के साथ अंत्योदय के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रही है।

इसी तरह के विचार पूरे देश के भाजपा पदाधिकारियों ने व्यक्त किए होंगे। कमल खिल रहा है। पर वास्तव में पार्टी को एक बार राष्ट्रीय स्तर पर चिंतन की जरूरत है कि विचारों से समझौता कहां हो रहा है और इसके लिए क्या रणनीति कारगर साबित हो सकती है। पार्टी को चिंतन की जरूरत है कि झोपड़ी में जन्मे दीनदयाल के अंत्योदय में और क्या प्रयास की जरूरत है। कमल खिलने के बाद भी 'एक परिवार के सदस्य की त्रयोदशी करने को पैसे जुटाने तेरह सदस्य पटाखा फैक्ट्री में काम करने गुजरात जाते हैं। और विस्फोट में मारे जाते हैं।' क्या अंत्योदय के लिए अब भी सैकड़ों कदम की दूरी बाकी है? अटल जी का सपना पूरा हो गया है और कमल खिलाने के लिए अंधेरा छंट गया और सूरज निकल गया है। पर अब कमल खिलने के बाद की लंबी यात्रा बाकी है, जिसके लिए विचारों का नया अध्याय लिखा जाना बाकी है। तभी पंडित श्यामाप्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी के विचारों की उर्वरता विकसित भारत का निर्माण कर पाएगी।

वक़्फ़ विवाद : निगाहें कहीं हैं, निशाना कहीं ?

तनवीर जाफ़री

पिछले दोनों लंबी बहस व विवादों के बाद आख़िरकार वक़्फ़ संशोधन विधेयक, 2025 संसद के दोनों सदनों में पारित हो ही गया। चूँकि इस समय दोनों ही सदनों में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार का बहुमत है इसलिये इस विधेयक के पारित होने की पूरी संभावना भी थी। हाँ विपक्ष को कुछ उम्मीदें स्वयं को धर्मनिरपेक्ष बताने वाले सत्ता के सहयोगी दलों के प्रमुख नेताओं नितीश कुमार, चंद्र बाबू नायडू, जयंत चौधरी व चिराग़ पासवान से ज़रूर थीं कि शायद वे इस विधेयक के विरोध में खड़े हों परन्तु ऐसा नहीं हुआ। यहां तक कि इनके दलों के मुस्लिम सांसदों ने भी इस विधेयक का विरोध नहीं किया। बहरहाल अब कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी इण्डिया गठबंधन दलों द्वारा एक इस विधेयक के विरोध के आख़िरी विकल्प के रूप में सर्वोच्च न्यायलय का दरवाज़ा खटखटाने की ख़बर है जहां इस की संवैधानिकता को चुनौती दी जाएगी। ग़ौर तलब है कि कांग्रेस सहित सभी विपक्षी दल वक़्फ़ संशोधन विधेयक, 2025 को असंवैधानिक और मुस्लिम विरोधी बताते हुये इसका कड़ा विरोध कर रहे हैं। जबकि सत्तारूढ़ राजग व भाजपा के नेता इस बिल को मुस्लिम हितैषी बता रहे हैं।

दरअसल एक अनुमान के अनुसार भारत में सेना और रेलवे के बाद सबसे ज़्यादा अचल संपत्ति वक़्फ़ बोर्ड के अधीन है। इन्हें संचालित करने के लिये भारत में कुल 32 वक़्फ़ बोर्ड हैं और इन सभी वक़्फ़ बोर्ड का संचालन राष्ट्रीय स्तर पर केंद्रीय वक़्फ़ काउंसिल और राज्य स्तर पर वक़्फ़ बोर्ड करते हैं। यह व्यवस्था भारत सरकार द्वारा वक़्फ़ संपत्तियों के प्रबंधन व रखरखाव के लिए निर्धारित की गयी है। प्रत्येक वक़्फ़ संपत्ति के प्रबंधन के लिए एक मुतवल्ली नियुक्त किया जाता है। इसी मुतवल्ली के हाथों में वक़्फ़ संपत्ति का नियंत्रण होता है। वक़्फ़ संपत्ति से होने वाली कुल आय का एक निर्धारित प्रतिशत वक़्फ़ बोर्ड को, बोर्ड के रखरखाव के नाम पर दिया जाता है। यही वक़्फ़ बोर्ड वक़्फ़ संपत्ति संबंधित विवादों ख़ासकर मुतवल्ली की नियुक्ति व अवैध क़ब्ज़ा हटाने या किसी को किराये पर देने न देने जैसे मामलों में हस्तक्षेप करता है।

वक़्फ़ सम्पत्तियाँ केवल मुसलमानों से जुड़ी हुई ही नहीं हैं। बल्कि विभिन्न धर्मों में इसतरह की सम्पत्तियाँ मिलेंगी जिन्हें पूर्व में राजा महाराजाओं, ज़मींदारों, जागीरदारों, धनाढ्य लोगों द्वारा यहाँ तक कि जो साधारण लोग भी अपनी संपत्ति अपने क़ानूनी वारिसों को न देकर अपने धर्म से सम्बंधित धर्मस्थानों को दान में दे दिया करते थे। आज देश भर में विभिन्न धर्मों के धर्म स्थलों के पास इस तरह की बेहिसाब सम्पत्तियाँ हैं। इन संपत्तियों को कहीं महंत या गद्दी नशीन देख रहे हैं, कहीं प्रबंधन कमेटियां बनी हुई हैं तो कहीं इसके प्रबंधन के लिये न्यास (वक़्फ़) या ट्रस्ट बनाये गये हैं। मिसाल के तौर पर जगन्नाथपुरी ट्रस्ट, वैष्णो देवी ट्रस्ट, मनसा देवी ट्रस्ट की तरह हिन्दू धर्मस्थलों से जुड़े अनेक ट्रस्ट हैं। इसी तरह सिख धर्मस्थलों की देखभाल के लिये शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी बनाई गयी है। परन्तु इसमें कोई दो राय नहीं कि प्रत्येक धर्मों में पाई जाने वाली इस तरह की सम्पत्तियों में या इससे होने वाली बेहिसाब आय में आम तौर पर लूट खसोट की ख़बरें भी आती रहती हैं। यही वजह है कि विभिन्न राज्यों में वक़्फ़ बोर्ड संपत्तियों के ग़बन और भ्रष्टाचार, वक़्फ़ ज़मीनों पर अवैध क़ब्ज़ा, राजनीतिकरण और सांप्रदायिक दुरुपयोग, धार्मिक भेदभाव, पारदर्शिता और जवाबदेही का अभाव, क़ानूनी विवाद और निष्क्रियता जैसे आरोप भी लगते रहे हैं। परन्तु यदि सत्ता से जुड़े गिने चुने मुसलमानों को छोड़ दें तो न केवल देश के आम मुसलमान बल्कि समूचा विपक्ष और अनेक क़ानूनविद व बुद्धिजीवी वक़्फ़ संशोधन विधेयक, 2025 को मुस्लिम विरोधी, मुसलमानों द्वारा वक़्फ़

की गयी ज़मीनों को हड़पने का प्रयास तथा दूसरे धर्मों व धर्मस्थलों में हस्तक्षेप करने की कोशिश बता रहे हैं। सवाल यह भी उठ रहा है कि जब मंदिरों व अन्य धर्मों के धार्मिक प्रबंधन में किसी दूसरे धर्म के लोग शामिल नहीं किये जाते तो वक़्फ़ बोर्ड में किसी ग़ैर मुस्लिम को शामिल करने का आख़िर क्या मक़सद है? यदि मुस्लिम वक़्फ़ संपत्ति के प्रबंधन में ग़ैर-मुसलमानों को रखा जा सकता है तो ग़ैर-मुसलमानों के धर्मस्थलों की संपत्ति प्रबंधन में मुसलमानों को क्यों नहीं शामिल किया जाना चाहिए? विपक्ष का मानना है कि सरकार इस बिल के द्वारा वक़्फ़ बोर्ड के अधिकारों को इसलिए कम कर रही ताकि वह वक़्फ़ बोर्ड की संपत्ति पर क़ब्ज़ा कर सके। विपक्ष इसे मुस्लिम समाज को तोड़ने व कमज़ोर करने का काम बता रहा है। कुछ सांसदों ने तो संसद में बहस के दौरान यह तक कह डाला कि यह विधेयक मुसलमानों के धर्म पर डाका डालने तथा मुसलमानों की वक़्फ़ संपत्ति को हड़पने वाला है। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने इस विधेयक को %संविधान पर एक निर्लज्ज हमला% तथा समाज के स्थायी ध्रुवीकरण की रणनीति% का हिस्सा बताया जिससे भाजपा तिलमिला उठी है।

कुछ इसी से मिलता जुलता विवाद पिछले कई दिनों से बिहार के विश्व प्रसिद्ध बौद्ध तीर्थ स्थल बोधगया को लेकर भी छिड़ा हुआ है। यहां गत 12 फ़रवरी से बौद्ध भिक्षु बीटी एक्ट यानी बौद्ध गया टेंपल एक्ट, 1949 को समाप्त करने की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। इस नियम के अंतर्गत बौद्ध गया टेंपल मैनेजमेंट कमेटी (बीटीएमसी) में बौद्धों के साथ-साथ हिंदू धर्मावलंबियों को भी सदस्य बनाने का प्रावधान है। बौद्ध भिक्षु इसे उनके धार्मिक मामलों में दख़ल मानते हुये लंबे समय से इस क़ानून का विरोध कर रहे हैं। पहले बौद्ध भिक्षु महाबोधि मंदिर के सामने ही आमरण अनशन पर बैठे थे परन्तु गत 27 फ़रवरी को प्रशासन द्वारा इन्हें महाबोधि मंदिर परिसर से हटा दिया गया। इसके बाद अब बौद्ध भिक्षु महाबोधि मंदिर से एक किलोमीटर की दूरी पर दोमुहान नामक स्थान पर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। गोया बौद्ध धर्म के लोग भी अपने धार्मिक मामलों में दूसरे धर्म के लोगों की दख़लअंदाज़ी सहन नहीं कर पा रहे फिर आख़िर मुसलमानों के धार्मिक मामलों में दख़ल देने का मक़सद क्या?

रहा सवाल भाजपा द्वारा इस विधेयक के माध्यम से मुस्लिम हितों की बातें करने का या इस विधेयक को मुस्लिम हितैषी बताने का तो पूरी दुनिया देख रही है कि सत्ता में आने के बाद भाजपा ने जिस %गुजरात मॉडल % को देश में लागू करने की बात कही थी वह गुजरात मॉडल दरअसल क्या है? आज भाजपा के पूरे देश में कोई सांसद या विधायक नहीं है। जगह जगह मदरसे बंद कराये जा रहे हैं। मस्जिदों व क़ब्रों को खोदने का सिलसिला चल रहा है। जिन पसमांदा मुसलमानों के हितों की भाजपा बात करती है उसी समाज के कितने लोगों के घरों को बुलडोज़र से तहस नहस कर दिया गया है।

इतनी हिंसा - कारण ?

राकेश दुबे

देश में बढ़ती भौतिक विलासिता की चकाचौंध और सोशल मीडिया का जिंदगी में बढ़ता दखल, पारिवारिक-सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर रहा है। संबंधों में तकरार और फिर नृशंस तरीके से हत्या जैसे मामलों ने देश को झकझोर कर रख दिया है।

मेरठ की मुस्कान ने अपने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर अपने पति सौरभ राजपूत की हत्या कर दी। ऐसे ही मुजफ्फरनगर की पिंकी ने अपने आशिक के लिए अपने पति अनुज को जहर पिलाकर मार दिया। रिश्तों में हत्या का ऐसा ही प्रकरण बेंगलुरू में देखने को मिला, वहां के हुलीमावु क्षेत्र में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की हत्या करके उसकी बॉडी को सूटकेस में भर दिया। देश के अलग-अलग शहरों में हो रही ऐसी हत्याओं ने देश की जनता को पूरी तरह से हिलाकर रख दिया। आखिर यह सिलसिला कहां जकर थमेगा?

इन घटनाओं ने सोचने-समझने के लिए मजबूर कर दिया है कि आखिर यह देश किस दिशा में जा रहा है? पिछले कुछ वक्त से देश के अलग-अलग हिस्सों से ऐसी खबरें आ रही हैं, जिनमें पति पत्नी का और पत्नी पति का कत्ल कर देती है। संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय की एक रिपोर्ट के मुताबिक साल 2023 में दुनिया भर में कुल 51 हजार 100 महिलाओं और लड़कियों का कत्ल हुआ है। इनमें से 60 प्रतिशत के करीब कत्ल महिलाओं या लड़कियों के अपने पार्टनर, पति या फैमिली मेंबर ने किया। एक रिपोर्ट कहती है कि देश भर में हर साल औसतन 225 लोगों को उनकी पत्नियां कत्ल कर देती हैं और लगभग 275 पत्नियां अपने पति के हाथों मारी जाती हैं।

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में हर ग्यारहवें मिनट में एक महिला या लडक़ी का कत्ल होता है। इनमें से औसतन हर रोज 140 महिलाओं या लड़कियों का कत्ल उनके घर के अंदर होता है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन और लंदन स्कूल ऑफ हाइजिन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन एंड साउथ एफ्रिकन मेडिकल रिसर्च काउंसिल की रिपोर्ट कहती है कि वर्ष 2022 में दुनिया भर में कुल 48 हजार 800 महिलाओं और लड़कियों के कत्ल हुए थे और इनमें से भी 60 प्रतिशत से ज्यादा कत्ल पार्टनर, पति या फैमिली मेंबर ने ही किए थे। वर्ष 2022 में ऐसे अपराधों के मामलों में अफ्रीका पहले नंबर पर था और एशिया दूसरे नंबर पर। ऐसे अपराधों में अब 2023 में एशिया पहले नंबर पर है और अफ्रीका दूसरे नंबर पर है। आंकड़ा कहता है कि पार्टनर पति या रिलेशनशिप में दुनिया भर में जितने कत्ल होते हैं, उसकी 58 प्रतिशत शिकार महिलाएं या लड़कियां होती हैं। लेकिन चौंकाने वाला आंकड़ा यह भी है कि इसी पार्टनर और रिलेशनशिप की वजह से 42 प्रतिशत पुरुषों का भी कत्ल होता है अर्थात यह अंतर ज्यादा नहीं है।

इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत में हर एक हजार पति में से 29 पति अपनी पत्नियों की हिंसा का शिकार होते हैं। जबकि एकल परिवार में यही आंकड़ा पत्नियों के लिए हर एक हजार में 32 है। वैसे पति पत्नी से जुड़े दर्ज कत्ल के मामलों के एक आंकड़े के मुताबिक 2022 में देशभर में पत्नी के हाथों पति के 220 कत्ल के मामले सामने आए थे। इसी दौरान पति के हाथों पत्नी के कत्ल के 270 से ज्यादा मामले सामने आए। फिलहाल 2025 की तो अभी शुरुआत है। वर्ष 2024 का आंकड़ा एनसीआरबी ने अभी जारी नहीं किया है।

(विश्व स्वास्थ्य दिवस विशेष 7 अप्रैल 2025)

रोजाना बड़ी मात्रा में स्लो पॉइजन का सेवन

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

आज के आधुनिक युग में मनुष्य ने जितनी तरक्की की है, उतना ही स्वास्थ्य से खिलवाड़ भी हुआ है और वक्त के साथ यह लगातार बढ़ रहा है, जिसका कारण मनुष्य स्वयं हैं। हृदय रोग, मस्तिष्क आघात, कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियां तेजी से बढ़ रही है, साथ ही मधुमेह, रक्तचाप, मोटापा, कमजोरी, आहार में पोषक तत्वों की कमी की समस्या तो चरम पर है, इस वजह से असमय मौत का आंकड़ा दिन-ब-दिन बढ़ रहा है, कुछ पल पहले एकदम स्वस्थ नजर आनेवाला व्यक्ति, बड़ों से लेकर छोटे-छोटे बच्चे भी खेलते या व्यायाम करते हुए या बैठे-बैठे भी गश खाकर गिरते है और पता चलता है कि मौत हो गयी। एक दशक पहले जो जानलेवा बीमारियां हमें केवल कभी-कभार ही सुनने मिलती थी, अब वो बीमारियां रिश्ते-नातेदारों, आस-पड़ोसियों और हमारे घर-परिवार के लोगों तक पहुंच चुकी हैं। मनुष्य का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बेहद कमजोर हुआ है, मौसम के करवट लेते ही बीमारियां तुरंत जकड़ लेती हैं। हमारे देश में औसत आयु दर पाश्चात्य देशों की तुलना में लगातार गिर रही हैं। विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट 2024 में 143 देशों में से भारत को 126वां स्थान दिया गया। भारत खुशी के मामले में पाकिस्तान, लीबिया, इराक, फिलिस्तीन और नाइजर जैसे देशों से भी पीछे हैं। कभी इस समस्या पर गंभीरता से विचार किया है कि बीमारियां तेजी से क्यों बढ़ रही है? क्या वजह हो सकती है? स्वस्थ जीवन जीने के लिए क्या हमें रोज शुद्ध ऑक्सीजन, स्वच्छ पानी और पोषक आहार पर्याप्त मात्रा में मिल रहा है?

प्रदूषण और अस्वच्छता हमारी सांसे छीन रही हैं। वायु गुणवत्ता सूचकांक 2024 आंकड़ों के अनुसार, विश्व के उच्चतम पांच सबसे ज्यादा प्रदूषित देशों में भारत देश हैं। भारत का लगभग 70 प्रतिशत जल प्रदूषित है, तथा देश की लगभग आधी नदियाँ पीने या सिंचाई के लिए असुरक्षित है, इस कारण 2024 के वैश्विक जल गुणवत्ता सूचकांक में 122 देशों में से भारत 120वें स्थान पर हैं। 2023 में बीएमजे में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि भारत में हर साल 2.18 मिलियन मौतें बाहरी वायु प्रदूषण के कारण होती हैं। लैंसेट 2019 में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि भारत में 500,000 से अधिक मौतें जल प्रदूषण के कारण हुईं। बड़े पैमाने पर देश में हजारों करोड़ रुपयों का नकली दवाइयों का कारोबार चलता है, बड़े-बड़े सरकारी अस्पतालों में तक नकली दवाइयाँ मरीजों को बांटी जाती हैं। एशिया के बड़े अस्पतालों में शामिल महाराष्ट्र राज्य के नागपुर में स्थित सरकारी मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में यह घटना हाल ही में उजागर हुयी।

अन्न उगाने से लेकर हमारे थाली में परोसने तक उसे अनेक हानिकारक रासायनिक प्रक्रियाओं से गुजारा जाता हैं। देश में अशुद्ध खान-पान और अस्वच्छता की समस्या बहुत ही ज्यादा है, लोग स्वार्थ और लालच में इतने अंधे हो चुके है, कि अपने एक रुपये के फायदे के लिए भी लोगों को जहर खिलाने तैयार हैं। हाल ही में महाराष्ट्र के कोल्हापुर शहर से खबर आई कि शवों पर इस्तेमाल की गई बर्फ का उपयोग बाजार में मिलने वाले शीत पेय में किया जा रहा था। आश्चर्यजनक है, कि देश में उत्पादन से ज्यादा दूध और दुग्धजन्य खाद्यपदार्थ बेचे जाते है, देश के 68.7 प्रतिशत दूध और दूध उत्पादों में प्रदूषक पाए गए है। तेल, घी, शक़्कर, नमकीन, मैदेयुक्त खाद्यपदार्थों की मांग अत्याधिक होती है, जबकि यह सेहत पर बेहद बुरा असर करते हैं। शहद, मसाला, चाय पत्ती, तेल, दूध, मिठाइयां, घी, केसर जैसे खाद्यपदार्थों में मिलावट बहुत ज्यादा हैं। बाहरी खाद्य पदार्थों के रंग बहुत ज्यादा तेज और आकर्षित नजर आते है, अधिकांश खाद्य पदार्थों को रंगने के लिए प्राकृतिक रंगों के स्थान पर हानिकारक कृत्रिम रंगों का उपयोग किया जाता है, खाद्य पदार्थों में इस्तेमाल होने वाला बाहरी बर्फ, पानी, चटनियां, सॉसेज, खाद्यतेल गुणवत्ता की कसौटी पर अधिकतम खरी नहीं उतरतीं। देश के अधिकतर स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को खाद्य सामग्रियों में बिना दस्तानों के सीधे हाथ लगाने की बहुत बुरी आदत नजर आती है, इसका खामियाजा

ग्राहकों के स्वास्थ्य को भुगतना पड़ता हैं। जो पशुओं के लिए भी ठीक नहीं, वह खाद्य अर्थात घातक कचरा मनुष्य स्वाद लेकर खा रहा हैं।

देश में ज्यादातर खाद्य पदार्थों को पैक करने और लपेटने में अखबारों का इस्तेमाल किया जाता है, जो स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है। एफएसएसएआई के अनुसार, खाद्य पैकेजिंग सामग्री के रूप में शोषक कागज के बजाय समाचार पत्रों के व्यापक उपयोग के कारण भारतीयों में धीरे-धीरे विषाक्तता फैल रही हैं। मैदा रासायनिक रूप से प्रक्षालित (जहरीला) होता है, इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स उच्च होता है जिससे टाइप 2 डायबिटीज हो सकता है, इसमें फाइबर की कमी के कारण यह पाचन तंत्र में बाधा डालता है। खाद्य तेल का व्यापक स्तर पर पुनर्चक्रण कर जंक फूड तैयार किया जाता है, तेल को बार-बार गर्म करने से लिपिड का ऑक्सीडेटिव विघटन होता हैं। दोबारा गर्म किए गए तेल से बने भोजन का लंबे समय तक सेवन करने से व्यक्ति के एंटीऑक्सीडेंट रक्षा नेटवर्क पर गंभीर असर पड़ सकता है, जिससे उच्च रक्तचाप, मधुमेह और संवहनी सूजन जैसी विकृतियां पैदा हो सकती है, आगे चलकर यह जानलेवा बीमारियों का कारण बनते हैं। जंक फूड या बाहरी फूड से उच्च कोलेस्ट्रॉल, हृदय रोग, मधुमेह, गुर्दे की क्षति, मोटापा, यकृत रोग, कैंसर, दंत क्षति, अवसाद, पेट संबंधी विकार, त्वचा संबंधी रोग जैसी समस्याओं की संभावना बढ़ती हैं। पैक्ड फूड, पेय के कारण हम माइक्रोप्लास्टिक का सेवन कर रहे हैं। भारत में 56 प्रतिशत बीमारियाँ अस्वास्थ्यकर आहार से संबंधित हैं। आयुर्वेद कहता है कि, यदि आहार सही नहीं है तो स्वास्थ्य सुधारने के लिए दवा भी काम नहीं करती।

स्ट्रीट फूड शेफ या खाद्यपदार्थ विक्रेता सरकारी निर्देशों का कड़ाई से पालन करें। अपने हाथ स्वच्छ धोएं, स्वच्छ बर्तन व उपकरण का प्रयोग करें, दुकान पर स्वच्छता बनाए रखें, कच्चे और पके भोजन को अलग रखें, खाद्यपदार्थ तैयार करने के लिए पीने के पानी का उपयोग करें। धुले हुए साफ कपड़े पहनें, खाद्यपदार्थ बनाते और परोसते समय दस्ताने और एप्रन पहनें। काम करते समय अपना चेहरा, बाल ढकें और अपने चेहरे, सिर, बालों को या शरीर में अन्य कही भी छूने या खरोंचने से बचें। नाखून कटे हुए और साफ रखें। खाद्य पदार्थों को सुरक्षित तापमान पर रखें, बेहतर व अच्छे गुणवत्ता के कच्चे माल का चयन करें, स्थानीय सरकारी नियमों के अनुसार कचरे का योग्य निपटान करें। तलने के लिए एक ही तेल का पुनर्चक्रण न करें, खाद्यपदार्थों को ढककर रखें, बांसी खाद्यपदार्थों की बिक्री न करें। इन नियमों का पालन सख्ती से होना चाहिए। भले ही स्वच्छता और गुणवत्ता के लिए थोड़ा पैसा ज्यादा खर्चना पड़े, लेकिन सेहत से खिलवाड़ न हों।

हमें मरने के लिए कहीं दूर जाने की जरूरत नहीं है, हमारा आसपास का वातावरण और हमारी जीवनशैली ही है जो हमें असामयिक मृत्यु की ओर तेजी से ले जाती है। देश में बहुत से वायरल फूड वीडियो, खबरों से भी खाद्य पदार्थों में गंदगी, घटिया गुणवत्ता वाली खाद्य सामग्री, घातक रासायनिक प्रक्रिया, विषैले रंग और मिलावटखोरी की जानकारी मिलती हैं। बंद कमरों में तैयार होने वाले बहुत से खाद्य पदार्थों की गुणवत्त्ता पर संदेह निर्माण होता है, फिर भी सड़कों पर, रेल्वे, बस अड्डों और सार्वजानिक स्थानों पर वह खाद्यपदार्थ धड़ल्ले से बिकते हैं। देश में बड़ी मात्रा में मिलावटखोरी के साथ ही नकली कंपनी के खाद्य व पेय पदार्थ भी खूब बिकते हैं। अपनी और अपनों की सेहत की जिम्मेदारी हमारी स्वयं की है, जबान के स्वाद के लालच में अपने अमूल्य स्वास्थ्य को दांव पर न लगायें। घर के खाने को प्राथमिकता दें, रोजाना व्यायाम, पर्याप्त नींद, स्वच्छता और पौष्टिक आहार का ध्यान रखें। गर्म पेय-खाद्य हेतु प्लास्टिक और मुद्रित रद्दी पेपर का प्रयोग बिलकुल न हों। बासी खाना, तली, मसालेदार, मीठी, मैदायुक्त, कृत्रिम रंगयुक्त, पैक्ड फूड, रासायनिक प्रक्रिया से गुजरने वाले खाद्यपदार्थों से दूरी बनायें। सफर में या बाहर जाते वक्त जरूरत हो तो घर से ही पीने का पानी और भोजन साथ लेकर चलें। स्वास्थ्य ही संपत्ति है, सेहत संभाले, निरोगी जीवन जियें।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail—com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakashĐin

जिला चिकित्सालय की आपातकालीन विभाग टीम की तत्परता से बचा घायल का जीवन

मण्डला। शनिवार की रात्रि लगभग 2ः30 बजे एक अज्ञात मरीज को अत्यंत गंभीर स्थिति में जिला चिकित्सालय के आपातकालीन विभाग में एम्बुलेंस द्वारा लाया गया।जिला चिकित्सालय से मिली जानकारी के अनुसार मरीज गंभीर रूप से घायल था, उसके दोनों पैरों की हड्डी में मल्टीपल फ्रैक्चर थे। मरीज का दाहिना पैर गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त था, जिसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी गई।अज्ञात घायल के शरीर में अन्य काफी जगहों में गंभीर घाव थे,जिसमें 30 से अधिक टाँके लगाए गए 7मरीज के जीवन को बचाने के लिये जिला चिकित्सालय के आपातकालीन विभाग के दल ने 2 घंटे से अधिक समय तक की कड़ी मशक्कत के बाद उस क्षतिग्रस्त पैर को अम्प्यूटेट किया,दल में नर्सिंग ऑफिसर दीपक चौहान,राकेश सिंह राजपूत तथा वार्डबॉय गंगाराम भारतीया एवं आपातकालीन विभाग की टीम शामिल रही।

पुस्तकों एवं कापियों पर मिलेगी 15 प्रतिशत तक की छूट, एनसीईआरटी पर 2.5 प्रतिशत की रियायत

बैतूल। जिले में शिक्षा के क्षेत्र में सुधार और विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शनिवार को दोपहर 12 बजे जिला पंचायत के सभाकक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता अपर कलेक्टर राजीव रंजन श्रीवास्तव ने की। बैठक में शिक्षा विभाग से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ जिले के पुस्तक विक्रेताओं, अशासकीय स्कूलों के प्राचार्यों एवं संस्था प्रमुखों ने भाग लिया।

बैठक में अपर कलेक्टर श्रीवास्तव ने बच्चों की पुस्तकों की कीमतों में बढ़ोत्तरी पर चिंता जताई और इसे नियंत्रित करने के लिए विशेष छूट पर पुस्तकें उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा बच्चों को शासन के नियमानुसार उम्र के अनुसार प्रवेश देने की अनिवार्यता पर बल दिया गया। शाला अभिलेखों का सही संधारण, बच्चों के बस्ते के वजन को शासन की गाइडलाइन के अनुसार सीमित रखने और कढ़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए। विद्यालयों द्वारा ली जाने वाली फीस को शासन के निर्देशों के अनुसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। वहीं स्कूल बसों की फिटनेस एवं सुरक्षा मानकों की भी समीक्षा की गई। एसडीएम राजीव कहार द्वारा पुस्तक विक्रेताओं से पुस्तकों व कापियों पर विशेष छूट देने का आग्रह किया गया। जिसे स्वीकारते हुए पुस्तक विक्रेताओं ने मेला अवधि में कक्षा नर्सरी से 12वीं तक के छात्रों हेतु 15 प्रतिशत की छूट तथा पाठ्य-पुस्तक निगम एवं एन सीई आरटी की पुस्तकों पर 2.5 प्रतिशत की छूट देने पर सहमति जताई गई। बैठक में डीपीसी जितेन्द्र कुमार भनारिया, सीएमओ सतीश मटसानिया, एडीपीसी सुबोध शर्मा, द्वारा शासन के समस्त आदेशों की विस्तृत जानकारी दी,बीईओ, आशीष नवीन प्रहलादी, बीईओं आमला श्री प्रजापति एपीसी राजेश कुमार तुरिया, एपीसी कुशलेश धाड़से, एपीसी डीडी धोटे जिले के पुस्तक विक्रेताओ अशासकीय विद्यालयों के प्राचार्यगण एवं स्कूल संचालकों प्रमुख उपस्थित रहे।

कलयुग के 'श्रवण' ने बनवाया माता-पिता का मंदिर, साथ में स्थापित की बड़ी मां की प्रतिमा

बालाघाट के किरनापुर में एक अनोखा मंदिर माता-पिता और बड़ी माता की श्रद्धांजलि स्वरूप स्थापित किया गया है। यह मंदिर न सिर्फ एक धार्मिक स्थल है, बल्कि यह समाज को मातृ-पितृ भक्ति की एक नई परिभाषा भी देता है।

बालाघाट का एक नया मंदिर केवल देवी-देवताओं का निवास स्थान नहीं है, बल्कि यह माता-पिता की पूजा का प्रतीक है। यह मंदिर कलयुग के %श्रवण% ने बनवाकर श्रद्धा और संकल्प का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत किया है। किरनापुर के शातिनगर निवासी मंगल प्रसाद रैकवार ने अपने माता-पिता की स्मृति में यह मंदिर बनवाया। इसमें उनके पिता रामरतन रैकवार, बड़ी माता शुभन्ति और मां पार्वति की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। यह मंदिर न सिर्फ एक धार्मिक स्थल है, बल्कि यह समाज को मातृ-पितृ भक्ति की एक नई परिभाषा भी देता है।

मंदिर बनाने का विचार कैसे आया? मंगल बताते हैं कि जब उनका नया मकान बन रहा था, तो उनकी मां पार्वति पास बैठकर काम देखती थीं और यह सोच रही थीं कि घर का उद्घाटन उनके हाथों होगा। परंतु, अचानक हृदयघात से उनकी मां का निधन हो गया। इस घटना ने उनके दिल में गहरे शोक को जन्म दिया। उन्होंने अपनी मां की समाधि घर के पीछे खुले आसमान के नीचे बनाई, लेकिन वह यह महसूस करते थे कि कुछ अधूरा सा रह गया है। तभी उन्होंने संकल्प लिया कि वे माता-पिता के नाम पर एक मंदिर बनाएंगे, जो उनके योगदान और आशीर्वाद की पहचान बने।

संघर्ष से प्रेरित होकर बना यह मंदिरत्र मंगल के परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं थी। उन्हें पूर्व परिवहन मंत्री लिखीराम कावरे से मदद मिली और वे वन विभाग में दैनिक वेतनभोगी की नौकरी पर नियुक्त हुए। हालांकि, यह नौकरी परिवार की आर्थिक स्थिति को ठीक करने के लिए पर्याप्त नहीं थी। उन्होंने अपनी पुश्तैनी जमीन बेचकर रियल एस्टेट का व्यवसाय शुरू किया। धीरे-धीरे उन्होंने अपना व्यवसाय फैलाया और स्थानीय लोगों, रिश्तेदारों, और दोस्तों की मदद से यह मंदिर बनाने में सफल हुए। उनका यह कार्य संघर्ष और कड़ी मेहनत का परिणाम है, और आज यह मंदिर उनकी सफलता और उनके माता-पिता के प्रति श्रद्धा का प्रतीक बन चुका है।

मंदिर में तीन मुख्य प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं...

पिता रामरतन रैकवार – उनके पिता की प्रतिमा मंदिर में स्थापित की गई है, जो परिवार के मुखिया और मार्गदर्शक रहे हैं।

बड़ी माता शुभन्ति - यह प्रतिमा उनकी बड़ी माता की है, जिन्होंने जीवन भर परिवार और समाज की सेवा की।

मां पार्वती – उनकी मां की प्रतिमा भी मंदिर में स्थापित की गई है, जो उनके जीवन का प्रमुख भाग थीं। यह मंदिर इन तीन प्रमुख हस्तियों को श्रद्धांजलि देने के लिए बनाया गया है। जिन्होंने अपने जीवन में अपने बेटे को संस्कार दिए और उसे सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।

पुलिस अधिकारी भी बनवा चुके हैं ऐसा मंदिर

तमिलनाडु के मदुरै में एक शख्स ने अपने माता-पिता का मंदिर बनवाकर पहले कमाल कर चुके हैं। उन्होंने अपने माता-पिता को भगवान का दर्जा देते हुए उनका मंदिर बनाया थे। मदुरै में रिटायर्ड पुलिस अधिकारी रमेश बाबू ने मां और पिता के सम्मान में एक मंदिर बनाया, जिसमें उनकी मूर्तियां भी स्थापित की गई हैं। रमेश बाबू रिटायर्ड स्टू हैं। उन्होंने बताया कि वह अपने माता-पिता के लिए एक मंदिर बनाना चाहते थे लेकिन काम में व्यस्त होने के कारण नहीं बना सके।

पेंच टाइगर रिजर्व की सागौन तस्कर पर बड़ी कार्रवाई

अवैध परिवहन कर ले जाए जा रहे सागौन के 32 लट्ठे जब्त

सिवनी। जिले के पेंच टाइगर रिजर्व ने वन संपदा की अवैध तस्करी के विरुद्ध करवाई करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। पेंच टाइगर रिजर्व के सतर्क वन अमले ने अवैध रूप से परिवहन किए जा रहे बेशकीमती सागौन के 32 नग लट्ठों को जप्त किया है, जिनकी कुल मात्रा 9.057 घनमीटर आंकी गई है।

पेंच टाइगर रिजर्व के उपसंचालक रजनीश सिंह ने महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र की सीमा से लगे खवासा एवं रूखड़ बफर जोन पर दक्षिण सामान्य वनमंडल के बरघाट, खवासा और कुरई क्षेत्र में वन विभाग की संयुक्त टीम बनाकर यह कार्रवाई की गई है मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि तस्करों के द्वारा बेश कीमती सागौन लकड़ी का अवैध परिवहन किया जा रहा है।

मुखबिर के द्वारा सूचना प्राप्त होते ही सूचना पर वन विभाग द्वारा तत्परता दिखाते हुए एक संयुक्त टीम बनाई गई और अवैध परिवार कर रहे वहां पर निगरानी रखी गई अशोक लीलैंड कंपनी के एक संदिग्ध वाहन क्रमांक एम.एच. 40 सी.टी. 6029 को रोक कर जांच की गई जांच करने में पाया गया कि उक्त वाहन पर सागौन लकड़ी के 32 नग पाए गए। जांच करने पर किसी भी प्रकार के दस्तावेज नहीं मिले यह वाहन अवैध रूप से सागौन लकड़ी को भरकर परिवहन कर रहा था जिस विभाग द्वारा जप्त कर लिया गया है और आगे कार्रवाई की जा रही है। वन विभाग को मुखबिर के द्वारा सूचना प्राप्त होते ही विभाग ने तत्परता दिखाते हुए एक संयुक्त टीम बनाई टीम बनाकर एक संदिग्ध वाहन को रोककर उसकी तलाशी ली। जिसमें बेश कीमती सागौन लकड़ी के 32 नग पाए गए जिन्हें अवैध रूप से एकत्र कर वाहन से ले जाया जा रहा था। विभाग द्वारा अवैध लकड़ी का परिवहन कर रहे वाहन को जप्त कर लिया गया है। जांच में यह भी स्पष्ट है कि यह वनोपज रूखड़ बफर परिक्षेत्र के अंतर्गत सिवनी उत्पादन वनमंडल के कूप क्रमांक 10, राजारानी से काटी गई थी। फिलहाल मामले की विस्तृत जांच जारी है तथा वाहन चालक और उसके सहयोगी से पूछताछ की जा रही है

मिली जानकारी अनुसार पेंच टाइगर रिजर्व सिवनी एवं दक्षिण सामान्य वनममण्डल के बरघाट, कुरई और खवासा वन परिक्षेत्र की संयुक्त टीम द्वारा गत 5 अप्रैल को अवैध सागोन वनोपज परिवहन करते हुए एक ट्रक क्रमांक को मुखबिर सूचना के आधार पर खवासा टोल के पास पीछा करके पकड़ा था । ट्रक द्वारा 32 नग सागौन के लट्ठे अवैध रूप से परिवहन किये जा रहे थे। इस कार्य में शामिल 2 व्यक्ति, पीतम बग़ारे उम्र 31 वर्ष, निवासी परसवाड़ा, बालाघाट, एवं एक अपचारी बालक को पकड़ कर, वन परिक्षेत्र खवासा बफर के अंतर्गत वन अपराध क्रमांक 25404/6 - 5/4/25 पंजीबद्ध किया गया है एवं वाहन को 32 नग सागौन लठे (लगभग 9. 057 घन मीटर) का अवैध परिवहन करने के कारण जप्त किया गया है।आरोपी पीतम बग़ारे को माननीय न्यायालय जिला सिवनी में पेश किया गया जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है, एवं अपचारी बालक को उसके परिजन को सौंप दिया गया है, जिसे किशोर न्याय बोर्ड में प्रस्तुत करने की प्रक्रिया जारी है। इस कार्यवाही मे परिक्षेत्र अधिकारी रुखड़ बफर शुभम बडोनीया, खवासा परिक्षेत्र के प्रभारी परिक्षेत्र अधिकारी संतोष पटेल, बरघाट परिक्षेत्र अधिकारी पीयूष गौतम, परिक्षेत्र अधिकारी उत्पादन सुश्री स्वाति सिन्हा, परिक्षेत्र सहायक खवासा सतीराम उईके, परिक्षेत्र सहायक पिपरिया शारिक खान, एवं परिक्षेत्र सहायक आमागढ़ के के चौरसिया, वन रक्षक माखन सिंह डिबरिया एवं राजेश मालवीय वाहन चालक सहित अन्य वन कर्मचारीयों की भूमिका सराहनीय रही।

रामनवमी पर छोले हलवा फरारी नमकीन का प्रसाद वितरण किया

अोबैदुल्लागंज (संवाददाता)। रामनवमी नवरात्रि पर्व पर निशिता पेट्रोल पंप संचालिका ने पंडाल लगाकर छोले हलवा फरारी नमकीन ,प्रसाद वितरण किया जाता है जिसको हजारों की संख्या में मातारानी के भक्त रुककर प्रसाद ग्रहण करते है। 10 साल से राम नवमी नवरात्रि पर्व पर टोल प्लाजा के पास स्थित निशिता पेट्रोल पंप की संचालिका रश्मि सेंगर द्वारा इसका आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर प्रदीप सेंगर ने बताया कि हमारे द्वारा गत 10 वर्षों से इसी पेट्रोल पंप हाईवे रोड पर राम नवमी नवरात्रि पर्व पर चने,हलवा,फेरारी खिचड़ी, वितरण किया जाता है।

जिसको मेरी रश्मि सेंगर माता उषा सेंगर सहित परिवार के बच्चों द्वारा अपने स्वयं हाथों से बनाकर आने जाने वाले भक्तों को खुद के द्वारा वितरण भी किया जाता है रश्मि सेंगर बताती हैं कि जब वह प्रसाद बनाकर अपने हाथों से वितरण करती हैं तो उनको बड़ा ही आनंद की अनुभूति होती है जैसे माता रानी स्वयं मुझको आशीर्वाद दे रही हैं । उषा सेंगर बताती है हमें अपने हाथों से प्रसाद बनाकर नवरात्रि में भक्तों को वितरण करने में बहुत ही आनंद की अनुभूति होती है।

इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक सुरेंद्र पटवा सहित भारत पेट्रोलियम के अधिकारी राम कुमार टीसी, गौरव कौशिक टी.एम, आशीष श्रीवास्तव एस.ओ, ग्रामीण क्षेत्र के माखन सिंह परमार,ने इस आयोजन की पूरी-पूरी प्रशंसा की । हमारे द्वारा प्रसाद का वितरण करने से आनंद की अनुभूति होती है इस मानव जीवन में हर व्यक्ति को सामाजिक कार्य के साथ दान पुन करते रहना चाहिए निशिता पेट्रोल टैंक द्वारा इस प्रकार के सामाजिक कार्य से क्षेत्र का नाम बढ़ता है ऐसे कार्यों की सराहना करनी चाहिए।

राष्ट्र प्रथम के भाव को आत्मसात कर मनोयोग से जुटे कार्यकर्ता : उइके

भाजपा कार्यालय में पार्टी ध्वज फहराकर मनाया 46वां स्थापना दिवस

सांध्य प्रकाश बैतूल। भारतीय जनता पार्टी के 46 वें स्थापना दिवस पर विजय भवन में जवाहर वार्ड के बूथ क्रमांक 118 पर पार्टी का ध्वज फहराकर मिष्ठान वितरण किया गया। पश्चात भाजपा कार्यालय मे बूथ की बैठक में कार्यकर्ताओ को संबोधित करते केन्द्र राज्य मंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद दुर्गादास उइके ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक मात्र ऐसा राजनैतिक दल है। जो राष्ट्र प्रथम की भावना को लेकर चलता है। हमारा हर कार्यकर्ता पूरे मनोयोग के साथ राष्ट्रवादी भावना से ओत प्रोत सशक्त भारत के निर्माण में लगा हुआ है। आज के दिन हमें आत्मचिंतन करते हुए अग्रजो के त्याग तपस्या और बलिदान से प्रेरणा प्राप्त करते हुए पंचनिष्ठा के प्रण को पूरा करने में जुट जाना है। आज धर्म और संस्कृति की स्थापना के लिए प्रभु श्रीराम का अवतरण हुआ था। विधायक हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि हमारे परिवार में सांसद और विधायक नही होते कार्यकर्ता प्रधान होते है। आपके अथक परिश्रम से ही आज भाजपा केन्द्र सहित कई राज्यो में सरकार चला रही है। हमारी पार्टी देश के मुददो पर काम करने वाली पार्टी है। धारा 370 हटाने के उदाहरण हम देख चुके है अब वक्फ बोर्ड संसोधन भी हमने देखा है। 1952 से 1957 और 1962 तक देश मे एक चुनाव होते थे। आपातकाल के बाद

परिस्थितीया बदलते गई और चुनावो मे तालमेंल नही मिला अलग अलग चुनाव होने से फिजुल खर्ची होती है समय की बर्बादी होती हैं देश का विकास रूक जाता है। इसीलिए एक राष्ट्र एक चुनाव की जरूरत है। भाजपा आने वाली पीढि की सुरक्षा के लिए देश में जरूरी है। भाजपा जिलाध्यक्ष सुधाकर पंवार ने कहा कि कांग्रेस की विचार धारा को नापंसद कर श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं.दीनदयाल ने जनसंघ की स्थापना की तब से आज तक सतत रूप से भाजपा शक्ति शाली हुई है। आज हमने जिले के 1593 बूथो पर पूरे हर्षो उल्लास के साथ पार्टी का 46 वॉ स्थापना दिवस मनाया है। पिछले 11 वर्षो में भारत विश्व के पटल पर मजबूती से आगे बढते दिखाई दे रहा है। आने वाले दिनो में हम गांव चलो बस्ती चलो अभियान के तहत अपना समय संगठन की मजबूती के लिए देगे। इस दौरान जल संरचनाओं की स्वच्छता और जन चौपाल का आयोजन भी होगा। यह कार्यक्रम लगातार 13 अप्रेल तक चलेगें और 14 अप्रेल को हम भारत रत्न डा.भीमराव अंबेडकर की जन्म जयंती हर्सोउल्लास से मनाएगें। कार्यक्रम का संचालन कृष्णा गायकी और पूर्व पार्षद सुरेश सावनेर ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में पूर्व सांसद सुभाष आहूजा, भगवान सिंह भारद्वाज, नपाध्यक्ष पार्वती बारस्कर मधु पाटनकर, आनंद प्रजापति, रश्मि साहू अतीत पंवार मंचासीन रहे। कार्यक्रम में युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष भास्कर मगरदे , पिछडा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष संजू सोलंकी मंडल अध्यक्ष विक्रम वैघ, राजेश आहूजा, राजसिंह परिहार,पार्षद विकास प्रधान, पिंटू महाले, गीतेश बारस्कर, बूथ अध्यक्ष नरेश चोपडे, रमेश सोलंकी, आशीष कहार सहित कार्यकर्ता बडी संख्या में मौजूद रहें।

बूथ केंद्रों पर कार्यकर्ताओं ने मनाया भाजपा का स्थापना दिवस

सिरोंज। रविवार को नगर से लेकर ग्रामीण अंचलों में भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस कार्यक्रमों का आयोजन । विधायक विधायक उमाकांत शर्मा शामिल हुए सभी मतदान केंद्रों पर कार्यक्रम हुए। विधायक उमाकांत शर्मा ने अपने निवास पर कार्यकर्ताओं के साथ पार्टी के झंडे को फहराकर स्थानीय बूथ केंद्र क्रमांक 232 पर आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता की।

मतदान केंद्रों पर डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं दीनदयाल जी उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान पार्टी की स्थापना से वर्तमान तक

सफर को याद करते हुए बूथ के प्रत्येक परिवार तक भाजपा परिवार को ले जाने के लिए संकल्पित हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्री शर्मा ने कहा कि एक दौर था जब भारतीय जनता पार्टी के मात्र 2 सांसद हुए करते थे। उस समय विपक्ष हमारे सांसदों की मजाक बनाते थे। लेकिन आज पूरे देश मे भारतीय जनता पार्टी का उत्साह है नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार है हर आदमी के जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से विकास के कार्य कर रही है। भाजपा के स्थापना दिवस के आयोजन को बूथ केंद्रों पर होने वाले कार्यक्रमों में कार्यकर्ताओं के मार्गदर्शन के लिए नगर एवं ग्रामीण मंडलो के प्रत्येक मतदान केन्द्र के लिए वरिष्ठ नेताओं को वक्ता के तौर पर भेजा गया था। इस दौरान सभी बूथ केंद्रों पर भाजपा संगठन को पार्टी संगठन की रीतिनीति अनुसार सशक्त एवं स्वाबलंबी बनाने का संकल्प लिया गया। तथा वरिष्ठ नेताओं का सम्मान भी किया गया।

स्थानांतरण को लेकर न्यायालय से नोटिस की कार्रवाई जारी

मण्डला/अजीत पटेल। जिले में सहायक आयुक्त आदिवासी जनजातीय कार्य विभाग के तानाशाही खेल थमने का नाम नहीं ले रही है।आये दिन सहायक आयुक्त के नये-नये कारनामे सामने आ रहे हैं।जिले में जबसे सहायक आयुक्त आदिवासी जनजातीय कार्य विभाग की कुर्सी वंदना गुप्ता ने संभाली है तब से विभाग की शासकीय सिविल के साथ-साथ भ्रष्टाचार के चलते बच्चों की जिंदगी और भविष्य को दांव पर लगाकर एकतरफा आतंकी खेल हो रहा है,इसमें दो मत की बात नहीं कि कहां से कैसे शासन-प्रशासन के आदेशों को चुनौती देते हुए राशि बसूलने में वंदना गुप्ता पहले से पारंगत हैं,वंदना गुप्ता वर्षों से एक ही विद्यालय उमावि नारायणगंज जिला मण्डला उच्च पद प्रभार प्रथम श्रेणी में प्राचार्य के पद पर बैठी हुई है,शासकीय सिविल सेवा अधिनियम 1965 एवं उपसचिव मध्यप्रदेश शासन जनजातीय कार्य विभाग/महालेखागार मध्यप्रदेश ग्वालियर आदेशानुसार 03 वर्षों तथा विशेष सहायक मंत्री जनजातीय कार्य विभाग भोपाल मध्यप्रदेश के प्रतिवेदन अनुसार एक निश्चित समय सीमा में उक्त विवरण प्रभार से अन्य स्थान पर स्थानांतरण पदस्थापना किया जाकर निज सहायक,प्रमुख सचिव मध्यप्रदेश शासन अनुसूचित जाति कल्याण/शिक्षा स्था.विभाग द्वारा जारी आदेश पर्यन्त सक्षम अधिकारी-कर्मचारी को उक्त पद सौंपा जाकर शिक्षा व्यवस्था को गति देते हुए बच्चों के भविष्य तथा शैक्षणिक कार्य में व्यवस्थित सुधार किया जाएगा,परन्तु

एक ही कुर्सी पर वंदना गुप्ता का वर्षों से जमें रहना शासन-प्रशासन नियमावली की लापरवाही तथा जिम्मेदारों की भ्रष्टाचारी की स्पष्टता की पुष्टि करती है।

कार्यालय में नहीं मिल रहे जांच प्रतिवेदन-वंदना गुप्ता

सहायक आयुक्त आदिवासी जनजातीय कार्य विभाग मण्डला वंदना गुप्ता की सबसे बड़ी लापरवाही और खुल्लम-खुल्ला भ्रष्टाचार का मामला विगत दिनों 01/04/2025 को जनसुनवाई में जिला अपर कलेक्टर एवं जिला कलेक्टर महोदय के समक्ष रखा गया जिसमें सहायक आयुक्त वंदना गुप्ता की लापरवाही की फोटो-वीडियो जिला कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत होने की पुष्टि की गई।सहायक आयुक्त के खिलाफ मामला में वंदना गुप्ता द्वारा बालक आश्रम शाला प्रेमपुर में डी.सी.वंशकार अधीक्षक,श्रीमती संध्या कुम्हरे सहायक शिक्षक और आदर्श आवासीय विद्यालय सेमरखापा अचली में जी.एल. कांबड़े जिसके विरुद्ध न्यायालीन मामला दर्ज है बावजूद इसके सहायक आयुक्त द्वारा वित्तीय प्रभार एवं प्रेमपुर के दोषियों द्वारा किए गए बच्चों के भविष्य और जिंदगी को दांव पर रख झाड़ू-पोछा तथा जानवरों से बद्तर सलूक करने का मामला सामने आया है जिस पर सहायक आयुक्त वंदना गुप्ता द्वारा पुष्टि की गई है कि बीईओ एवं संबंधित सक्षम दल द्वारा किए गए मामले में जांच के दौरान फोटो-वीडियो में जो मामले सामने आया था उसके अनुसार उक्त शिक्षक,अधीक्षक तथा प्राचार्य दोषी पाए गए हैं। सहायक आयुक्त आदिवासी जनजातीय कार्य विभाग वंदना गुप्ता द्वारा इस मामले पर जांच के बाद आला-अधिकारियों के समक्ष दोषियों की पुष्टि किए जाने के बावजूद जांच प्रतिवेदन का कार्यकाल में नहीं मिलने की बात कहकर इस कार्यालय से शासकीय दस्तावेज का गायब होना शासकीय सिविल सेवा अधिनियम 1965 अंतर्गत अपराध की श्रेणी में आता है। साथ है।वंदना गुप्ता द्वारा जांच प्रतिवेदन कार्यालय में नहीं मिलने की बात कहकर यह स्पष्ट किया जा रहा है कि दोषियों को संरक्षण प्रदान करने हेतु मोटी रकम वसूल किया जा चुका है। सहायक आयुक्त आदिवासी जनजातीय कार्य विभाग मण्डला वंदना गुप्ता के ऐंसें और भी मामलों का उजागर किया गया है जिसमें श्रीमती गुप्ता ने सरकार को चुनौती देते हुए शासन-प्रशासन के नियमों और आदेशों का उलंघन कर प्राचार्य के पद पर पदस्थ होकर मेहमानी सहायक आयुक्त की कुर्सी पर बैठकर खुलेआम लापरवाही और भ्रष्टाचार कर रही है।

सहायक आयुक्त ने राज्य शासन के आदेश को ठुकराया

सहायक आयुक्त आदिवासी जनजातीय कार्य विभाग वंदना गुप्ता के भ्रष्टाचारी कारनामों को बताने की जरूरत नहीं है,स्वयं के बचाव को लेकर सांसद-विधायक,पत्रकारों तथा आला-अधिकारियों को अपने महिलापन की बात कहकर सरकार की योजनाओं को बेचकर शासन-प्रशासन के आदेशों को दरकिनार कर वंदना गुप्ता द्वारा जिले में मनमाना राज चलाया जा रहा है। आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग भोपाल के आदेशानुसार 10 दिसम्बर 2024 को जारी आदेश में बिना किसी सक्षम अधिकारी के अनुमोदन के स्थानांतरण/संलग्नीकरण नहीं किया जाएगा, भोपाल के उक्त आदेश पर 16 दिसंबर 2024 को संशोधन कर आदेशित किया गया कि उक्त आदेश के पूर्व जो भी स्थानांतरण/संलग्नीकरण किया गया है उसे तत्काल निरस्त कर निरस्त्रीकरण प्रमाण पत्र संबंधित सक्षम अधिकारी के कार्यालय में प्रस्तुत किया जावे।आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग भोपाल द्वारा जारी आदेश को चुनौती देते हुए सहायक आयुक्त वंदना गुप्ता ने पत्र क्रमांक/सहा.आयु./शि.स्था./2025/1774 मण्डला दिनांक 13/02/2025 अंतर्गत शासकीय बालक प्राथमिक शाला सेमरखापा विकासखंड मण्डला में पदस्थ श्रीमती समता सैनी प्राथमिक शिक्षक को शासकीय प्राथमिक शाला मैन ब्रान्च विकासखंड मण्डला में स्थानांतरित/संलग्नीकरण किया गया है। सहायक आयुक्त ने उक्त आदेश में अपनी तिजोरी भरने को लेकर शिक्षकों की अधिकता बताकर प्राथमिक शिक्षक समता सैनी को प्राथमिक बालक शाला सेमरखापा से मैन ब्रान्च प्राथमिक शाला विकासखंड मण्डला में पदस्थ किया गया है जबकि शिक्षा विभाग की नियमावली के तहत दर्ज बच्चों के अनुसार उक्त प्राथमिक शाला में शिक्षकों की पहले से कमी है, परन्तु सहायक आयुक्त वंदना गुप्ता ने बच्चों के भविष्य को दरकिनार कर अपनी तिजोरी भरने को प्राथमिकता देते हुए उक्त नियम विरुद्ध यह कृत्य किया है जो अपराध की श्रेणी में आता है।सहायक आयुक्त आदिवासी जनजातीय कार्य विभाग मण्डला वंदना गुप्ता द्वारा किए जा रहे इन्हीं अपराधिक कृत्यों को प्राथमिकता से लेते हुए विशेष न्यायाधीश अनुसूचित जाति/जनजातीय अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत प्रथम दृष्टया न्यायालीन नोटिस की कार्यवाही की गई है।

जावर बाबा लाखन के दरबार में लगा भक्ति और आस्था के संगम का मेला

जावर थाना प्रभारी नीता देहरवाल अपनी टीम के साथ रही उपस्थित

जावर। नवरात्रि के अंतिम दिवस नवमी के दिन जावर की प्रसिद्ध बाबा लखन के दरबार में 50000 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने किया बाबा लखन देव के दिव्य दर्शन बाबा लाखन के दरबार में नवमी पर लगा भक्तों का मेला

प्रति वर्ष अनुसार इस बार भी नवमी पर नेवज नदी के तट पर स्थित बाबा लखन देव देव पुरी धाम में नवरात्रि के अंतिम दिवस नवमी के दिन भक्तों का मेला लगा सभी भक्तों ने अपनी मन्नत को पूरा किया और बाबा लाखन देव जी महाराज का आशीर्वाद लिया बाबा मांगीलाल पड़ियार जब पवन गद्दी पर विराजमान होते हे तब सभी भक्तों के सारे दुख और संकट दूर हो जाते है और मुंह मांगा आशीर्वाद मिलता हेइसी कड़ी में नवरात्रि की नवमी के दिन सभी भक्तों अपनी मन्नत पूरी होने के बाद बाबा के दरबार में सर झुकाने आते हैं भंडारे का आयोजन किया जाता हैमान्यता है कि अगर किसी व्यक्ति को सांप काट ले तो बाबा के दरबार में हाजिरी लगाने मात्र से ही वह पूर्णता स्वस्थ हो जाता है वहां के पुजारी कोक सिंह ठाकुर ने बताया। कि बाबा के दरबार में प्रतिवर्ष हजारों की संख्या में भक्तजन आते हैं और मुंह मांगा वरदान और मन्नत पूरी करके जाते हैं बाबा लखन देव भक्तों की सभी की परेशानी दुख दर्द दूर कर संपूर्ण मनोकामना पूर्ण करते है बाबा के वहा लोग दूर दूर से आते है अलग अलग प्रदेश से आते है यह स्थान विशेषकर संतान प्राप्ति एवं जिन किसी को सांप काट लेता है इसके लिए प्रसिद्ध है यह से लकवा मिर्गी के के मरीज भी ठीक होते है वही समिति के सदस्य राजकुमार ठाकुर देवेंद्र ठाकुर अर्जुन राणा राघवेंद्र ठाकुर दीपक डेनी आदि सभी सदस्यों में समिति की व्यवस्था के देखा

एक्शन सीन मानसिक अनुशासन की भी सख्त जरूरत : पूजा

मुंबई, एजेंसी। सोनी लिव की जासूसी थ्रिलर 'अदृश्यम 2 - द इनविज़िबल हीरोज' में दुर्गा जैसा पेचीदा और असरदार किरदार निभा रहीं पूजा गोर ने हाल ही में इस चुनौतीपूर्ण भूमिका के लिए अपनी तैयारी के अनुभव साझा किए। पूजा ने बताया, एक्शन सीन मेरे लिए बिल्कुल नया अनुभव था और इसमें सिर्फ शारीरिक नहीं, बल्कि मानसिक अनुशासन की भी सख्त जरूरत थी। मैंने हथियार चलाना सीखा, जो मज़ेदार तो था, लेकिन साँसों को नियंत्रित करना एक ऐसा पहलू था, जिसने मुझे चौंका दिया। जटिल दृश्यों में यह सबसे ज्यादा कारगर साबित हुआ। वह आगे कहती हैं, दुर्गा के किरदार में नैतिक उलझन है। वह न तो पूरी तरह अच्छी है और न ही बुरी - उसकी रहस्यमयता मुझे बहुत आकर्षक लगी। इस किरदार को निभाने के लिए मैंने पहले उसकी आंतरिक दुनिया रची, उसके डर, विश्वास और अविश्वास को समझा। इसके बाद मैंने खुद को उसकी मानसिकता के हवाले कर दिया। शारीरिक ट्रेनिंग तो बाद में आई - असली तैयारी उसके भीतर की जिम्मेदारियों और मनोस्थिति को महसूस करना था।

चमक में मोहित मलिक का सबसे भावनात्मक सीन

मुंबई। जब कलाकार अपनी सीमाओं को पार करते हैं, तब किरदार जीवन से भर उठते हैं। मोहित मलिक के लिए ऐसा ही एक क्षण आया सीरीज चमक के सीजन 1, एपिसोड 4 में, जब उन्हें अपने किरदार गुरु के एक भावनात्मक मोड़ को जीवंत करना था। इस हृदयविदारक सीन में गुरु आत्महत्या के विचारों से जूझता है और यह दृश्य पूरी सीरीज़ की दिशा को नया मोड़ देता है। इस चुनौतीपूर्ण सीन के बारे में बात करते हुए मोहित ने कहा, सीज़न 1 के एपिसोड 4 में मेरा किरदार गुरु आत्महत्या करने की सोच रहा होता है और एक कुएं के पास खड़ा होता है। मेरे लिए यह दृश्य शूट करना बेहद कठिन था। सच कहूं तो उस माहौल से बाहर आने में मुझे थोड़ा समय लगा। वह एक बहुत अंधेरी मानसिक स्थिति थी। एक अभिनेता के तौर पर आपको कई भावनात्मक अवस्थाओं से गुजरना होता है, लेकिन यह सीन मेरे लिए खासतौर पर चुनौतीपूर्ण था। इसमें मुझे अपने भीतर के सबसे संवेदनशील और कमजोर पक्ष को सामने लाना था और इसका भावनात्मक असर मुझ पर पड़ा। हालांकि, यह मेरे लिए एक गहरी सीख भी थी और मुझे गर्व है कि यह दृश्य जैसा हमने चाहा था, वैसा ही उतरा। संगीत, रहस्य और ड्रामा का अनूठा मिश्रण लेकर आ रही चमक- द कॉन्क्लूजन एक ऐसा अनुभव है जिसे भुला पाना दर्शकों के लिए आसान नहीं होगा।

पुराने कार्ड-लोन बंद करने से क्रेडिट स्कोर पर पड़ता है असर

नईदिल्ली, एजेंसी। अच्छे क्रेडिट स्कोर के लिए महत्वपूर्ण है कि आप ईएमआई एवं क्रेडिट कार्ड बकाये का समय पर और पूरा भुगतान करें। ऐसा करने के बावजूद कुछ ऐसे कारक होते हैं, जो क्रेडिट स्कोर को प्रभावित करते हैं। कई लोगों का मानना है कि पुराने क्रेडिट कार्ड को बंद करना या होम लोन को फोरक्लोज करना उनके क्रेडिट स्कोर को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है। आइए जानते हैं...इसकी सच्चाई क्या है? कई कारक आपके क्रेडिट स्कोर यानी साख को सकारात्मक या नकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं। इनमें महत्वपूर्ण है...समय पर बकाया भुगतान। आपका क्रेडिट कार्ड जितना पुराना होगा, उसका क्रेडिट स्कोर पर सकारात्मक प्रभाव उतना ही बेहतर होगा। बेहतर क्रेडिट स्कोर के लिहाज से सुरक्षित और असुरक्षित कर्ज का मिश्रण होना (होम लोन व क्रेडिट कार्ड) भी जरूरी है। यह सिर्फ असुरक्षित कर्ज रखने की तुलना में आपके क्रेडिट स्कोर को बढ़ा सकता है।ध्यान रखने वाली बात यह है कि अगर आप होम लोन बंद कर देते हैं, लेकिन क्रेडिट कार्ड बकाये का भुगतान करने से चूक जाते हैं, तो आपका क्रेडिट स्कोर निश्चित रूप से खराब हो जाएगा।

वर्ल्ड यूनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन ने रचनात्मक शिक्षा को नए सिरे से परिभाषित करने को भविष्य को लेकर केंद्रित प्रोग्राम शुरू किए

नई दिल्ली। टेक्नोलॉजी, कारोबार और रचनात्मक उद्योगों में उभरते रुख से आगे रहने की दिशा में एक साहसिक कदम उठाते हुए वर्ल्ड यूनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन (डब्लूयूडी) ने 2025-26 अकादमिक वर्ष के लिए नए स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों की घोषणा की है। इन नए कार्यक्रमों से डिजाइन की सोच को एडवांस टेक्नोलॉजी और क्षेत्रों के साथ जोड़कर करियर के नए मार्ग प्रशस्त होने जा रहे हैं। इन पेशकश में शामिल बी.टेक इन कंप्यूटर साइंस एंड डिजाइन, भविष्य को ध्यान में रखकर तैयार किया गया कार्यक्रम है जिसमें पारंपरिक कंप्यूटर साइंस डिग्रियों पर एआई के बढ़ते प्रभाव को समाहित किया गया है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को मानव केंद्रित डिजाइन के सिद्धांतों को आत्मसात करते हुए कोडिंग विशेषज्ञता से युक्त बनाता है जिससे यह सुनिश्चित होता है कि स्नातक के छात्र विवेकपूर्ण और यूजर केंद्रित समाधान विकसित कर सकें। डब्लूयूडी बैचलर एंड मास्टर ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स इन थिएटर के साथ परफॉर्मिंग आर्ट्स के परिदृश्य को भी नया आकार देने जा रही है। परंपरागत थिएटर पाठ्यक्रमों के उलट, ये प्रोग्राम थिएटर पेशेवरों का सर्वांगीण विकास करते हैं जिसमें निर्देशन, स्टेजक्राफ्ट और समकालीन किस्सागोई तकनीकियां शामिल हैं। गेमिंग की मनोरंजन से परे उभरती भूमिका को पहचानते हुए डब्लूयूडी एम.डेस इन गेम डिजाइन एंड डेवलपमेंट शुरू कर रही है जिसे उन विद्यार्थियों के लिए तैयार किया गया है जो गेमिंग की पृष्ठभूमि से नहीं होने के बावजूद इस तेजी से बढ़ते उद्योग में कदम रखने की संभावना तलाश रहे हैं।

विश्व स्वास्थ्य दिवस 2025 : महिलाओं और नवजातों की सेहत पर इलाज का खर्च बना बड़ी चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में स्वास्थ्य पर बढ़ता खर्च आज एक गंभीर चिंता का विषय बनता जा रहा है। आम परिवारों की मासिक आय का बड़ा हिस्सा बीमारियों के इलाज में खर्च हो रहा है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिरता प्रभावित हो रही है। अगर समय रहते बीमारियों की रोकथाम और स्वास्थ्य जागरूकता पर जोर दिया जाए, तो यह खर्च न केवल आधा हो सकता है, बल्कि नागरिकों की जीवन गुणवत्ता भी बेहतर बन सकती है।

ऐसे में, हर साल 7 अप्रैल को मनाया जाने वाला %विश्व स्वास्थ्य दिवस% एक महत्वपूर्ण मौका बनकर सामने आता है। यह दिन न केवल स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने का माध्यम है, बल्कि पॉलिसी मेकर्स और समाज दोनों के लिए यह सोचने का भी समय है कि अब इलाज नहीं, बल्कि रोकथाम और स्वास्थ्य संवर्धन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

इलाज के बजाय निरोग रहने की जरूरत: भारत सरकार हर साल करीब 1 लाख करोड़ रुपए स्वास्थ्य बजट में खर्च करती है, लेकिन इसमें से सिर्फ 10-15 प्रतिशत हिस्सा बीमारियों की रोकथाम पर जाता है। संतुलित आहार, स्वास्थ्य शिक्षा और नियमित जांच जैसे जरूरी कार्यक्रमों पर 5त्न से भी कम खर्च होता है। अगर देश की नीति में रोकथाम को प्राथमिकता दी जाए तो बीमारियों के इलाज पर होने वाला खर्च त्नष्ठक्क का 6त्न तक जाने से रोका जा सकता है।

जेब पर भारी इलाज का बोझ: आज के दौर में एक औसत भारतीय परिवार साल में 20 हजार रुपए से 30 हजार रुपए केवल इलाज पर खर्च करता है। जब कोई गंभीर बीमारी सामने आती है, तो यह खर्च कई गुना बढ़ जाता है। इसके अलावा, हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम भी 15 हजार रुपए से 50 हजार रुपए तक पहुंच चुका है। कई राज्य ऐसे हैं, जहां लोग इलाज के लिए कर्ज तक लेने को मजबूर हो जाते हैं। इससे न केवल व्यक्ति की आर्थिक स्थिति प्रभावित होती है, बल्कि देश की प्रोडक्टिविटी और विकास दर भी कमजोर होती है।

रोकथाम पर शोध और बजट की कमी: स्वास्थ्य के क्षेत्र में 'रोकथाम' को लेकर भारत में शोध बहुत ही सीमित है। जबकि पश्चिमी देशों में यह एक गंभीर प्राथमिकता है। भारत में नीतियां अभी भी इलाज केंद्रित हैं। स्वास्थ्य शिक्षा, संतुलित आहार और फिटनेस कार्यक्रम जैसे पहलुओं को सरकार की योजनाओं में उचित स्थान नहीं मिल पाया है।

नीति में बदलाव जरूरी: जनस्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (ह्व।रू) और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं में बीमारी से पहले बचाव को भी शामिल

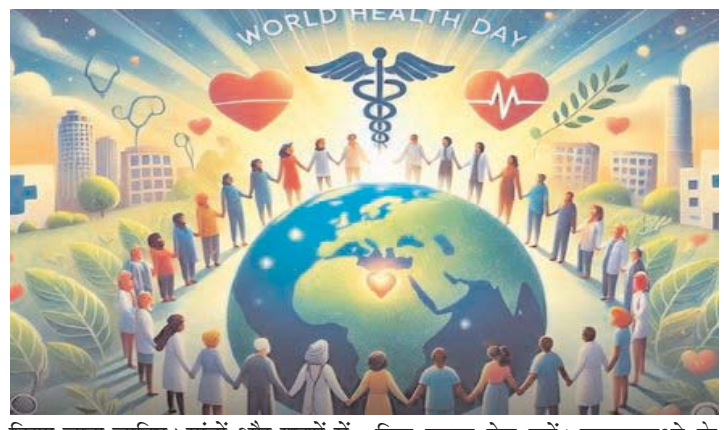

किया जाना चाहिए। गांवों और शहरों में बीमारियों की पहचान के लिए भले ही शिविर लगते हों, लेकिन स्वास्थ्य जागरूकता और फिटनेस कैंप अभी तक अनिवार्य रूप से आयोजित नहीं किए जाते। इसके अलावा, स्कूलों में स्वास्थ्य शिक्षा को पाठ्यक्रम में शामिल करना और पंचायत स्तर पर स्थायी जागरूकता अभियान चलाना जरूरी है। इस साल विश्व स्वास्थ्य दिवस की थीम है स्वस्थ शुरुआत, आशावादी भविष्य। यह थीम माताओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य पर केंद्रित है। डब्ल्यूएचओ ने एक साल चलने वाले जागरूकता अभियान की शुरुआत की है, जिसमें सरकारों से अनुरोध किया गया है कि वे मातृ व शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए प्रयास तेज करें। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, महिलाओं को डिलीवरी से पहले और बाद में हाई क्वालिटी वाली देखभाल मिलनी चाहिए। साथ ही मानसिक स्वास्थ्य, गैर-संचारी रोग और परिवार नियोजन को स्वास्थ्य प्रणाली में जोड़ा जाना चाहिए। डब्ल्यूएचओ यह भी कहता है कि महिलाओं के स्वास्थ्य अधिकारों की सुरक्षा के लिए ठोस कानून और नीतियां बनाई जानी चाहिए।

फिट इंडिया और निरामय योजना: बता दें कि, केंद्र सरकार की 'फिट इंडिया मूवमेंट' और राजस्थान सरकार की 'निरामय योजना' कुछ ऐसे कदम हैं जिन्होंने रोकथाम की दिशा में लोगों की सोच बदली है। अब जरूरत है कि इन योजनाओं को राष्ट्रीय स्तर पर फैलाया जाए और उन्हें अन्य योजनाओं में समाहित किया जाए ताकि स्वास्थ्य शिक्षा, जागरूकता और फिटनेस को प्राथमिकता मिल सके। पहला सुख निरोगी काया केवल एक कहावत नहीं है, बल्कि यह आज के भारत की सबसे बड़ी जरूरत है। जब तक हम स्वास्थ्य को केवल बीमारी से जुड़ा विषय समझते रहेंगे, तब तक अस्पतालों की भीड़ और जेब पर बोझ दोनों बढ़ते रहेंगे।

क्या है विश्व स्वास्थ्य दिवस: विश्व स्वास्थ्य दिवस हर साल 7 अप्रैल को मनाया जाता है, जो कि विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्थापना की वर्षगांठ भी है। इसकी शुरुआत साल 1950 में हुई थी। तब से यह दिन दुनियाभर में स्वास्थ्य के लिए जागरूकता बढ़ाने, बीमारियों की रोकथाम पर जोर देने और हेल्थकेयर सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए मनाया जाता है। हर साल इसकी एक नई थीम होती है, जो किसी विशेष स्वास्थ्य मुद्दे पर वैश्विक ध्यान केंद्रित करती है। जैसे कि मातृ-शिशु स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, पर्यावरणीय स्वास्थ्य। इस दिन सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों के तहक फ्री हेल्थ कैंप, जागरूकता रैली, सेमिनार और हेल्थ चेकअप कैंप जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, ताकि आम जनता को निरोग रहने के महत्व के बारे में जानकारी दी जा सके।

मप्र को मिली बड़ी सौगात, चार शहरों से गुजरेगी सुपरफास्ट ट्रेन

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य प्रदेश के चार प्रमुख शहरों को रेलवे से एक बड़ी खुशखबरी मिली है। दिल्ली जाने वाले यात्रियों के लिए जल्द ही एक नई मेल एक्सप्रेस सुपरफास्ट ट्रेन सेवा शुरू की जाएगी। इस ट्रेन का संचालन इंदौर, उज्जैन, देवास और नागदा होते हुए कोटा से दिल्ली तक होगा। नई ट्रेन, 20156/155, जो डॉ. अंबेडकर नगर से दिल्ली तक जाएगी, रोजाना चलेगी। यह ट्रेन इंदौर, देवास, उज्जैन, नागदा और कोटा होते हुए दिल्ली तक जाएगी। इस ट्रेन के संचालन के लिए रेलवे ने आदेश दे दिए हैं, जिससे यात्रियों को और अधिक सुविधाएं मिलने वाली हैं। यह ट्रेन खासकर उन श्रद्धालुओं के लिए सहायक साबित होगी जो महाकालेश्वर मंदिर के दर्शन के लिए दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों से उज्जैन आते हैं। सांसद अनिल फिरोजिया ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से इस ट्रेन के संचालन की मांग की थी, और अब रेल मंत्री ने इस ट्रेन को शुरू करने की स्वीकृति दे दी है। सांसद अनिल फिरोजिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार व्यक्त किया है। इस ट्रेन सेवा से न केवल दिल्ली-उज्जैन यात्रा में आसानी होगी, बल्कि यात्रियों को सुविधाजनक और सुपरफास्ट यात्रा का अनुभव भी मिलेगा।

डी. पी. ज्वेलर्स बना मध्यप्रदेश व राजस्थान का सबसे बड़ा रिटेल ज्वेलरी ब्रांड

नई दिल्ली, एजेंसी। देश-भर में अपनी स्वर्ण शुद्धता से 30 लाख से अधिक परिवारों का दिल जीतने वाला डी. पी. ज्वेलर्स इस वर्ष अपने स्वर्णिम सफर के 85 वर्ष पूर्ण कर चुका हैं। इस विशेष अवसर पर उनके द्वारा उनकी जन्मभूमि को आधुनिक सुविधाओं की तर्ज पर निर्मित रतलाम का दूसरा व अपना 11वां शोरूम समर्पित किया है। रतलाम के सागोद रोड पर निर्मित सर्वसुविधायुक्त शोरूम का शुभारम्भ डी. पी. ज्वेलर्स के रतनलाल कटारिया द्वारा किया गया। इस विशेष अवसर पर मशहूर अदाकारा चित्रांगदा सिंह व डी. पी. परिवार के अनिल कटारिया, संतोष कटारिया, विकास कटारिया अन्य सभी सदस्य उपस्थित थे। इस अवसर पर रतलामवासियों के लिए समर्पित इस शोरूम में खरीदी के लिए ग्राहकों में काफी उत्साह देखा गया। बता दें कि डी. पी. ज्वेलर्स की विशेषता रही है कि, इन्होने पीढ़ी दर पीढ़ी ज्वेलरी जगत में बदलते ट्रेंड को अपनाने के बावजूद आभूषणों की गुणवत्ता से कभी समझौता नहीं किया। 1940 में स्वर्गीय धूलचंद कटारिया द्वारा तय किए गए शुद्धता के मापदंडों और पारदर्शिता के संकल्प को आज भी निभाया जा रहा हैं। ग्राहकों को आभूषणों की शुद्धता, भाव की सही जानकारी देने के साथ ही, बिलिंग में पारदर्शिता रखी जाती है, जिससे ग्राहक खरीदी से संतुष्ट रहते हैं। इस विशेष शुभारम्भ अवसर पर डायरेक्टर अनिल कटारिया ने बताया कि स्वर्ण नगरी रतलाम से हमें ग्राहकों का अभूतपूर्व स्नेह मिला है। यहां के लोगों के विश्वास ने ही हमें इतना सक्षम बनाया कि हम 30 लाख से अधिक ग्राहकों की पहली पसंद है। 85 वर्षों पूर्व कठिनाइयों और जटिलताओं से गुजरकर हमारे पूर्वजों ने बनाई शुद्धता की परम्परा आज इतिहास बन गई है। इसी संकल्प को और विस्तारित करते हुए हमारी जन्मभूमि रतलाम के ग्राहकों से मिले फीडबैक के आधार पर डी. पी. ज्वेलर्स का दूसरा शोरूम बनाया गया है। हमें विश्वास है कि हर बार की तरह यह भी ग्राहकों की उम्मीदों पर खरा उतरेगा।डी. पी. ज्वेलर्स के संतोष कटारिया ने कहा कि, डी. पी. ज्वेलर्स की नींव शुद्धता के संकल्प के साथ रखी गई थी। जो अब एक परम्परा में बदल गई है, जिसे स्वर्गीय पन्नालाल कटारिया, स्वर्गीय मोहनलाल कटारिया व रतनलाल कटारिया ने अपनी समझ और परख से और विस्तारित किया। अब परिवार की अगली पीढ़ी भी इसे विस्तारित करने में अपना योगदान दे रही है। डी. पी. ज्वेलर्स निरंतर प्रगति कर रहा है। रतलाम से 85 वर्षों पूर्व शुरू हुई इस स्वर्णिम यात्रा में आज मध्य प्रदेश व राजस्थान के 9 मुख्य शहर इंदौर, भोपाल, उज्जैन, उदयपुर, भीलवाड़ा, कोटा, बांसवाड़ा, अजमेर, नीमच जुड़ चुके हैं और रतलाम में इस दूसरे शोरूम की शुरुआत हमारे लिए बड़ी उपलब्धि है।

हड़प्पा सभ्यता ने वैश्विक व्यापार के लिए आधारशिला रखी: एएसआई विशेषज्ञ

हैदराबाद / नई दिल्ली, एजेंसी। महिन्द्रा युनिवर्सिटी ने भारत की ऐतिहासिक धरोहर की आधारशिला कहलाने वाली सिंधु घाटी सभ्यता की खोज की 100वीं वर्षगांठ के मौके पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया जिसमें उन प्रख्यात विद्वानों और विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे जिन्होंने इस सभ्यता के ऐतिहासिक, पुरातात्विक और भाषाई महत्व को खंगाला है। इस संगोष्ठी का आयोजन, महिन्द्रा युनिवर्सिटी की रिसर्च टीम की अंतरक्षेत्रीय परियोजना के तहत किया गया। यह टीम सिंधु घाटी लिपि के गूढ़ अक्षरों को समझने पर काम कर रही है। इस परियोजना का नेतृत्व मीडिया एवं संचार, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान, भाषा विज्ञान, संज्ञानात्मक विज्ञान, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इतिहास के क्षेत्रों में विभिन्न शोधकर्ताओं द्वारा किया जा रहा है। इस अंतरक्षेत्रीय संगोष्ठी में 5,000 वर्षों से अधिक पुरानी सिंधु घाटी सभ्यता के विभिन्न पहलुओं पर गहन चर्चा की गई। यहां प्रदर्शित एक लाख वर्ष से अधिक पुराने अमूल्य मानव निर्मित पत्थर के औजार आकर्षण का केंद्र रहे। यह महत्वपूर्ण खोज, प्रारंभिक मानव बस्तियों की प्रौद्योगिकीय उन्नति की अनूठी झलकियां पेश करती है। सिंधु घाटी सभ्यता की दुर्लभ वस्तुएं भी यहां प्रदर्शित की गईं जिससे लोगों को हमारी समृद्ध विरासत को अधिक समझने में मदद मिली। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से अधीक्षण पुरातत्वविद् डाक्टर स्मिता एस. कुमार ने अपने मुख्य संबोधन में हड़प्पा सभ्यता के समुद्री नेटवर्क और इसके आर्थिक एंव सांस्कृति प्रक्षेप पथ को आकार देने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रेखांकित की। उन्होंने कहा, हड़प्पा की विरासत का दूरगामी आर्थिक, सांस्कृति, भाषाई और तकनीकी प्रभाव रहा है। इसने ना केवल दुनिया के आर्थिक परिदृश्य को आकार दिया, बल्कि अंतर सांस्कृतिक संपर्कों को भी बढ़ावा दिया जिससे इन शताब्दियों में वैश्विक व्यापार प्रणालियों के लिए नीव रखने में मदद मिली। इस संगोष्ठी में युनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद के पुरातत्वविद और मानद प्रोफेसर केपी राव, युनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद में इतिहास विभाग के प्रमुख प्रोफेसर सुचंद्र घोष और आईआईटी हैदराबाद की एसोसिएट प्रोफेसर डाक्टर राधिका ममीदी ने अपनी अंतर्दृष्टि से दर्शकों पर गहरा प्रभाव छोड़ा।

वॉल स्ट्रीट के लड़खड़ाने के बाद एशियाई बाजारों की फूली सांस

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए गए जवाबी टैरिफ के बाद दुनिया भर के बाजार डर और आशंकाओं के साए में कारोबार कर रहे हैं। व्यापार जंग की आहट के बीच अमेरिकी बाजार भी लड़खड़ा रहा है। अमेरिकी बाजार वॉल स्ट्रीट में शुक्रवार को भारी गिरावट देखी गई थी। इसके बाद सोमवार को जापान के शेयर बेंचमार्क में भी भारी गिरावट आई। टोक्यो के निक्केई 225 इंडेक्स में बाजार खुलने के तुरंत बाद करीब आठ फीसदी की गिरावट आई। ऑस्ट्रेलिया के एसएंडपी/एएसएक्स 200 में छह फीसदी से अधिक की गिरावट आई। ऐसे ही दक्षिण कोरिया के कोस्पी में 4.4 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। अमेरिकी वायदा में और कमजोरी के संकेत मिले। एसएंडपी 500 के वायदा में 4.2 फीसदी की गिरावट आई, जबकि डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 3.5 फीसदी की गिरावट आई।

टैरिफ: बेहतर स्थिति में भारत खिलौना उद्योग, घरेलू विनिर्माण बनाना होगा मजबूत, संयंत्र लगाना चाहती हैं कंपनियां

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिका की ओर से टैरिफ बढ़ाने के बाद शुरू व्यापार युद्ध के बीच भारत बेहतर स्थिति में है। भारतीय निर्यातक चीन व वियतनाम जैसे प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में ज्यादा लाभ उठा सकते हैं। घरेलू खिलौना उद्योग भी मौके का फायदा उठाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

निर्यातकों का कहना है, अंतरराष्ट्रीय पहुंच बढ़ाने के लिए खिलौना उद्योग ने टैरिफ वार शुरू होने से पहले ही क्षमता विस्तार और वैश्विक कंपनियों के साथ संयुक्त उद्यम बनाने का काम शुरू कर दिया है। सनलॉर्ड समूह के प्रवर्तक अमिताभ खरबंदा ने कहा, अमेरिका के साथ होने वाले व्यापार समझौते से भी खिलौना कंपनियों को निर्यात बढ़ाने में मदद मिलेगी। खिलौनों के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना बनाने की बजट घोषणा से इस क्षेत्र को विस्तार में सहायता मिलेगी। प्लेग्रो टॉयज इंडिया के सीईओ मनु गुप्ता ने कहा, चीन 80 अरब डॉलर और वियतनाम करीब 6 अरब डॉलर का खिलौना निर्यात करता है। अब उनके उत्पादों पर अमेरिका में भारतीय खिलौनों से अधिक शुल्क लगेगा। ऐसे में कई देशों की शीर्ष खिलौना कंपनियां भारत में संयंत्र स्थापित करना चाहती हैं। भारत का खिलौना निर्यात पिछले तीन वर्षों से 32.6 करोड़ डॉलर से 34.8 करोड़ डॉलर के बीच रहा है। चीन से खिलौनों का आयात बिल 2012-13 में 21.4 करोड़ डॉलर था, जो 2023-24 में घटकर 4.16 करोड़ डॉलर रह गया। खिलौना आयात में चीन की हिस्सेदारी भी 94 फीसदी से घटकर 64 फीसदी रह गई। फिक्की का कहना है कि लाभ उठाने के लिए भारत को घरेलू विनिर्माण को मजबूत करने का प्रयास तेज करना चाहिए। खासतौर पर मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत योजनाओं के तहत। भारत को उन क्षेत्रों की पहचान कर उन्हें मजबूत बनाना चाहिए, जो अनुकूल व्यापार अंतरों पर कम निर्भर हैं। इससे भविष्य में टैरिफ झटकों के खिलाफ दीर्घकालिक सुरक्षा मिलेगी।

ओडिशा में नेस्ले इंडिया की पहली फैक्टरी का शिलान्यास

मुंबई, एजेंसी। नेस्ले इंडिया ने आज ओडिशा के खोरधा जिले में अपनी आगामी फैक्ट्री की आधारशिला रखी। इस अवसर पर ओडिशा के माननीय मुख्यमंत्री श्रीमोहन चरण मांझीने समारोह में उपस्थित होकर शिलान्यास किया। यह फैक्ट्री नेस्ले इंडिया की देशभर मेंदसवींऔर पूर्वी भारत मेंपहली मैन्युफैक्चरिंग यूनिटहोगी। इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री श्रीमोहन चरण मांझीने कहा,ओडिशा मे नेस्ले इंडिया द्वारा अत्याधुनिक तकनीक से युक्त एक विश्वस्तरीय फैक्ट्री की स्थापना होते देखना गर्व की बात है। मुझे विश्वास है कि यह यूनिट न केवल राज्य की औद्योगिक क्षमता को नई ऊँचाइयाँ देगी, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और समृद्धि के नए द्वार भी खोलेगी। राज्य सरकार इस दिशा में हरसंभव सहयोग देती रहेगी। नेस्ले इंडिया के चेयरमैन और प्रबध निदेशकश्री सुरेश नारायणनने कहा,मेक इन इंडिया के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए हम ओडिशा में अपनी दसवीं फैक्ट्री स्थापित कर रहे हैं। यह भारत के लिए हमारे दीर्घकालिक दृष्टिकोण का प्रतीक है। हमें खुशी है कि हमारी योजना अब साकार हो रही है। यह फैक्ट्री न केवल व्यवसायिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होगी, बल्किजेंडर डाइवर्सिटी, सतत उत्पादन, पेपरलेस कार्यप्रणालीऔरडिजिटल मैनेजमेंटका भी एक उत्कृष्ट उदाहरण बनेगी। प्रारंभिक चरण में इस फैक्ट्री में लगभग 900 करोड़ का निवेशकिया जाएगा। यहां पर नेस्ले इंडिया केफूड पोर्टफोलियोसे जुड़े उत्पाद, जैसे रेडी-टू-कुक डिशेज़ और खाना पकाने में सहायक उत्पादों का निर्माण किया जाएगा। नेस्ले इंडिया ने 1961 में पंजाब के मोगा जिले में अपनी पहली फैक्ट्री लगाई थी। 1967 में तमिलनाडु के चोलाडी में अपनी दूसरी फैक्ट्री लगाई। 1989 में कर्नाटक के नंजनगुड, 1992 में हरियाणा के समालखा, 1995 में गोवा के पोंडा, 1997 में गोवा के बिचोलिम, 2006 में उत्तराखंड के पंतनगर और 2012 में हिमाचल प्रदेश के ताहलीवाल में कंपनी ने फैक्ट्रियां स्थापित की। 2021 में गुजरात के साणंद में कंपनी ने अपने दसवें मैन्युफैक्चरिंग प्लांट की स्थापना की।

राममय हुई छिंदवाड़ा नगरी

हिंदू उत्सव समिति ने निकाली शानदार शोभायात्रा

छिंदवाड़ा। हिन्दु उत्सव समिति द्वारा नगर में शानदार रैली निकाला गई जिसमें सभी वर्गो के लोगों ने भाग लिया। हिन्दु उत्सव समिति के अध्यक्ष शंटी बेदी सहित नगर के जनप्रतिनिधी रैली में शामिल हुए। जिसमें जिला भाजपा अध्यक्ष शेषराव यादव, नगेन्द्र ब्रह्मचारी, पूर्व मंत्री दीपक सक्सेना, चौधरी चन्द्रभान सिंह, गंगा प्रसाद तिवारी, रमेश पोफली, महापौर विक्रम अहाके, निगम अध्यक्ष सोनू मागो, विश्व हिन्दु परिषद के अरविन्द प्रताप सिंह, इन्द्रजीत बैस, विजय पांडे, विजय झांझरी, पूर्व महापौर कान्ता सदारंग, हरिओम सोनी, संतोष राय, शिव मालवीय, धर्मेन्द्र मिगलान, अभिलाष गौहर, अरूण शर्मा, अनन्द बक्शी, महिला मोर्चे की अध्यक्ष गरिमा दामोदर , कांग्रेस महिला अध्यक्ष किरण चौधरी एवं अन्य प्रतिनिधी उपस्थित थे। शोभा यात्रा में श्रीराम की आकर्षक झांकी, रथ सवार थी मॉ काली , मॉ दुर्गा झांकी के अलावा हनुमानजी, अंगत, सुग्रीव, वानर सेना, एवं कन्याओं की टोली चल समारोह में थी। पद यात्रा नगर के विभिन्न मार्गों से निकाली गई। सुबह से राम मंदिर में भगवान के दर्शन करने भारी भीड़ थी दोपहर 12 बजे भगवान राम का जन्मदिन मनाया गया।

रामनवमी में निकली विशाल वाहन रैली

अमरवाड़ा. राम नवमी के अवसर पर अमरवाड़ा में निकली विशाल वाहन रैली बड़ी संख्या में शामिल हुए लोग जानकारी के अनुसार राम नवमी के अवसर पर अमरवाड़ा नगर के श्री राम मंदिर से विशाल वाहन रैली रविवार को 4:00? बजे निकल गई इस मौके पर बड़ी संख्या में नगर वासी मौजूद हुए वहीं बच्चों में भी उत्साह देखा गया बच्चों ने अपनी साइकिल में भगवा ध्वज लगाकर रैली में शामिल हुए और जमकर जय श्री राम के नारे लगाए वही नगर के मुख्य मार्ग से रैली गुजरी और जय श्री राम के नारे से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो गया

रामनवमी के विभिन्न आयोजनों में शामिल हुए सांसद बंटी साहू

सांसद बंटी विवेक साहू रामनवमी के अवसर पर शहर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुये। रविवार को शहरवासियों को सांसद श्री साहू का एक अलग ही अंदाज देखने को मिला। सांसद श्री साहू अपने कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए बाइक से ही निकल पड़े थे। सुबह से रात तक शहर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में वे बाईक से ही जाकर शामिल हुये। रामनवमी के अवसर पर सांसद श्री साहू सुबह छोटी बाजार भगवान श्री राम जी की आरती और अभिषेक मे सहपरिवार शामिल हुए। इसके बाद वे दोपहर में वार्ड

न. 14 लालबाग चाक और वाड न. 48 आमा पाब्लिक स्कूल के पास परतला में नवरात्रि के कार्यक्रम में शामिल हुए। शाम को उन्होंने छोटी बाजार श्री साईं मंदिर के पास आयोजित तुलसी रामायण मंडल के आरती कार्यक्रम में शामिल होकर भगवान श्री राम का आर्शीवाद लिया। शाम को संतोषी माता मंदिर चार फाटक में उन्होंने राम रथ यात्रा का शुभारंभ किया और छोटी बाजार राम मंदिर में श्री राम जी की शोभायात्रा में शामिल हुए। सांसद श्री साहू रात में फव्वारा चौक में सुंदरकांड ग्रुप द्वारा आयोजित शोभायात्रा में प्रमुख रूप से शामिल रहें। इस अवसर पर प्रमुख रूप से आयोजन समितियों के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में शहरवासी कार्यक्रमो में शामिल रहें।

चौरसिया महिला समिति ने रामनवमी के अवसर पर किया सुंदरकांड का पाठ

छिंदवाड़ा। चौरसिया महिला समिति द्वारा रामनवमी के अवसर पर डोमन गुरु बाबा राधा कृष्ण मंदिर में सुंदरकांड का पाठ किया गया, जिसमें महिला समिति के सदस्यों ने भाग लिया जिसमें ज्योति चौरसिया, अध्यक्ष रक्षा चौरसिया, अस्मिता ,सविता ,नीलू ,कविता ,अनीता, अनसूया, ज्योति, रीना ,संगीता, रेखा, रेनू ,आशा एवं अन्य महिलाओं ने भाग लिया एवं हिंदु उत्सव समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम रैली में समिति ने भाग लिया।

जीयो ओर जीने दो से गूंज उठी धर्म नगरी छिंदवाड़ा

सांसद बंटी विवेक ने किया अहिंसा दौड़ का शुभारंभ

छिंदवाड़ा। सांसद बंटी विवेक साहू ने मध्य प्रदेश की धर्म नगरी छिंदवाड़ा में श्रीराम नवमी 6 अप्रैल के शुभ दिन सकल जैन समाज ने अहिंसा के प्रणेता एवं जियो ओर जीने दो के उद्घोषक वर्तमान शासन नायक 1008 तीर्थंकर महावीर भगवान के चार दिवसीय 2624 वें जन्मकल्याणक महोत्सव का भव्य शुभारंभ अहिंसा दौड़ से किया। जिसमें हजारों की संख्या में अहिंसा प्रेमी जैन बंधुओं ने जियो ओर जीने दो सहित सर्वोदय अहिंसा का संदेश दिया।अहिंसा दौड़ के शुभारंभ अवसर पर नगर पालिक निगम महापौर विक्रम अहके, एसडीएम सुधीर जैन, सभापति जगेंद्र अल्दक प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। जिनका सकल जैन समाज की ओर से महोत्सव संयोजक विशाल जैन, अध्यक्ष राजेंद्र पटौदी के साथ प्रमोद पाटनी, सुभाष जैन, रवेश जैन, पंकज पाटनी, अभय जैन, चंदू जैन, सुधीर पाटनी, अनिल बज, नरेंद्र जैन, मीनू सिंघई, राकेश भाई शाह एवं श्री काकरिया ने दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। वहीं सर्वोदय अहिंसा के प्रदेश संयोजक दीपक राज जैन ने जलपात्र भेंट कर अभिनंदन किया।इस अवसर सासंद श्री साहू ने भारत सहित पूरी दुनिया को भगवान महावीर के मुख्य सिद्धांत सत्य, अहिंसा पर चलने का आव्हान किया ओर सफल एवं ऐतिहासिक अहिंसा दौड़ के लिए सकल जैन समाज को शुभकामनाएं दीं। वही महापौर श्री अहाके एवं एसडीएम श्री जैन ने विश्व शांति के लिए तीर्थंकर महावीर के सिद्धांतों पर चलने की अपील की ओर सभी को राम नवमी एवं महावीर जन्मकल्याणक की शुभकामनाएं दी।अहिंसा परमो धर्म की जय, महावीर का शुभ संदेश जियो ओर जीने दो, सत्य अहिंसा प्यारा है यही हमारा नारा है के साथ महावीर भगवान की जयघोष के साथ अहिंसा दौड़ छोटी बाजार से अहिंसा रैली की पूर्णता कर स्वल्पाहार में हिस्सा लिया।

इस अवसर पर सर्वोदय अहिंसा द्वारा जलपात्र भेंट कर अतिथियों सहित सकल जैन समाज का अभिनंदन किया गया और ग्रीष्मकाल में पक्षियों किए दाना - पानी रखने की अपील की गई।

गेहूं उपार्जन के लिए किसान 9 अप्रैल तक कर सकते हैं पंजीयन

छिन्दवाड़ा। जिला आपूर्ति अधिकारी छिंदवाड़ा ने बताया कि उप सचिव मध्यप्रदेश शासन के खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग भोपाल 02 अप्रैल 2025 के पत्रानुसार रबी विपणन वर्ष 2025-26 के लिये न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिये किसान पंजीयन की अवधि 09 अप्रैल 2025 तक बढ़ाई गई है। उन्होंने बताया कि किसान स्वयं के मोबाईल से घर बैठे पंजीयन कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त किसानों द्वारा पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था के अंतर्गत ग्राम पंचायत कार्यालय में स्थापित सुविधा केन्द्र, जनपद पंचायत कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र, तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र, सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्रों व एम.पी. किसान एप के माध्यम से भी अपना पंजीयन कर सकते हैं तथा पंजीयन की सशुल्क व्यवस्था के अंतर्गत एमपी ऑनलाईन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेंटर कियोस्क, लोक सेवा केन्द्र व निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे पर भी अपना पंजीयन करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा रबी विपणन वर्ष 2025-26 में पंजीकृत किसानों से स्लॉट बुकिंग के आधार पर समर्थन मूल्य 2425 रूपये प्रति क्विंटल व 175 रूपये प्रति क्विंटल बोनस कुल 2600 रूपये प्रति क्विंटल के मान से जिले में निर्धारित 84 उपार्जन केन्द्रों पर गेहूं उपार्जन कार्य 5 मई 2025 तक किया जायेगा । उन्होंने जिले के सभी किसानों से अपील की है कि शासन की समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन योजना का लाभ प्राप्त करने के लिये 9 अप्रैल 2025 तक पंजीयन केन्द्रों पर पहुंचकर पंजीयन करवायें ।

कार्यकर्ताओं की मेहनत से ही भाजपा बनी दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी: शेषराव यादव

भाजपा ने मनाया स्थापना दिवस

छिंदवाड़ा। भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने पार्टी के स्थापना दिवस पर रविवार को जिला कार्यालय में भारत माता एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं.दीनदयाल उपाध्याय और बाबा साहब अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर पार्टी का ध्वज फहराया। जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को मिठाई खिलाकर बधाई दी। पार्टी कार्यकर्ताओं ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए एक-दूसरे को बधाइयां दी।

जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने जिले के नागरिकों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं को स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं के परिश्रम से भारतीय जनता पार्टी आज दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बन गई है।

साकार हो रहा अटलजी का सपना

भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज हम सभी के लिए ऐतिहासिक दिन है। जनसंघ के बाद 1980 में 6 अप्रैल को ही स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की स्थापना हुई थी। मुंबई में पार्टी के पहले अधिवेशन को संबोधित करते हुए स्व. अटलजी ने कहा था कि अंधेरा छटेगा, सूरज निकलेगा और कमल खिलेगा। आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णु दत्त शर्मा के नेतृत्व में स्व. अटलजी का यह सपना साकार हो रहा है। देश के हर क्षेत्र में कमल खिला है। पंच-सरपंच से लेकर प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति तक भाजपा के नेता हैं। करोड़ों कार्यकर्ताओं की मेहनत से आज भारतीय जनता पार्टी दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बन गई है।

इस अवसर पर महापौर विक्रम अहाके, भाजपा स्थापना दिवस के जिला संयोजक संजय पटेल, सहसंयोजक श्रीमती गरिमा दामोदर, जिला उपाध्यक्ष दारा जुनेजा, दिवाकर सदारंग, जितेन्द्र शाह, अलकेश लाम्बा, संदीप सिंह चौहान, भाजपा नेता विजय पांडे, अजय सक्सेना, दीपक कोल्हे, अंकुर शुक्ला, श्रीमती लीला बजोलिया, पार्षद, राहुल बंटी उईके, संजीव रंगू यादव, भूरा भावरकर, पं. रामशर्मा, जगदीश गोदरे, लोकेश डेहरिया, भारत घई, माईकल पहाड़े, प्रतीक दामोदर, डॉ. कृष्णा हरजानी, मनोज चौरे, दिन्शु यादव, भारती जैन, ममता डोंगरे, निशा गोस्वामी, फुलेश सूर्यवंशी, राजकुमार गोनेकर, अजहर खान, मनोज मंडराह सहित पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सामूहिक पेयजल की समस्याओं को लेकर सांसद को दिया ज्ञापन

सांसद ने कहा जल्द ही समाधान होगी ग्राम पंचायत हिवरखेड़ी पेयजल की समस्या

छिंदवाड़ा। ग्राम पंचायत हिवरखेड़ी के आश्रित ग्राम पिंडरई सराफ कान्हाटोला,मडुआढाना में विगत दो माह से पानी की समस्या है इस समस्या का निराकरण करने हेतु छिंदवाड़ा सांसद विवेक बंटी साहू जी से स्वत:मिलकर अवगत कराया गया जिसमें सांसद ने इस समस्या का तुरन्त संज्ञान में लेते हुए निराकरण करने हेतु संबंधित विभाग अधिकारियों को फोन लगाकर पेयजल की समस्याओं को हल करने को कहा एवं हर संभव मदद का भरोसा दिलाया जिसमें मुख्य रूप से जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती शैलकुमारी वर्मा पूर्व कुंडा मंडल अध्यक्ष कमलेश पटेल सरपंच संघ अध्यक्ष डॉ मुकेश वर्मा उपसरपंच गजेंद्र वर्मा सकरवती परतेती पंच जलधारा बानवती देवेंद्र वर्मा नितेश नामदेव अंकित चरपे ब्रह्मानंद पटेल कैलाश वर्मा शेलू वर्मा रामकुमार वर्मा रामकुमार धुर्वे संतोष कुमरे श्रीराम पटेल जगदीश धूर्वे बीरबल बरकडे कामतराम उईके सुरेश बरकड़े शेखू आरेबा सुकरचन्द आरेबा धर्मेंद्र कुमरे राकेश कुमरे मनोज अरेबा सदाराम वाडिबा पेयजल की समस्याओं को अवगत कराने में शामिल रहे।

भाजपा में कार्यकर्ताओं का विशेष महत्व: सचिन

भाजपा नगर मंडल ने भाजपा का स्थापना दिवस मनाया

अमरवाड़ा। नगर मंडल द्वारा भारतीय जनता पार्टी का 46वा स्थापना दिवस मनाया गया जिसमें मुख्य रूप से मध्यप्रदेश शासन के पूर्व केबिनेट मंत्री प्रेमनारायण ठाकुर की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया जहां पंडित दीनदयाल उपाध्याय के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर दी प्रज्वलित किया इस मके परन गर मंडल अध्यक्ष सचिन गोल्डी नेमा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी आज देश की सबसे बड़ी पार्टी है और भाजपा मैं कार्यकर्ता का विशेष महत्व होता है पार्टी की रीड की हड्डी हमारे कार्यकर्ता ही होते हैं और उन्हीं के दम पर भाजपा की केंद्र प्रदेश में सरकार है आज हम संकल्पित हो कि हम भाजपा के सिद्धांतों पर चलेंगे इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता संतोष नेमा , बालकिशन साहू, विनोद चौरसिया ओमप्रकाश विश्वकर्मा प्रमोद पप्पू नेमा दिलीप नेमा राधेश्याम सोनी आशु चचड़ा ओमप्रकाश नामदेव मुकेश ठाकुर राजेन्द्र राजू सराठे अमित नेमा सचिन जैन भुवन मालवी आशु सोनी कलीराम पटवा अर्पित श्रीवास्तव बंटी साहू अतिशय जैन दीपक विश्वकर्मा , व भाजपा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था छिन्दवाड़ा में प्लेसमेंट ड्राइव 9 को

छिन्दवाड़ा। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था छिन्दवाड़ा में 09 अप्रैल 2025 को ट्राइडेंट ग्रुप बुदनी द्वारा आई.टी.आई. उत्तीर्ण महिला प्रशिक्षणार्थियों के लिये प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया है । जिले की इच्छुक महिला प्रशिक्षणार्थी इस प्लेसमेंट ड्राइव में भाग ले सकती हैं । शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था छिन्दवाड़ा के प्राचार्य ने बताया कि प्लेसमेंट ड्राइव में 10वीं, 12वीं व आई.टी.आई. उत्तीर्ण महिला प्रशिक्षणार्थी जिनकी आयु 18 से 25 वर्ष हो, आवेदन कर सकती हैं। चयनित प्रशिक्षणार्थियों को 18000 रूपये स्टाईपेंड दिया जायेगा। इच्छुक अभ्यर्थी प्रात 10 बजे तक अपने सभी दस्तावेजों की फोटोकॉपी के साथ उपस्थित हो सकते हैं।

स्वरोजगार योजना की मदद से सुनंदा बनीं अपने बुटीक की मालिक

छिन्दवाड़ा। शहर के महारानी लक्ष्मीबाई वार्ड नंबर 9 की सुनंदा साहू, अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए संघर्ष कर रही थीं। उनकी एक छोटी-सी सिलाई की दुकान थी, लेकिन सीमित संसाधनों के कारण आमदनी बहुत कम थी। केवल एक सिलाई मशीन के सहारे काम करने से उनका व्यवसाय आगे नहीं बढ़ पा रहा था, जिससे घर का खर्च चलाना मुश्किल हो रहा था।

अपने सिलाई व्यवसाय को विस्तार देने के लिए उन्हें पूंजी की आवश्यकता थी, लेकिन कोई स्थायी समाधान नजर नहीं आ रहा था। तभी उन्हें नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा द्वारा संचालित स्वरोजगार योजना की जानकारी मिली। यह योजना उनके लिए आशा की किरण बनकर आई। उन्होंने तुरंत सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन तैयार किया और नगर निगम में जमा कर दिया, इस उम्मीद के साथ कि यह योजना उनकी आर्थिक परेशानियों का हल निकालेगी।

जाकिर हुसैन वार्ड में पार्षद के प्रयास से नपा ने घटिया सड़क पर डामर गिट्टी बिछाया पुनः नाली नही बना पाई

सांध्य प्रकाश योगेश गुप्ता बैतूल। जाकिर हुसैन वार्ड मे नगर पालिका द्वारा कुल 710 मीटर लंबी सड़क का डामरी करण लगभग सात लाख से अधिक राशि से कार्य प्रारंभ किया गया है। जिसकी अनुमानित लागत 16 लाख 50 हजार रुपये स्वीकृत बतायी जा रही है। कांग्रेस पार्षद नंदिनी तिवारी द्वारा रामनवमी दिन से डामरी करण शुरू करने के लिए भूमि पूजन किया गया। तब नपा से ब्रजेश खेनोलकर भी पंहुचे। फिर हनुमान मंदिर से कार्य शुरू किया जाकर सुमन चौकीकर के घर सामने से होते हुए सड़क पर से मिट्टी हटाकर पुरानी सड़क पर ही मशीनों द्वारा डामर और बारीक गिट्टी का बिछाई जा रही है। लेकिन दोनों साइड पक्की सीमेंट नाली नही होने से बरसात का पानी सड़क पर बहता रहेगा। जिससे बिछाया गया डामर गिट्टी बरसात के पानी से खराब हो सकता है। वहिं पार्षद नंदिनी तिवारी ने बताया कि यह सड़क लंबे समय से जर्जर स्थिति में थी। और बारिश मे हालात बेहद खराब हो जाती थी। आपको बता दे की पिछले वर्ष दुर्गा चौक के आस पास चौराहा सड़क में बड़े गड्ढे हो गए थे। जिनमे पानी भरने से नागरिको और वाहनों को भारी दिक्कत उठानी पड़ रही थी। लेकिन शिकायतो के बाद भी नगर पालिका की सड़क निर्माण या उसे सुधारने की कोई कार्यवाही नही कर रही थी। तब पार्षद श्रीमती तिवारी ने स्वयं ही फावड़ा लेकर बरसात के दिनों गड्ढे भरने लगी थी। मामला तूल पकडने लगा वार्ड के नागरिको और नपा अधिकारियों का ध्यान आकर्षित हुआ। सड़क पर डामरी करण की स्वीकृति मिल पायी। वार्ड वासी गुड्डू ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस पार्षद श्रीमती तिवारी वार्ड में विकास कार्य के अलावा नगर मे जनहित के कार्यो के लिए हमेशा निस्वार्थ भाव से संघर्ष करती है। वार्ड वासियो ने पार्षद की कार्य प्रणाली को सराहना की है। वार्ड वासियों की समस्या को ध्यान रखते हुए पत्रकार योगेश गुप्ता ने मौके पर उपस्तिथ पार्षद नंदनी तिवारी को नगर पालिका से पुरे वार्ड में सड़क के दोनों ओर से पुनः पक्की सीमेंट की नाली का निर्माण करवाने के प्रयास करने की बात कही है। नाली निर्माण के लिए पार्षद श्रीमति ने तिवारी ने वार्ड वासियो से लिखित सहमति मांगी है।

हमारा लक्ष्य दीवान की तलैया बारिश में स्वच्छ पानी से लबालब तालाब हो जाए:कलेक्टर

स्वच्छता ही सेवा के 41 वें सप्ताह अंतर्गत आज पुराना बाजार नंबर 2 मछरया कुआं दमोह में किया गया श्रमदान

दमोह। स्वच्छता ही सेवा के 41 वें सप्ताह में आज पुराना बाजार नंबर 2 मछरया कुआं में श्रमदान किया गया। इस दौरान कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर, सामाजिक संगठन, स्वयंसेवी संस्थाएं, वार्ड वासियों ने सहभागिता निभाई।

सफाई अभियान के दौरान कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत आज शहर के प्राचीन मछरया कुआं की सफाई की जा रही हैं, यहां वार्डवासियों ने बताया यह बहुत प्राचीन कुआं है और यहाँ पहाड़ी पास में ही हैं। यह प्राचीन कुआं हमेशा पानी से भरा हुआ रहता है, लेकिन लगभग 15 साल से इसमें गंदगी डाली जा रही है। आज इसको जन सहयोग, वार्डवासियों, सामाजिक संगठन, स्वयंसेवी स्थाओं, नगरपालिका के माध्यम से सफाई का कार्य किया जा रहा हैं। उन्होंने सफाई में लगे हुए स्वयं सेवी संगठनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा. इसमे पहला कुंआ 30 मार्च को पुरानी कलेक्ट्रेट के पास जनपद पंचायत के सामने सफाई का कार्य किया गया था। उसकी सफाई का काम पूरा हो गया है। वह जनसहयोग से कराया गया, अब उसमें मुंडेर बनाकर और उसकी जाली लगाने का काम भी इस हफ्ते कंप्लीट करा लिया जायेगा। इसी श्रृंखला में यह दूसरा कुआ है। आगे भी लगातार जनता से फीड्बैक प्राप्त होने के आधार पर जो पुराने कुएं हैं, उनकी सफाई कराई जाएगी।

कलेक्टर कोचर ने कहा जिस प्रकार से बेलाताल की सफाई जनसहयोग से की थी, उसी कड़ी में अब दीवान जी की तलैया में सफाई का काम हम करने वाले हैं। दीवान जी की तलैया में पानी पंप के माध्यम से पूरा खाली करवा लिया गया हैं। अब वहाँ पर जो कचरा, जलकुंभी है, वह सूख गई है, अब दीवान जी की तलैया में अगले हफ्ते से सफाई अभियान प्रारंभ किया जायेगा।

भोपाल में नवरात्रि के बाद जवारे विसर्जित किए गए।

प्रदेश के स्कूलों में गर्मी की 45 और शिक्षकों की 30 दिन की छुट्टी की घोषित

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने शिक्षा सत्र 2025-26 के लिए छात्रों के लिए 1 मई से 15 जून तक 45 दिन की ग्रीष्मकालीन छुट्टियां और शिक्षकों के लिए 1 मई से 31 मई तक एक महीने की छुट्टी घोषित की है। अब मध्यप्रदेश के सभी छात्रों को 1 मई से लेकर 15 जून तक लंबी छुट्टियां मिलेंगी। इन छुट्टियों की शुरुआत 1 मई से होगी और यह 15 जून

तक जारी रहेंगी, यानी छात्रों को पूरे 45 दिन तक छुट्टी मिलेगी। शिक्षकों के लिए भी यह समय राहत भरा होगा, क्योंकि उन्हें 1 मई से 31 मई तक छुट्टी मिलेगी। यह अवकाश सभी सरकारी और निजी स्कूलों में एक साथ लागू होगा। शिक्षकों के लिए भी ग्रीष्मकालीन अवकाश का ऐलान किया गया है। इस साल शिक्षकों को 1 मई से लेकर 31 मई तक छुट्टियां मिलेंगी, यानी उन्हें एक महीने की छुट्टी का लाभ मिलेगा। यह समय शिक्षकों के लिए अपने परिवार के साथ आराम करने और अपनी छुट्टियों का पूरा मजा लेने का होगा।

भोपाल में अवैध कब्जा, 26 कब्रिस्तानों पर तन गईं बस्तियां

भोपाल। वक्फ की संपत्ति बताए जा रहे भोपाल शहर के 126 कब्रिस्तानों पर बस्तियां तन गई हैं। कई भवन और दुकानें बन चुकी हैं। यह बात वक्फ कानून में संशोधन के बहाने वक्फ संपत्तियों की लूट चर्चा में के बाद सामने आई है। मप्र वक्फ बोर्ड के दस्तावेजों में 150 से अधिक कब्रिस्तान दर्ज हैं, लेकिन पिछले दिनों वक्फ बोर्ड और समाज की कुछ संस्थाओं की ओर से कराए गए सर्वेक्षण में 15 से 24 कब्रिस्तानों को ठीक हालत में पाया गया है। शेष 126 से 135 कब्रिस्तानों पर कब्जा है। कब्रिस्तानों पर अतिक्रमण के खिलाफ लंबे समय से आवाज उठा रहे

जमीअत उलमा ए हिंद की मप्र यूनिट के सचिव हाजी मोहम्मद इमरान का दावा है कि 1990 तक भोपाल में छोटे-बड़े करीब 210 कब्रिस्तान थे। अभी केवल 15 अस्तित्व में हैं। उन पर भी आसपास अतिक्रमण का भारी दबाव है। उनका अस्तित्व भी खतरे में है। कब्रिस्तानों पर कब्जे की वजह से बचे हुए कब्रिस्तानों पर भारी दबाव है। वहां नई कब्रों के लिए आसानी से जगह नहीं मिल पाती। कई कब्रिस्तानों ने पक्की कब्र बनाने से मना कर दिया है। कुछ कब्रिस्तानों के लिए रास्ते का संकट खड़ा हो गया है। उन परिवारों के लिए भी भावनात्मक संकट है, जो अपने पुरखों के बगल में अपने प्रियजन को दफनाना चाहते हैं, लेकिन अब वह कब्रिस्तान बचा ही नहीं। मप्र वक्फ बोर्ड अध्यक्ष डॉ. सनव्वर पटेल कहते हैं कि मेरी जानकारी में भोपाल में 150 से अधिक कब्रिस्तान वक्फ बोर्ड के पास हैं। भौतिक सत्यापन करने पर केवल 24 ही मिलते हैं। इनसे वक्फ बोर्ड को कोई आमदनी नहीं हो रही है। हम इनका सत्यापन कर सभी अतिक्रमणकारियों को नोटिस भेज रहे हैं।

न्याय में देरी समाज में असंतोष पैदा करती, हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ने जजों और वकीलों से कहा

सागर। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैथ ने कहा है कि अदालती प्रक्रिया को ई प्रक्रिया के साथ डिजिटल बनाएं। कोर्ट रूम को कार्य स्थल के साथ-साथ कर्म स्थल भी बनाएं। जज, वकीलों की सरल, सुगम, सस्ता न्याय दिलाने में अहम भूमिका होती है। जब न्याय में देरी होती है तो समाज में असंतोष पैदा होता है, अतः न्याय में देरी न करें। जस्टिस कैथ ने यह विचार जिले के मालथौन में 12 करोड़ से अधिक में तैयार किए गए सिविल कोर्ट भवन का लोकार्पण करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि न्याय में देरी के कारण समाज में असंतोष पैदा होता है। असंतोष पैदा ना हो इसलिए सभी जजो और वकील तत्काल कार्रवाई करते हुए शीघ्रता से मुकदमों का निराकरण करें। उन्होंने कहा कि अदालती प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए डिजिटल सिस्टम लागू करें, जिससे कि सभी काम जल्द से जल्द किए जा सकें।

उन्होंने कहा कि अदालत में बार एवं बेंच का सामान होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश की सरकार के द्वारा न्यायालय के संसाधनों के लिए पर्याप्त बजट प्रदान किया गया है। इस बजट के माध्यम से अदालतों में सभी आवश्यकताएं पूरी की जाएंगी। उन्होंने कहा कि सागर एक खूबसूरत शहर है, इसी प्रकार यह भवन भी खूबसूरत है। आप सभी अपने काम को भी खूबसूरत बनाएं। उन्होंने कहा कि यह भवन मात्र पत्थरों की संरचना नहीं है, इस संरचना में न्याय की देवी के माध्यम से समाज को न्याय मिलता है। हाईकोर्ट के जस्टिस एवं सागर जिले के पोर्टफोलियो जज संजय द्विवेदी ने कहा कि भवन निर्जीव होता है, जिसे सजीव बनाने के लिए आप सभी का सहयोग आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यह भवन समय पर बना है, इसके लिए जिला प्रशासन के कार्य को धन्यवाद देते हैं। इसी प्रकार तुरंत न्याय करने के लिए जज एवं वकील काम करें। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश महेश कुमार शर्मा ने स्वागत भाषण देते हुए सागर जिले एवं नवनिर्मित भवन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

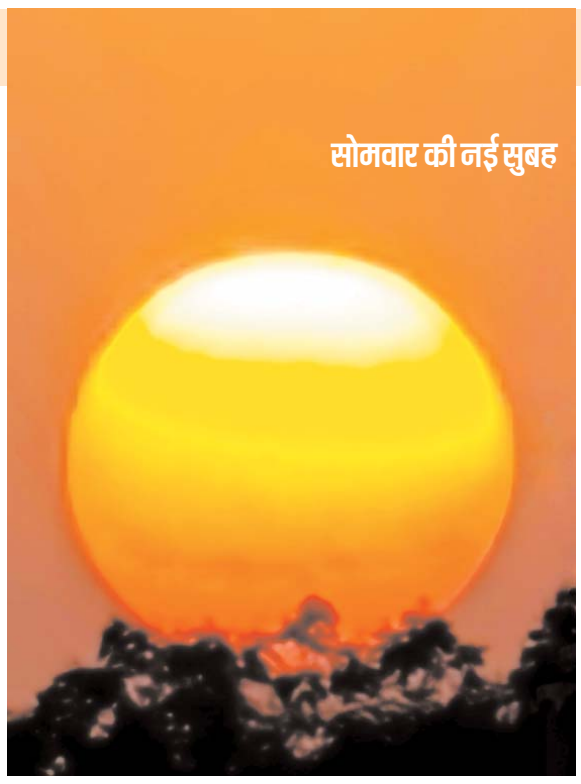

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने राज्य सेवा अधिकारियों के संयुक्त आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम को प्रशासन अकादमी में संबोधित किया। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक राजा बाबू सिंह, अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन संजय दुबे, महानिदेशक प्रशासन अकादमी सचिन सिंह, संचालक प्रशासन अकादमी मुजीबुर रहमान खान विशेष रूप से उपस्थित थे।

ऊर्जा विभाग ने शुरू की अनोखी पहल

बिजली चोरी की सूचना दो और इनाम पाओ

भोपाल। प्रदेश के ऊर्जा विभाग ने बिजली चोरी की रोकथाम के लिए एक नई पहल शुरू की है, जिसके तहत अब बिजली चोरी की सूचना देने वाले नागरिकों को नकद इनाम मिलेगा। यह इनाम कुल बिजली चोरी की राशि का 5 प्रतिशत होगा, जिससे लोग इस सामाजिक अपराध को रोकने में सक्रिय रूप से मदद करेंगे। वित्तीय वर्ष 2024-25 में मध्यप्रदेश की ऊर्जा विभाग की विजिलेंस टीम ने 88,115 बिजली चोरी के मामले दर्ज किए हैं। यह आंकड़ा पिछले साल की तुलना में करीब 13,000 ज्यादा है, जो इस बात का संकेत है कि विभाग ने चोरी के मामलों पर नियंत्रण पाने में बड़ी सफलता हासिल की है। इन मामलों में विभाग ने 19,410.53 लाख रुपये की बिलिंग की और अब तक 11,587.17 लाख रुपये की वसूली भी की है।

बकाएदारों पर की जाएगी कड़ी कार्रवाई

हालांकि, अभी भी विभाग को 8,189.36 लाख रुपये की वसूली बाकी है। बिजली चोरी करने वालों में से कई लोग न्यायालय में केस दायर करने की योजना बना रहे हैं। इन मामलों में, विभाग ने अब कड़े कानूनी कदम उठाने का निर्णय लिया है, ताकि इन राशि की वसूली सुनिश्चित की जा सके। इस कदम से विभाग ने यह संदेश दिया है कि वह किसी भी चोर को बख्शेगा नहीं और वसूली के लिए सभी वैधानिक उपायों का इस्तेमाल करेगा।

पिछले साल की तुलना में अधिक वसूली

वर्ष 2023-24 में बिजली चोरी के 74,579 मामले दर्ज हुए थे, जिनमें कुल 19,776.48 लाख रुपये की बिलिंग की गई थी। इनमें से 8,632.95 लाख रुपये की वसूली की जा चुकी थी। इस प्रकार, 2024-25 में विभाग ने पिछले साल की तुलना में 2,954.22 लाख रुपये अधिक वसूल किए हैं, जो इस पहल की प्रभावशीलता को साबित करता है।

विजिलेंस टीम को मिली सफलता

विजिलेंस टीम ने यह कार्रवाई सूचनाओं और रिपोर्टों के आधार पर की, जो अनियमितताओं को उजागर करने के लिए जुटाई गई थीं। इन सूचनाओं की सही जांच करने के बाद, चोरी के मामलों का सही मूल्यांकन किया गया और बिजली चोरों से भुगतान की मांग की गई। इसके परिणामस्वरूप, ऊर्जा विभाग ने बड़ी वसूली की है और चोरी के मामलों में भारी कमी आई है। इस नई पहल के अंतर्गत, अब कोई भी व्यक्ति जो बिजली चोरी के मामले की सूचना देगा, उसे उस मामले से जुड़ी चोरी की राशि का 5 प्रतिशत नकद इनाम मिलेगा। यह पहल न केवल बिजली चोरी को रोकने में मदद करेगी, बल्कि आम नागरिकों को भी इस अपराध की रोकथाम में सक्रिय रूप से शामिल होने का अवसर देगी।

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता रवि सक्सेना ने महत्वपूर्ण विषय पर पत्रकार वार्ता को संबोधित किया।

शिवराज की पुत्र वधू ने संभाला राजनीतिक मोर्चा

भाजपा के स्थापना दिवस पर बोलीं सेवा करती रहूंगी

सीहोर। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान की पुत्र वधू और कार्तिकेय सिंह चौहान की पत्नी अमानत बंसल चौहान ने रविवार को रामनवमी पर राजनीति में प्रवेश कर लिया है। उनका भाषण तो यही संकेत करता है। वे भाजपा के स्थापना दिवस कार्यक्रम में सम्मिलित हुईं। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि क्षेत्र की बेटी और बहू बनकर आपकी सेवा करती रहूंगी। हालांकि केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान बुदनी भैरूंदा क्षेत्र को अपना परिवार मानते हैं। कई बार सार्वजनिक मंचों पर उन्होंने कहा है कि यहां पर आने के लिए उनका मन हमेशा आतुर रहता है, लेकिन रविवार को उनकी बहू अमानत ने भाजपा के स्थापना दिवस कार्यक्रम में सम्मिलित होने के साथ उनके द्वारा मंच पर दिये गए वक्तव्य से यह स्पष्ट हो रहा है कि आने वाले दिन में वह चौहान परिवार के उत्तराधिकारी के रूप में क्षेत्र की कमान संभाल सकती हैं।

अमानत ने कार्यकर्ताओं से कहा- अमानत ने कहा कि मेरे पिता तुल्य केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान इस क्षेत्र ही नहीं बल्कि देश की सेवा राजनीति के माध्यम से कर रहे हैं। उन्हें क्षेत्र की जनता ने असीम प्यार और दुलार दिया है। इसके लिए वह सभी क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त करती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मैं पहली बार भैरूंदा की धरती पर आई हूं और जो स्वागत सत्कार किया गया है, उससे मैं अभिभूत हूं। कार्तिकेय की पत्नी व क्षेत्र की बेटी और बहू के रूप में जनता की सेवा करने का प्रयास करूंगी। इसके बाद वह अपने पति कार्तिकेय सिंह चौहान के साथ भैरूंदा के खेड़ापति हनुमान मंदिर, भादाकुई में चल रहे याज्ञिक कार्यक्रम व गुलरपुरा हनुमान मंदिर पर चैत्र नवरात्रि के मौके पर होने वाले 15 दिवसीय धार्मिक आयोजन में सम्मिलित हुईं।

प्रदेश में पहली बार स्वदेशी मशीन से रनवे फ्रिक्शन टेस्ट, इंदौर एयरपोर्ट पर बड़े विमानों की लैंडिंग में खतरा नहीं

इंदौर। पहली बार देश में पूरी तरह से स्वदेशी रूप से तैयार की गई फ्रिक्शन रनवे टेस्टिंग मशीन का इस्तेमाल देवी अहिल्याबाई होल्कर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर विमानों की सुरक्षित लैंडिंग के लिए किया गया। इसमें रनवे को एयरक्राफ्ट की सुरक्षित लैंडिंग के लिए उपयुक्त पाया गया। विशेषज्ञों ने माना कि भारी-भरकम विमानों के संचालन के बावजूद वर्तमान में कोई खतरा नहीं है। यह मशीन रनवे पर दौड़ते हुए विमानों की

लैंडिंग के दौरान होने वाले घर्षण की जांच करती है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा यह परीक्षण शनिवार को इंदौर एयरपोर्ट पर किया गया। इंदौर एयरपोर्ट प्रबंधन ने बताया कि इस एयरपोर्ट सरफेस फ्रिक्शन टेस्टर को पहली बार भारत में तैयार किया गया है। इससे पहले यह मशीन विदेशों से मंगाई जाती थी। इस मशीन को एक कार पर इंस्टॉल किया जाता है। इसमें एक विशेष पहिया रनवे की सतह को स्पर्श करता है। कार के दौड़ने पर यह पहिया रनवे पर उपलब्ध घर्षण का डेटा मशीन तक भेजता है। अक्सर विमानों के तेजी से उतरने पर उनके टायरों का रबर रनवे पर चिपक जाता है, जिससे रनवे की घर्षण क्षमता कम हो जाती है और फिसलन का खतरा बढ़ जाता है। यह मशीन इन सभी आंकड़ों को रिकॉर्ड करती है और उसी के आधार पर रनवे के सुधार की आवश्यकता तय की जाती है।

लोकायुक्त ने मत्स्य विभाग के आउटसोर्स कर्मचारी को रिश्वत लेते दबोचा

भोपाल। भोपाल की लोकायुक्त की टीम ने राजगढ़ जिला मत्स्य महासंघ की अधिकारी के आउटसोर्स कर्मचारी को मछली ठेकेदार से एक लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। बताया जा रहा है कि यह रिश्वत महिला अधिकारी के लिए ली गई थी, जो कि फरार है। शिकायतकर्ता अनवर कादरी ने बताया कि मत्स्य विभाग की महिला अधिकारी सुरेखा सराफ के द्वारा रिश्वत के रुपयों के लिए उन्हें बेवजह परेशान किया जा रहा था। परेशान होकर उन्होंने शिकायत लोकायुक्त से की, जिसके पश्चात लोकायुक्त की टीम ने आउटसोर्स कर्मचारी को एक लाख रुपए की रिश्वत के साथ जीरापुर में रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। शिकायतकर्ता के द्वारा महिला अधिकारी पर फर्जी समिति का निर्माण कर गबन करने के भी आरोप लगाए हैं। भोपाल लोकायुक्त टीम की इंस्पेक्टर रजनी तिवारी उक्त मामले में कहती हैं कि शिकायतकर्ता अनवर कादरी ने एक अप्रैल को भोपाल लोकायुक्त को शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्होंने सात वर्ष के लिए कुंडलियां डैम से मछली का ठेका लिया हुआ है। नवंबर 2024 से जबसे इन्होंने वहां मशीनें डालकर काम करना शुरू किया। जिला मत्स्य महासंघ की जिला अधिकारी सुरेखा सराफ तीन माह से किसी न किसी तरह से उन्हें परेशान कर रही हैं। उन पर तीन लाख रुपए प्रतिमाह रिश्वत देने का दबाव बना रही थीं। टीम ने मुबारिक गौरी को एक लाख रुपये की रिश्वत के साथ रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया, लेकिन मैडम अपने आवास और कार्यालय से फरार हो गई। उनके विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है।

सरकार की जल्द नई योजना, लाड़ली बहनों को इससे जोड़ा-6 कमजोर वर्गों पर फोकस

भोपाल। सरकार दीनदयाल जन आजीविका योजना (डीजेएवाय-एस) शुरू करने वाली है। यह योजना शहरी गरीबों के लिए 2014 में शुरू की गई दीनदयाल अंत्योदय योजना का एक्सटेंशन है, जो 2024 में खत्म हो गई थी। अब दायरा बढ़ाते हुए इसमें शहरी गरीबों के साथ ट्रांसपोर्ट, कंस्ट्रक्शन, डोमेस्टिक, वेस्ट, केयर और गिग वर्कर्स को भी शामिल किया गया है। देश के 13 राज्यों के 25 शहरों में योजना का पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया था। इसमें मध्यप्रदेश के भोपाल, इंदौर और उज्जैन भी शामिल थे। 31 मार्च तक चले इस पायलट प्रोजेक्ट के बाद अब इसे पूरे प्रदेश में लागू करने की तैयारी है। मप्र सरकार ने केंद्र की इस योजना से लाड़ली बहनाओं को जोड़ दिया है। उन्हें केंद्र सरकार की बीमा योजना का फायदा मिलेगा।

कौन होंगे हितग्राही, कैसे मिलेगा लाभ- केंद्र सरकार की 2014 में शुरू की गई दीनदयाल अंत्योदय योजना में केवल शहरी गरीबों को शामिल किया गया था। मगर, इस बार सरकार का शहरी गरीबों के साथ 6 कमजोर वर्गों पर फोकस है। इनमें परिवहन, घरेलू, अपशिष्ट प्रबंधन से जुड़े श्रमिक, गिग और केयर वर्कर्स शामिल हैं।

रजिस्ट्रेशन ऑनलाइन होगा- योजना के तहत इन सभी वर्गों से जुड़े श्रमिकों की सर्वे के जरिए पहचान की जाएगी। इसके बाद इनका शहरी असंगठित कामगार पोर्टल पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन किया जाएगा। इन्हें एक आइडेंटिटी कार्ड दिया जाएगा।

गर्मियों में सफर होगा आसान, प्रदेश के 33 स्टेशनों से गुजरेंगी समर स्पेशल ट्रेनें

भोपाल। पश्चिम मध्य रेलवे ने ग्रीष्मकालीन सीजन में यात्रियों की बढ़ी हुई भीड़ को देखते हुए कई नई स्पेशल ट्रेनों का संचालन शुरू किया है। इनमें प्रमुख मार्गों पर जबलपुर, पुणे, मुंबई, कोयंबटूर, अयोध्या, और सहरसा जैसी जगहों के बीच साप्ताहिक ट्रेन सेवाएं शामिल हैं। यात्रियों से अनुरोध किया गया है कि वे पहले से सीट आरक्षित कराएं और समय पर स्टेशन पहुंचे। गर्मी की छुट्टियों में यात्रा करने की योजना बना रहे यात्रियों के लिए खुशखबर है। पश्चिम मध्य रेलवे ने ग्रीष्मकालीन सीजन में यात्रियों की बढ़ी हुई भीड़ को देखते हुए कई नई ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेनों का संचालन शुरू कर दिया है। इस पहल से यात्रियों को यात्रा में ज्यादा आराम और सुविधा मिलेगी, साथ ही भीड़भाड़ से भी छुटकारा मिलेगा। रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) नवल अग्रवाल ने बताया कि पश्चिम मध्य रेलवे के तहत विभिन्न प्रमुख मार्गों पर विशेष ट्रेनों का संचालन शुरू कर दिया गया है। ये ट्रेनें

जबलपुर से अयोध्या, पुणे, बांद्रा टर्मिनस, कोयंबटूर, रानी कमलापति से सहरसा, अगरतला, हड़पसर (पुणे), रीवा से सीएसएमटी मुंबई और सोगरिया से दानापुर के बीच चलाई जा रही हैं। इन ट्रेनों का संचालन अप्रैल के पहले सप्ताह से शुरू हो चुका है, जिससे यात्रियों को गर्मी की छुट्टियों में यात्रा करने में ज्यादा सहूलियत होगी।

जबलपुर और अयोध्या के बीच विशेष ट्रेन- पश्चिम मध्य रेलवे ने जबलपुर और अयोध्या के बीच एक विशेष ट्रेन सेवा शुरू की है। 01701 जबलपुर से अयोध्या साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन हर बुधवार को रात 19.40 बजे रवाना होगी और अगले दिन सुबह 11 बजे अयोध्या पहुंचेगी। वही, वापसी में 01702 अयोध्या से जबलपुर ट्रेन गुरुवार दोपहर 13.30 बजे अयोध्या से चलेगी।

पुणे के लिए साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन - पुणे जाने वाले यात्रियों के लिए जबलपुर से एक साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन सेवा शुरू की गई है। 02132 जबलपुर-पुणे ट्रेन हर रविवार को दोपहर 13.50 बजे रवाना होकर सोमवार सुबह पुणे पहुंचेगी। पुणे से जबलपुर वापसी में 02131 ट्रेन सोमवार सुबह 11.30 बजे रवाना होगी।

मुंबई के लिए नई स्पेशल ट्रेन- मुंबई जाने वाले यात्रियों के लिए जबलपुर से बांद्रा टर्मिनस तक साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन की शुरुआत की गई है। 02134 जबलपुर-बांद्रा टर्मिनस ट्रेन शुक्रवार को शाम 5 बजे जबलपुर से रवाना होगी। वापसी में 02133 बांद्रा टर्मिनस से जबलपुर ट्रेन शनिवार शाम 5.15 बजे प्रस्थान करेगी।

दक्षिण भारत का सफर अब और आसान- दक्षिण भारत जाने वाले यात्रियों के लिए जबलपुर से कोयंबटूर के बीच एक नई साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन शुरू की गई है। 02198 जबलपुर-कोयंबटूर ट्रेन शुक्रवार रात 11.50 बजे रवाना होगी, जबकि वापसी में 02197 कोयंबटूर से जबलपुर सोमवार शाम 5.05 बजे चलेगी।

रीवा से मुंबई तक सीधी सेवा

रीवा से मुंबई तक जाने वाले यात्रियों के लिए भी विशेष ट्रेन सेवा शुरू की गई है। 02187 रीवा-सीएसएमटी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन गुरुवार को दोपहर 3.50 बजे रीवा से रवाना होगी, और वापसी में 02188 सीएसएमटी-रीवा ट्रेन शुक्रवार को सुबह 10 बजे मुंबई से चलेगी।

बिहार जाने वाले खुश हो जाओ

रानी कमलापति से सहरसा के बीच एक नई स्पेशल ट्रेन सेवा शुरू की गई है। 01663 रानी कमलापति-सहरसा ट्रेन सोमवार शाम 4.30 बजे रवाना होगी, और वापसी में 01664 सहरसा-रानी कमलापति ट्रेन मंगलवार शाम 6.30 बजे सहरसा से चलेगी। इन स्पेशल ट्रेनों का संचालन यात्रियों के लिए एक बेहतरीन सुविधा साबित होगा। रेलवे ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे समय पर स्टेशन पहुंचें और अपनी यात्रा की योजना पहले से बनाकर सीट आरक्षित कराएं। इन ट्रेनों में यात्रा के लिए टिकट पूर्व में बुक करना अनिवार्य होगा।